THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 338 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.2 2081 शनिवार, 1 मार्च-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'नान घोटाले' में पूर्व एडवोकेट जनरल को राहत

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नागरिक आपूर्ति निगम घोटाले में राज्य के पूर्व एडवोकेट जनरल सतीश चंद्र वर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सतीश चंद्र वर्मा को राहत देते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने वर्मा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। सतीश चंद्र वर्मा की तरफ से वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा और सुमीर सोढ़ी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। वहीं राज्य सरकार का पक्ष वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने रखा।

'आयुष्मान भारत योजना को राजधानी में भी लागू कर रहे'

दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि वे राष्ट्रीय राजधानी में भी पीएम आयुष्मान भारत योजना को लागू करने जा रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस पीके मिश्रा की पीठ के समक्ष दिल्ली सरकार ने यह सबमिशन दिया। इसके बाद दिल्ली सरकार की तरफ से पेश हुए वकीलों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 दिसंबर 2024 के फैसले के खिलाफ दायर याचिका को वापस लेने की मांग की, जिसकी सुप्रीम कोर्ट पीठ ने स्वीकृति दे दी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिया था समझौता करने का आदेश :

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में दिल्ली सरकार को 5 जनवरी तक दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत योजना लागू करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एमओयू (ज्ञापन समझौता) करने का आदेश दिया था। इस पर तत्कालीन आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 17 जनवरी को अपने आदेश में उच्च न्यायालय के एमओयू करने के निर्देश पर रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि हालिया विधानसभा चुनाव में दिल्ली में आम आदमी पार्टी को हराकर भाजपा सत्ता पर काबिज हो गई है, जिसके बाद दिल्ली में भी पीएम आयुष्मान भारत योजना के लागू होने का रास्ता साफ हो गया।

दरअसल दिल्ली में भी पीएम आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मांग वाली याचिका उच्च न्यायालय में दायर की गई थी। इस पर दिल्ली सरकार ने कहा था कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार में 529 मोहल्ला क्लीनक चल रहे हैं, जबकि पीएम आयुष्मान भारत योजना ग्रामीण भारत के लोगों के लिए डिजाइन की गई है।

उत्तराखंड में एवलांच, 57 मजदूर दबे

16 का रेस्क्यू , 4 गंभीर बद्रीनाथ हाईवे पर बर्फ हटाने के काम में लगे थे

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली में शुक्रवार सुबह 7.15 बजे एवलांच की वजह से 57 मजदूर बर्फ में दब गए। मजदूर 8 कंटेनर और एक शेड में थे। घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई। यहां बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) की टीम चमोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बर्फ हटाने के काम में लगी हुई है। मजदूर बीआरओ की टीम के साथ थे।

सेना के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही क्विक रिस्पॉन्स टीम के 100 से ज्यादा जवान तत्काल रेस्क्यू में जुटे। इसमें डॉक्टर, एम्बुलेंस स्टाफ भी शामिल हैं। सुबह 11.50 बजे टीम ने 5 कंटेनरों का पता लगाया और 10 मजदूरों को निकाला। इन लोगों को जोशीमठ और माणा के अस्पतालों में भेजा गया है। 10 में से 4 की हालत गंभीर है।

सेना के मुताबिक 3 कंटेनरों की तलाश जारी है। अबतक कुल 16 मजदूरों का रेस्क्यू किया जा चुका है। 41 की तलाश जारी है। सेना के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और बीआरओ की टीमें मौके पर मौजूद है। हेलिकॉप्टर और ड्रोन टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं।

हादसे को लेकर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एसडीआरएफ के अधिकारियों के साथ बैठक की है। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घटना को लेकर उत्तराखंड के सीएम, सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ के अधिकारियों से बातचीत की है। माणा तिब्बत सीमा पर भारत का आखिरी गांव है।

चमोली डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि घटनास्थल पर लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है, इसलिए हम हेलिकॉप्टर नहीं भेज पा रहे हैं। एसडीआरएफ की आईजी रिधिमा अग्रवाल ने बीआरओ कमांडेंट के हवाले से बताया कि घटना बद्रीनाथ धाम के पास की है।

एसडीआरएफ की एक टीम जोशीमठ से रवाना हो चुकी है। लामबगड़ में सड़क ब्लॉक है। सेना उसे खोलने में लगी हुई है। दूसरी टीम को सहस्रधारा हेलीपैड पर अलर्ट पर रखा गया है।

पॉक्सो मामले में येदियुरप्पा की मुश्किलें बढ़ीं

कोर्ट के सामने पेश होने के निर्देश, अन्य आरोपियों को भी समन

बेंगलूरू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में पेश होने को कहा गया है। पॉक्सो मामले की अदालत ने इस संबंध में आदेश दिया है। अगली सुनवाई पहली फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी। कोर्ट ने सह-आरोपी वाईएम अरुणा, रुद्रेश और मारुलासिद्धैया जी. मरिस्वामी को भी समन जारी किया है। इन सभी को उसी दिन पेश होने के लिए कहा गया है।

हाईकोर्ट ने हाल ही में पूर्व सीएम येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में अग्रिम जमानत दी थी। बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत देते हुए हाईकोर्ट ने येदियुरप्पा को गिरफ्तार न करने का निर्देश दिया था। मुकदमे में पहले उन्हें हाजिरी से छूट दी गई थी।

हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा था :

इससे पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा था। हाईकोर्ट ने एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो केस को खारिज करने से मना कर दिया था और मामले को ट्रायल कोर्ट में वापस भेज दिया था। हालांकि, इसके साथ ही कोर्ट ने येदियुरप्पा को आंशिक राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया था। जस्टिस नागप्रसन्ना ने ही पहले येदियुरप्पा को गिरफ्तारी के खिलाफ अंतरिम संरक्षण दिया था।

येदियुरप्पा पर क्या लगे हैं आरोप :

बीएस येदियुरप्पा पर भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के साथ-साथ बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला पिछले साल 14 मार्च को 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

महिला ने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक भेंट के दौरान उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के लिए पोक्सो अधिनियम की धारा 8 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (ए) के तहत येदियुरप्पा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

तेलंगाना टनल हादसा मजदूरों के जिंदा दफन की आशंका

रेलवे की टीमें भी रेस्क्यू में जुटी, 22 फरवरी से 8 मजदूर फंसे हैं

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एसएलबीसी सुरंग में हुई त्रासदी ने आठ लोगों की जान ले ली। वे इस दुर्घटना में जिंदा दफन हो गए। मृतकों में छह मजदूर और दो इंजीनियर शामिल हैं। दुर्घटना के बाद से ही अधिकारी और बचाव दल पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। हालांकि शव के मिलने की किसी अधिकारी ने पुष्टि नहीं की है।

कारियों द्वारा इस्तेमाल किए गए अत्याधुनिक उपकरणों से पता चला है कि पीड़ित तीन मीटर की गहराई पर मिट्टी में दबे हुए थे। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार मशीन द्वारा पांच शव मिट्टी में दबे हुए पाए गए। ऐसा लगता है कि इन पांच शवों को निकालने में अभी और समय लगेगा। अधिकारी शेष तीन लोगों के शवों की तलाश में जुटे हैं। एनजीआरआई ने दुर्घटना स्थल पर बचाव अभियान तेज कर दिया है। जमीन में फंसे लोगों की स्थिति का पता लगाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जीरो ग्रेविटी पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल करते हुए एक विशेष टीम जमीन में फंसे लोगों की पहचान करने में जुटी है। एनजीआरआई की टीम ने मशीन का उपयोग करके सुरंग को अच्छी तरह से स्कैन किया। एनजीआरआई की टीम ने जीपीआर की मदद से सुरंग में पांच संदिग्ध स्थानों की पहचान की और इन क्षेत्रों में शवों की निगरानी के लिए निशान लगाए गए। बचाव दल अब पीड़ितों के ठिकाने का पता लगाने और उनके शवों को बरामद करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ मामले से जुड़ी याचिका खारिज

कोर्ट ने पूछा- 200 मौतों के दावे का क्या सबूत?

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर लगी याचिका खारिज कर दी है। याचिका में याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट ने दलील दी थी कि रेलवे प्रशासन मौतों की वास्तविक संख्या को छिपा रहा है, जो 18 बताई गई थी। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भगदड़ के दौरान करीब 200 मौतें हुई थीं। कोर्ट ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता यह दावा कर रहा है कि राज्य सरकार इस मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि 200 मौतों के कथित दावे का क्या सबूत है? याचिकाकर्ताओं के वकील की संक्षिप्त सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि प्रभावित लोगों को कोर्ट में आना चाहिए। वकील ने कहा कि यह याचिका राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम और भीड़ प्रबंधन के लिए प्रासंगिक नियमों के उचित कार्यान्वयन के लिए दायर की गई थी। याचिका में मामले से जुड़े सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया गया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायत के साथ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। इससे पहले 19 फरवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेलवे से अधिकतम यात्रियों की संख्या तय करने और प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री की जांच करने को कहा था। ये मुद्दे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ को लेकर उसके समक्ष दायर एक जनहित याचिका में उठाए गए थे। हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों से अपने हलफनामे में इन मुद्दों पर लिए गए निर्णयों की जानकारी देने को कहा था।

15 फरवरी की घटना :

दरअसल, 15 फरवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले लोगों की भारी भीड़ थी साथ ही अन्य यात्री भी थे। दो ट्रेनों के लेट होने के चलते भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ मच गई। यह पूरी घटना महज 10 मिनट में घटी और प्रशासन की लापरवाही और यात्रियों में दुविधा के चलते इतना बड़ा हादसा हो गया।

सरकार ने किया था मुआवजे का एलान :

सरकार ने नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया था। रेलवे की ओर से मुआवजे का एलान किया गया था। रेलवे ने बताया था कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये, हादसे में गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

हादसे की जांच के लिए समिति का गठन :

रेलवे ने भगदड़ की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन कर दिया। समिति में नरसिंह देव पीसीसीएम/उत्तर रेलवे और पंकज गंगवार, पीसीएससी उत्तर रेलवे को शामिल किया गया था।

दिल्ली विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश

आप मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं, स्टाफ की कमी, बड़े ऑपरेशन के लिए लंबा इंतजार

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी सीएजी रिपोर्ट रखी। 7 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। आईसीयू की कमी है।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की कम से कम 21 मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है। अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। इस रिपोर्ट पर सोमवार को सदन में चर्चा होगी। इस बीच विधानसभा से सस्पेंड आप विधायकों ने राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा है।

शराब नीति पर रिपोर्ट में 2002 करोड़ का नुकसान :

सीएम रेखा गुप्ता ने 25 फरवरी को सदन में दिल्ली शराब नीति पर सीएजी रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट में आप की गलत शराब नीति की वजह से 2002 करोड़ रुपये नुकसान की बात सामने आई थी। 25 फरवरी को एलजी के अभिभाषण के दौरान आप विधायकों ने नारेबाजी की। इसके बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आप के 21 विधायकों को निलंबित कर दिया था। गुरुवार को आप विधायकों ने विधानसभा में 6 घंटे से ज्यादा विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। इधर, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा- शीशमहल की जांच होगी।

हिंदू हूं, इसलिए शिवरात्रि कार्यक्रम में गया : शिवकुमार

शाह भी थे, कांग्रेस सचिव बोले- डिप्टी सीएम राहुल का मजाक उड़ाने वालों के साथ

चेन्नई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही हैं। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार 26 फरवरी को ईशा फाउंडेशन की तरफ से कोयंबटूर में आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम में गए थे। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव पीवी मोहन ने शिवकुमार की कोयंबटूर यात्रा पर निशाना साधा। पीवी मोहन ने सोशल मीडिया पर लिखा- शिवकुमार एक ऐसे व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। पीवी मोहन के आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा- मैं एक हिंदू हूं।

मैं एक हिंदू के रूप में पैदा हुआ हूं और मैं एक हिंदू के रूप में मर जाऊंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं।

शिवकुमार बोले- सद्गुरु जग्गी वासुदेव एक महान इंसान हैं :

शिवकुमार ने सद्गुरु के कार्यक्रम में जाने को लेकर कहा कि ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु जग्गी वासुदेव आए और मुझे (कोयंबटूर में शिवरात्रि समारोह के लिए) आमंत्रित किया। वे मैसूर से हैं। वे महान व्यक्ति हैं और मैं उनके ज्ञान और कद की प्रशंसा करता हूं, लेकिन कई लोग उनकी आलोचना करते हैं।

कांग्रेस नेताओं के आरोपों पर शिवकुमार का जवाब...

योगी सरकार का कुंभ का आयोजन सराहनीय : महाकुंभ के बारे में मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। जिस तरह से उन्होंने (योगी सरकार) इसे आयोजित किया, मैं उसकी सराहना करता हूं। यह कोई छोटा काम नहीं है। यहां-वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं। ट्रेनों के कारण भी समस्याएं हो सकती हैं। मुझे खामियां निकालना पसंद नहीं है। यह बहुत संतोषजनक है।

भाजपा से किसी तरह की साठगांठ नहीं : भाजपा के साथ साठगांठ के आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने इसे अपने खिलाफ साजिश बताया। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी में सभी को साथ लेकर चलने का सिद्धांत है। महात्मा गांधी, नेहरू और इंदिरा गांधी ने भी यही किया। मैंने सोनिया गांधी को उगादि उत्सव मनाते देखा है। उन्होंने भारतीयता को अपनाया है।

कर्नाटक में कांग्रेस और डी शिवकुमार के बीच काफी समय से अनबन की खबरें रही हैं। इसकी शुरूआत 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से शुरू हुई थी। कांग्रेस की शानदार जीत के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की रेस में सिद्धारमैया से काफी आगे थे। बाद में उन्हें पीछे हटना पड़ा।

कई दिनों की मान-मनौव्वल के बाद शिवकुमार ने प्रदेश अध्यक्ष का पद बरकरार रखते हुए उपमुख्यमंत्री पद के लिए समझौता किया।

अपराधियों में सजा का खौफ और लोगों का न्याय में भरोसा अच्छे शासन की पहचान: राष्ट्रपति मुर्मू

गांधीनगर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि अपराधियों में पकड़े जाने और सजा मिलने का डर और आम लोगों में न्याय पाने का भरोसा अच्छी शासन व्यवस्था की पहचान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी न्यायिक प्रणाली तभी मजबूत मानी जाएगी, जब वह वास्तव में समावेशी हो। उन्होंने कहा कि 2024 में तीन नए आपराधिक कानूनों की शुरूआत में भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था।

मुर्मू गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। इस मौक पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने कहा, अपराध पर नियंत्रण, अपराधियों में पकड़े जाने और दंडित होने का डर व आम लोगों में न्याय पालने का भरोसा अच्छी शासन व्यवस्था की पहचान है।

एससी आयोग में दो अहम पद खाली

सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का सबूत, राहुल गांधी का बड़ा हमला

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में दो अहम पद खाली हैं, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जल्द से जल्द आयोग के सभी पद भरने चाहिए, ताकि यह दलितों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की वेबसाइट के अनुसार, आयोग के उपाध्यक्ष तथा एक सदस्य का पद रिक्त है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत देखिए! दलितों के अधिकारों की रक्षा करने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को जानबूझकर उपेक्षित कर दिया गया है- इसके दो अहम पद पिछले एक साल से खाली पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इसे कमजोर करना दलितों के संवैधानिक और सामाजिक अधिकारों पर सीधा हमला है। राहुल गांधी ने सवाल किया कि आयोग नहीं तो सरकार में दलितों की आवाज कौन सुनेगा? उनकी शिकायतों पर कार्रवाई कौन करेगा? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, जल्द से जल्द आयोग के सभी पद भरे जाने चाहिए, ताकि यह दलितों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके। इससे पहले देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा था कि अगले मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए हुई समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया था।

ईशा फाउंडेशन से जुड़े केस में हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से 'सुप्रीम' इनकार

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ तमिलनाडु प्रदूषण बोर्ड के नोटिस को रद्द करने के मद्रास हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु के वेल्लियांगिरी में ईशा फाउंडेशन के योग और ध्यान केंद्र के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके अलावा ईशा फाउंडेशन का योग और ध्यान केंद्र पर्यावरण मानदंडों का पालन करेगा और विस्तार के लिए पूर्व अनुमति लेगा।

आज सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ :

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें जग्गी वासुदेव की ईशा फाउंडेशन के खिलाफ तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) के नोटिस को रद्द कर दिया गया था। यह नोटिस वेल्लियांगिरी पर्वतीय क्षेत्र की तलहटी में बिना पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के भवनों के निर्माण के लिए दिया गया था।

पीठ ने क्या कहा :

जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि कोयंबटूर के वेल्लियांगिरी पर्वतीय क्षेत्र में निर्मित ईशा फाउंडेशन के योग और ध्यान केंद्र के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। पीठ ने कहा कि योग और ध्यान केंद्र सभी पर्यावरणीय मानदंडों और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों का पालन करेगा।

आदेश अवैध निर्माण को नियमित करने के लिए मिसाल नहीं बनाएगा :

पीठ ने कहा कि योग और ध्यान केंद्र के विस्तार के मामले में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति ली जाएगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यह आदेश अवैध निर्माण को नियमित करने के लिए मिसाल नहीं बनाएगा। यह मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पारित किया गया है।

हाईकोर्ट में क्या हुआ था :

इससे पहले हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर 2022 को यह माना था कि कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन द्वारा स्थापित केंद्र शिक्षा श्रेणी में आएगा और टीएनपीसीबी के नोटिस को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने 19 नवंबर 2021 के नोटिस को रद्द कर दिया और ईशा फाउंडेशन की याचिका को स्वीकार कर लिया। यह कारण बताओ नोटिस पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के बिना वेल्लियांगिरी की तलहटी में इमारतों के निर्माण को लेकर था।

राम रहीम की पैरोल के खिलाफ याचिका खारिज

एसजीपीसी ने की थी दायर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- व्यक्ति विशेष को निशाना नहीं बनाया जा सकता

अमृतसर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो पर रिहा किए जाने के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर जनहित याचिका दायर नहीं की जा सकती।

अगर किसी नियम का उल्लंघन किया गया है या हाईकोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया गया है तो उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। यह याचिका शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने दायर की थी। याचिका में राम रहीम को 2022 से अब तक बार-बार जेल से बाहर आने की अनुमति दिए जाने का विरोध किया गया था।

हिसार रमलू हत्याकांडः कोर्ट ने राममेहर को सुनाई उम्रकैद की सजा, दोषी ने खुद रची थी अपनी मौत की साजिश

हिसार, 28 फरवरी (एजेंसियां)। रमलू हत्याकांड में एडीजे गगनदीप मित्तल की अदालत ने दोषी राममेहर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। राममेहर को अदालत ने चार दिन पहले दोषी करार दिया था। वीरवार को अदालत ने सजा के फैसले को एक दिन के लिए टाल दिया था। रमलू के परिवारजनों ने राममेहर को सजा सुनाए जाने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति को कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए। पीड़ित पक्ष के वकील लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि कोर्ट में आज जज के सामने हमने कहा कि यह मामला जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है, क्योंकि राममेहर ने बड़ी चालाकी और योजना के तहत हत्याकांड को अंजाम दिया है। रमलू की पैथालॉजी रिपोर्ट में भी किसी तरह के शराब व अन्य किसी पदार्थ के सेवन की बात सामने नहीं आई है राममेहर ने रमलू को बिना कसूर अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए जिंदा जला कर दर्दनाक तरीके से मार डाला। रमलू के परिवार में 10 लोग थे, जो उस पर ही निर्भर थे। उन सभी के जीवन को भी इस हत्याकांड ने उनके जीवन को भी प्रभावित किया है। राममेहर के 3 औरतों के साथ संबंध थे। कोर्ट राधा नाम की महिला को पहले ही बरी कर चुकी है। 6 अक्तूबर 2020 को हांसी में व्यापारी राममेहर ने 1.41 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम पाने के लिए खुद की हत्या की साजिश रची थी। खुद को मृत घोषित करने के लिए उसने अपने ही गांव डाटा के अपने ही नाम के व्यक्ति राममेहर उर्फ रमलू को ढूंढा। उसने गांव में घूमकर ऐसे व्यक्ति की पहचान की जो उसकी तरह कद काठी का हो, उसकी उम्र का हो।

'राज्य को बचाने के लिए सभी को एक साथ खड़े होने की जरूरत'

तमिलनाडु सीएम का चौंकाने वाला बयान

चेन्नई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश साझा कर लोगों से राज्य को बचाने के लिए एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि परिसीमन और तीन भाषा नीति से लड़ने की जरूरत है। स्टालिन ने कहा कि परिसीमन राज्य के आत्मसम्मान, सामाजिक न्याय और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ा मामला है।

स्टालिन बोले- परिसीमन का मामला राज्य के आत्मसम्मान से जुड़ा

तमिलनाडु सीएम ने अपनी पार्टी के कैडर से अपील करते हुए कहा कि 'आज तमिलनाडु दो अहम चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें से एक है भाषा की लड़ाई, जो हमारी जीवनरेखा है। वहीं दूसरी लड़ाई है परिसीमन की, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे अपील करता हूं कि इस लड़ाई के बारे में लोगों को बताया जाए। परिसीमन का सीधा असर राज्य के आत्म सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों की कल्याणकारी योजनाओं पर होगा।

आपको इस संदेश को लोगों तक लेकर जाना होगा ताकि राज्य का हर नागरिक राज्य को बचाने के लिए एकजुट हो सके।' तमिलनाडु सीएम ने अपने 72वें जन्मदिन की संध्या पर जारी संदेश में कहा कि 'उनकी पार्टी डीएमके इस अन्याय को स्वीकार नहीं करेगी और इसके खिलाफ आवाज उठाएगी।' स्टालिन ने कहा कि 'हमारी मांग साफ है कि संसदीय सीटों का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर नहीं होना चाहिए। दक्षिणी राज्यों को जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए दंड नहीं दिया जाना चाहिए। हमें ये शपथ लेनी चाहिए कि हम तमिलनाडु के कल्याण और भविष्य पर कोई समझौता नहीं करेंगे। हमें राज्य के अधिकार की इस लड़ाई में एकजुट होने की जरूरत है। तमिलनाडु इसका विरोध करेगा और इसमें जीत हासिल करेगा।'

परिसीमन को लेकर आवाज उठा रहे दक्षिण के राज्य

स्टालिन ने कहा कि परिसीमन को लेकर कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना और कई अन्य राज्यों से भी आवाज उठ रही है। केंद्र सरकार परिसीमन को हम पर नहीं थोप सकती। सीएम स्टालिन ने तीन भाषा नीति का भी विरोध किया और कहा कि भाषा के आधार पर केंद्र राज्य के फंड रोक रहा है और अब परिसीमन से राज्य का प्रतिनिधित्व भी प्रभावित होगा। स्टालिन ने कहा कि हमारी मांग है कि सिर्फ जनसंख्या के आधार पर परिसीमन नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुनिश्चित किया था कि परिसीमन से दक्षिण के राज्यों को नुकसान नहीं होगा।

हालांकि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने गृह मंत्री के बयान पर असंतोष जाहिर किया और कहा कि उनकी बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि साल 2026 से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। अगर परिसीमन जनसंख्या के आधार पर हुआ तो इससे दक्षिण के राज्यों में लोकसभा सीटें घट सकती हैं और उत्तरी राज्यों में सीटें बढ़ सकती हैं। इसका दक्षिण के राज्य विरोध कर रहे हैं।

पहले की दोस्ती फिर धोखे से बनाया बंधक, दोस्त के साथ मिलकर 20 दिन तक की हैवानियत, मामला दर्ज

मुरैना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सुमावली थाना क्षेत्र के रुअर मैना बसई गांव में एक युवक मोहन गुर्जर ने पहले महिला से दोस्ती की। फिर एक माह बाद युवक ने फोन कर महिला को गांव से दूर एक पहाड़ के पास बुलाया और अपने दोस्त राहुल गुर्जर के साथ मोटरसाइकिल पर जबरदस्ती बिठाकर मुरैना के अन्तो वाई रोड गणेश पुरा किराये के कमरे में बंधक बना लिया। दोनों युवकों ने 20 दिन तक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला ने बताया दोनों युवक जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर मुरैना लेकर आये और मुझे कमरे बंद कर मेरे साथ गलत काम करते थे। जब कहीं जाते तो मुझे कमरे में ताला डालकर बंद कर जाते थे।

समंदर में तैरती नाव धूं-धूं कर जली

18 लोगों को बचाया गया, मछुआरों को लेकर गई थी नाव

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अलीबाग के पास समंदर में एक नाव में आग लग गई। इस नाव का इस्तेमाल मछली पकड़ने के लिए किया जाता है। नाव में सवार 18 लोगों को बचा लिया गया है। बताया जाता है कि यह नाव समंदर में मछली पकड़ने के उद्देश्य से निकली थी। लेकिन शॉर्ट सर्किट के चलते अचानक नाव में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों की मदद से नाव को किनारे पर लाकर आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है कि नाव पर करीब 18 लोग सवार थे। नाव में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह बोट अलीबाग के पास स्थित साखर गांव के मारुति गण की थी। इस नाव के जरिए समंदर में मछली पकड़ी जाती थी। लेकिन यह नाव हादसे का शिकार हो गई। आग से नाव का 80 प्रतिशत हिस्सा जलकर खाक हो गया। समंदर के बीच तैरती हुई नाव में जब आग लगी तो तो मदद के लिए आसापास मौजूद नाविकों के साथ ही कोस्टगार्ड की शिप भी वहां पहुंच गई। इससे राहत और बचाव में काफी मदद मिल गई। देखते ही देखते नाव में सवार मछुआरों को जलती हुई नाव से सुरक्षित निकाल लिया गया।

जान पर खेलकर लोगों ने हथियारबंद चोर को धर दबोचा, जमकर की पिटाई

बेंगलुरु, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में आम लोगों ने चोर गिरोह के एक सदस्य को आड़े हाथों लिया। शहर के एमजी रोड पर चोरों के गिरोह का लोगों ने पीछा किया। इसके बाद गिरोह का एक व्यक्ति को लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की और आरोपी को कब्बन पार्क पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी सामने आई कि गिरोह में शामिल लोगों को चाकुओं के साथ कई बार सड़कों पर घूमता देखा गया है। यह गिरोह उन जगहों पर घूमते थे, जहां अक्सर पर्यटक घूमते रहते हैं। हाल ही में गिरोह ने एक महिला को निशाना बनाया था।

'केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के आधार पर दर्ज नहीं हो सकती एफआईआर', पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने एक केस में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि शराबबंदी कानून के तहत केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के आधार पर दर्ज किया गया केस अवैध माना जाएगा। जिस पर आज (शुक्रवार) वकील शिवेश सिन्हा ने कहा कि हाईकोर्ट ने किशनगंज में पोस्टेड एक सरकारी कर्मचारी की याचिका पर फैसला सुनाते हुए आदेश पारित किया है। आबकारी विभाग ने जब किशनगंज में सरकारी कर्मचारी के घर पर रेड मारी तो ब्रेथ एनालाइजर मशीन टेस्ट के दौरान उनकी रिडिंग 4.1 एमजी 100 एमएल आई। इसको लेकर उनके खिलाफ एक केस दर्ज किया गया। वकील ने आगे बताया कि सरकारी कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई जिसके बाद विभागीय कार्रवाई के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। फिर इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में जानकारी दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के 1971 के एक फैसले में कहा गया है कि चिकित्सा न्यायशास्त्र के अनुसार, शराब के सेवन के लिए केवल ब्लड टेस्ट और यूरिन टेस्ट ही निर्णायक सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि ऐसा व्यक्ति जो लड़खड़ा रहा हो, उसके मुंह से दुर्गंध आ रही हो या फिर बोलने से ऐसा प्रतीत हो रहा हो कि उसने शराब पी रखी है। ऐसी कंडीशन में भी यह पुख्ता नहीं होता कि वो व्यक्ति शराब का सेवन किए हुए है।

'ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट निर्णायक सबूत नहीं'

वकील शिवेश सिन्हा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि केवल ब्लड टेस्ट और यूरिन टेस्ट के माध्यम से ही ये पुष्टि हो सकती है कि उक्त व्यक्ति ने शराब पी रखी है। हमारे केस में ना ब्लड टेस्ट और ना ही यूरिन टेस्ट हुआ था। केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आगे कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट के सामने दोहराया जिस पर हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया कि ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट शराब की पुष्टि का निर्णायक सबूत नहीं है। हाईकोर्ट की तरफ से स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के आधार पर किसी के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया जा सकता।

'परिवार के वित्तीय ऋण की वजह से हुई वारदात' सामूहिक हत्याकांड में पुलिस को संदेह

तिरुवनंतपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मकेरल में सामूहिक हत्याकांड को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पांच दिन पहले वेंजारामूडू में हुए इस जघन्य हत्याकांड के पीछे परिवार के वित्तीय ऋण एक बड़ी वजह हो सकती है। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि आरोपी अफान (23) के परिवार पर 65 लाख रुपये से अधिक का कर्ज था। अब तक की जांच में यह साफ है कि वित्तीय समस्याओं के कारण ही उसने हत्याएं कीं। अफान ने 24 फरवरी को कथित तौर पर अपनी 88 वर्षीय दादी, 13 वर्षीय भाई, प्रेमिका, मामा और मामी की हत्या कर दी थी। उसने अपनी मां पर भी बेरहमी से हमला किया था, लेकिन वह बच गई और फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। अफान को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया और उसे अपनी दादी की हत्या के सिलसिले में 13 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक हत्या के पीछे का मकसद पूरी जांच के बाद ही पता लगाया जा सकता है। हालांकि, दादी के सोने के हार को उसने पैसे के लिए गिरवी रखा था और उससे मिली राशि का इस्तेमाल कुछ कर्ज चुकाने में किया था, इसलिए उस मामले में मकसद वित्तीय लाभ प्रतीत होता है। अधिकारी ने यह भी कहा कि इन हत्याओं में किसी ड्रग एंगल सहित अन्य सभी परिस्थितियों की जांच की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि परिवार भारी वित्तीय बोझ के कारण परेशान पर था। ऐसे में आत्महत्या की वजह यह होने की संभावना ज्यादा है। अधिकारी ने कहा कि अफान ने पुलिस को यह भी बताया कि उसने अपनी प्रेमिका को भी मार डाला, क्योंकि उसकी योजनाबद्ध आत्महत्या के बाद वह अकेली हो जाएगी।

मणिपुर के राज्यपाल ने बढ़ाई लास्ट डेट

अब 6 मार्च तक जमा कर सकेंगे लूटे गए हथियार

इंफाल, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लूटे गए और अवैध हथियारों को पुलिस को सौंपने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। उन्होंने शुक्रवार को समय सीमा बढ़ाते हुए इसे छह मार्च शाम चार बजे तक कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। यह समय सीमा पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों के लोगों की अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग के बाद बढ़ाई गई है।

नहीं होगी कोई कार्रवाई

जारी बयान में कहा गया है, ''स्वैच्छिक रूप से हथियार सौंपने की सात दिन की समय सीमा समाप्त होने पर घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों ने इस अवधि को बढ़ाने का अनुरोध किया है। मैंने इन अनुरोधों पर विचार किया है और छह मार्च को शाम चार बजे

तक समय सीमा बढ़ाने का फैसला किया है।'' इसमें आश्वासन दिया गया कि इस अवधि के भीतर अपने हथियार सौंपने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आग्रह के बाद बढ़ाई लास्ट डेट

बयान में आगे कहा गया, ''यह शांति, सांप्रदायिक सद्भाव, हमारे युवाओं के भविष्य और हमारे समाज की सुरक्षा में योगदान करने का सभी संबंधित लोगों के लिए अंतिम अवसर है।'' राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों से लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सात दिन के भीतर स्वेच्छा से पुलिस के सुपुर्द करने का 20 फरवरी को आग्रह किया था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस अवधि के दौरान हथियार छोड़ने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू

बता दें कि मई 2023 से इंफाल घाटी में मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अपने पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद पूर्वोत्तर राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई थी। इसके बाद केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर विधानसभा को निलंबित किया जा चुका है। विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है।

भगोड़ा घोषित आरोपी भी कर सकता है अग्रिम जमानत के लिए आवेदन, हाईकोर्ट का फैसला

जबलपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। न्यायालय की ओर से भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद भी आरोपी अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दायर कर सकता है। युगलपीठ ने इस संबंध में हाईकोर्ट की अलग-अलग बेंच द्वारा पारित विरोधाभासी आदेश पर सुनवाई के बाद उक्त आदेश पारित किए। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने कहा कि न्यायालय को धारा 438 के तहत अग्रिम जमानत देने की शक्ति प्राप्त है। भगोड़ा घोषित अपीलकर्ता के आवेदन पर न्यायालय को प्रकरण के गुण-दोषों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। गौरतलब है कि जबलपुर के ओमती थाने में साल 2019 में धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज अपराध में न्यायालय ने सीआरपीसी की धारा 82 और 83 के तहत आरोपी को भगोड़ा घोषित कर दिया था।

इसके अलावा सीआरपीसी की धारा 299 के तहत पुलिस ने उसकी अनुपस्थिति में आरोप पत्र भी दायर कर दिया था। भगोड़ा धोषित आरोपी ने अग्रिम जमातन के लिए मध्य प्रदेष हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया था। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया था कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की दो अलग-अलग बेंच ने न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित अपराधिक की अग्रिम जमानत आवेदन पर सुनवाई किये जाने के संबंध में विरोधाभासी आदेश जारी किये हैं। एक आदेश में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया था कि न्यायालय जिस आरोपी को भगोड़ा घोषित करता है उसकी अग्रिम जमानत आवेदन पर सुनवाई नहीं कर सकते हैं। दूसरे आदेश में इसके विपरीत सुनवाई किए जाने के संबंध में कहा गया था। एकलपीठ ने दोनों विरोधाभासी आदेश में किसे विधि संगत माना जाये इसके लिए युगलपीठ के समक्ष याचिका प्रस्तुत करने के निर्देश दिये थे।

FORM - IV

(See Rule 8)

1. Place of Publication	:	AGA Publications Limited 396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
2. Periodicity of Its publication	:	Daily
3. Printer's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
4. Publisher's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
5. Editor's Name	:	Dhirendra Pratap Singh
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
6. Names & Addresses of Individuals, who own the Newspaper & Partners or Shareholders holding More than 1% of the total capital.		AGA Publications Limited, 396, Lower Tank Bund,, HYDERABAD - 500 080. i) Dr. Giresh Kumar Sanghi 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Hayathnagar(M) R.R.Dist- 501 511, Telangana II) Smt. Alka Sanghi, 1-43, Sanghinagar, R.R. dist- 501 511, Telanagana iii) Gaurav Sanghi, 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist- 501 511, Telangana. iv) Aashish Sanghi, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist- 501 511, Telangana.

I. Dr. Gireesh sanghi, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my Knowledge and belief.

Sd/-

Date : 01.03.2025

Dr. GIREESH SANGHI
(Signature of Publisher)

एलन मस्क पर भड़कीं उमा भारती; बोलीं

सबसे अमीर आदमी है दिमागी बीमार

उज्जैन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा भारतीयों को इस तरह जबरन निकालना बेहद निंदनीय है, और इससे भी ज्यादा निंदनीय है एलन मस्क का इस पर हंसना। दुनिया के सबसे अमीर आदमी को दिमागी बीमारी है। भारतीयों के साथ जो अन्याय हुआ वह न सिर्फ शर्मनाक, बल्कि हिंसक भी था। यह बात बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंची उमा भारती ने कही। इस दौरान उमा भारती ने पंडित नेहरू की उद्योग नीति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को इसे अपनाने की सलाह दी। साथ ही ग्लोबल समिट को सफल बनाने के सलाह दी। साथ ही ग्लोबल समिट को सफल बनाने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग और तेजी से काम करने वाले अधिकारियों की जरूरत बताई। महाकाल दर्शन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने उद्योग विकास पर अपनी राय रखते हुए कहा कि देश में दो विकास मॉडल रहे हैं।।। एक पंडित नेहरू का, जो उद्योगों के विकास पर केंद्रित था, और दूसरा महात्मा गांधी का, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वावलंबन पर आधारित था। उन्होंने सुझाव दिया कि नए निवेशों में नेहरू की औद्योगिक अवधारणा को भी शामिल किया जाए। उमा भारती ने कहा कि हमें नेहरू और गांधी जी के विकास मॉडल का संतुलित मेल करना होगा। जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में यह संतुलन दिखता है, उसी तरह अगर मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इसे अपनाएं, तो एमओयू जमीन पर उतरेंगे और वास्तविक रूप से निवेश का लाभ मिलेगा। शराबबंदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से राज्य में संपूर्ण शराबबंदी लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि धार्मिक शहरों में शराबबंदी लागू करने के बाद अब इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए। अब समय आ गया है कि महानगरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक शराब पर पूरी तरह रोक लगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है, लेकिन इसे और व्यापक बनाना जरूरी है।

पानी और खाना मांगना हैवान को पड़ा भारी

शिरुर में धान के खेत से किया गया गिरफ्तार

पुणे, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पुणे दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने 3 दिन बाद पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। खोजी कुत्ते, ड्रोन और 100 से अधिक पुलिसवालों की टीम उसे खोज नहीं पाई। पिछले तीन दिनों से खेतों में छिपे आरोपी ने कुछ ऐसा किया कि पुलिस का उस तक पहुंचना आसान हो गया। अब मेडिकल जांच के बाद पुलिस आरोपी को अदालत में पेश करेगी। मंगलवार की सुबह पुणे के स्वारगेट बस स्टेशन पर सरकारी बस के अंदर 26 साल की महिला के साथ दुष्कर्म हुआ था। हैवानियत की इस वारदात को हिस्ट्रीशीटर दत्ताराय रामदास गाडे ने अंजाम दिया था। घटना के बाद आरोपी शिरुर तहसील स्थित अपने गांव चला गया था। तब से पुलिस की 13 टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। वारदात के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था। मगर पुलिस टीम उसके गांव तक पहुंचने में सफल रही। आरोपी गन्ने के खेत में छिपा था। एक अधिकारी ने बताया कि पुणे पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को पकड़ने के लिए गुनात गांव में ड्रोन और डॉग स्क्वॉड तैनात किया और 13 टीमें तलाशी में जुटीं। हालांकि रात में ड्रोन और डॉग स्क्वॉड से गन्ने के खेतों में तलाशी अभियान को रोक दिया गया। आरोपी खाना और पानी मांगने गांव के एक घर गया था। इसकी सूचना परिवार के लोगों ने पुलिस को दे दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें सूचना मिली कि आरोपी खाना और पानी मांगने एक घर में आया है। हम मौके पर पहुंचे। मगर वह भागने में कामयाब रहा। घर के लोगों ने उसे पानी की एक बोतल दी थी। परिवार ने पुलिस को इलाके में आरोपी के होने की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारी के मुताबिक आरोपी को एक धान के खेत में छिपा देखा गया। इसके बाद उसे पकड़ने में सफलता मिली। आरोपी दत्ताराय रामदास के खिलाफ पुणे और अहिल्यानगर जिलों में आधा दर्जन चोरी, डकैती और चेन स्नैचिंग के मामलों दर्ज हैं। वह 2019 से जमानत पर है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को रात में दो बजे पुणे लाया गया। उसे मेडिकल जांच को भेजा गया। इसके बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तारी दर्ज की गई।

डेरा प्रमुख राम रहीमः पुलिस सुरक्षा में सुनरिया जेल लाया गया, दिल्ली चुनाव से पहले मिली थी 30 दिन की पैरोल

रोहतक, 28 फरवरी (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम की 20 दिन की पैरोल पूरी होने के बाद शुक्रवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा में उसे रोहतक की सुनारिया जेल ले जाया गया। गुरमीत सिंह दुष्कर्म और हत्या के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहा है। गुरमीत राम रहीम को दिल्ली चुनाव से पहले 30 दिन की पैरोल मंजूर हुई थी। इसमें से 10 दिन उसने सिरसा आश्रम और 20 दिन बरनावा आश्रम में बिताए। 8 फरवरी 2025 को वह बरनावा आश्रम पहुंचा, जहां उसने अपनी मुंह बोली बेटी हनीप्रीत और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समय बिताया। डेरा प्रमुख की पैरोल समाप्त होने पर बरनावा आश्रम के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर बिनौली आश्रम पहुंचे और करीब 3:17 बजे चार सफेद रंग की लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ डेरा प्रमुख को मेरठ होते हुए सुनरिया जेल ले जाया गया।

सु वि चा र: कभी-कभी सम्मान देना ही सबसे बड़ा योगदान सिद्ध होता है।

एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक निगमों से स्वरोजगार योजनाओं को प्राथमिकता : भट्टी

डिप्टी सीएम ने बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक निगमों के माध्यम से स्वरोजगार योजनाओं के कार्यान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। शुक्रवार को यहां बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से शासन करने वालों ने सभी कल्याण निगमों की उपेक्षा की है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, राज्य सरकार सब्सिडी और मार्जिन मनी देने के लिए तैयार है। बैंकर्स को बेरोजगार युवाओं को आजीविका प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बैंकर्स के साथ 2 मार्च को वानापर्थी में लगभग 6,000 करोड़ रुपये की स्वरोजगार योजनाओं का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वरोजगार योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता/परिसंपत्तियों का वितरण और कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को एक उत्सव के रूप में आयोजित करेगी। विक्रमार्क ने कहा कि उभरते तेलंगाना में बैंकरों की भूमिका महत्वपूर्ण है और राज्य सरकार ने वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए योजनाएं तैयार की हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बैंकरों के साथ बैठक बजट से पहले आयोजित की गई थी ताकि वे सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप अपनी योजनाएं तैयार कर सकें। भट्टी ने कहा, तेलंगाना में पिछले 10 वर्षों की उपेक्षा के बाद, राज्य सरकार ने कल्याण और विकास को समान प्राथमिकता दी है। बैंकरों को तदनुसार अपनी योजनाएं तैयार करनी चाहिए।

केटीआर ने छात्रों की भुखमरी को लेकर सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर एसटी छात्रावास के छात्रों के लिए बुनियादी भोजन उपलब्ध कराने में विफल रहने का आरोप लगाया, जबकि मंत्री शानदार भोजन में लिप्त थे। समाचार रिपोर्टों का हवाला देते हुए, रामाराव ने कहा कि नागरकर्नूल जिले के कोंडानागुला में एसटी बॉयज हॉस्टल के छात्रों को शिवरात्रि के त्यौहार पर कथित तौर पर भोजन देने से मना कर दिया गया और इसके बजाय उन्हें अन्नदानम में भोजन के लिए पास के मंदिर में जाने के लिए कहा गया। 380 छात्रों में से 200 मौजूद थे, फिर भी छात्रावास के कर्मचारियों ने खाना पकाने से इनकार कर दिया, और उन्हें दोपहर के भोजन के लिए गुडीबांडा शिव मंदिर और रात के खाने के लिए गंगम्मा मंदिर में खाने का निर्देश दिया।

रामा राव ने कहा कि जबकि मंत्री हेलीकॉप्टर की सवारी और मछली करी का आनंद लेते हैं, छात्र भूखे मर रहे हैं, उन्होंने इसे लोगों के शासन का शर्मनाक प्रतिबिंब बताया। उन्होंने बच्चों को खाने के लिए लंबी दूरी तक चलने के लिए मजबूर करने के लिए सरकार पर गुस्सा जताया। उन्होंने सवाल किया कि जो सरकार अपने छात्रों को खाना नहीं खिला सकती, वह खुद को लोगों का प्रशासन कैसे कह सकती है?

तेज गति से हो रहा वारंगल रेलवे स्टेशन का विकास कार्य

25.41 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल रेलवे स्टेशन पर काम तेजी से चल रहा है, जिसका 25.41 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। आधुनिकीकरण का काम पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत किया जा रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वारंगल स्टेशन पर स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार, प्रवेश द्वार पोर्टिको का प्रावधान, यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण तथा 3 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर का प्रावधान, प्लेटफ़ॉर्म सतह सुधार, प्लेटफार्म पर अतिरिक्त कवर का प्रावधान, मौजूदा शौचालयों में सुधार, दिव्यांगजन सुविधाओं सहित नए शौचालय ब्लॉकों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रतीक्षालय में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र में भूनिर्माण, सुचारू यातायात प्रवाह के लिए परिसंचारी क्षेत्र में सुधार, स्टेशन क्षेत्र में कला और संस्कृति का चित्रण, यात्री अनुकूल संकेत, ट्रेन संकेत बोर्ड, कोच संकेत बोर्ड आदि का प्रावधान है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्टेशन एक प्रमुख परिवहन केंद्र है, जो शहर को भारत के विभिन्न भागों से जोड़ता है। इसमें 4 प्लेटफ़ॉर्म हैं और यह बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन संभालता है।

अब इस स्टेशन को विभिन्न यात्री-अनुकूल सुविधाओं के साथ और उन्नत किया जा रहा है, जिसमें एक विशाल सभागृह, प्रतीक्षालय, खाद्य स्टॉल और शौचालय शामिल हैं। इसमें दिव्यांग यात्रियों के लिए अलग शौचालय और रैंप आदि की भी व्यवस्था है।

विस्थापितों ने गजवेल आरडीओ कार्यालय पर किया प्रदर्शन

सिद्दीपेट, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल के निकट पुनर्वास एवं पुनस्र्थापन (आर एंड आर) कॉलोनी में रहने वाले मल्लन्ना सागर से विस्थापित ग्रामीणों ने मुसलमानों के लिए कब्रिस्तान आवंटित करने में अधिकारियों की उदासीनता के विरोध में एक महिला का शव गजवेल स्थित आरडीओ कार्यालय तक ले गए। कोंडापाक मंडल के एरावली के मुसलमानों को मल्लन्ना सागर के निर्माण के समय विस्थापित होना पड़ा था। हालांकि उन्हें बहुत पहले ही कॉलोनी में स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन अधिकारी उन्हें दफनाने के लिए जमीन का एक टुकड़ा आवंटित करने में विफल रहे।

कई बार दफ्तरों के चक्कर लगाने के बाद समुदाय ने अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करने के लिए विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया। शुक्रवार को समुदाय की एक महिला की मौत हो गई, जिसके बाद वे शव को लेकर आरडीओ दफ्तर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।

5 साल की बच्ची का उत्पीड़न

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मेडचल-मलकाजगिरी जिले के घाटकेसर मंडल में गुरुवार को एक युवक ने पांच साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया।

पीड़ित परिवार हाल ही में बेहतर आजीविका की तलाश में इस इलाके में आया था। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध के. श्रीधर (21) (जो उसी पड़ोस का रहने वाला है) ने कथित तौर पर लड़की के साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की और उसके माता-पिता की अनुपस्थिति में उसके घर में उसका यौन उत्पीड़न भी किया। यद्यपि घटना की सूचना देरी से दी गई, लेकिन लड़की की मां के ध्यान में यह बात लाई गई, जिन्होंने बाद में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

घाटकेसर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया।

हैदराबाद-बैंगलुरू को रक्षा औद्योगिक गलियारा घोषित किया जाना चाहिए : सीएम

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से हैदराबाद-बैंगलुरू गलियारे को रक्षा औद्योगिक गलियारा घोषित करने का अनुरोध किया है, जिसमें उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला है कि इससे महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित होगा। शुक्रवार को गच्चीबोवली में विज्ञान वैभव-2025 कार्यक्रम में, जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद और बैंगलुरू देश के रक्षा उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सही पहल के साथ, स्काई रूट जैसे स्टार्टअप फल-फूल सकते हैं, खासकर रॉकेट निर्माण जैसे क्षेत्रों में। रेवंत रेड्डी ने कहा, प्रस्तावित पहल के लिए केंद्र सरकार का समर्थन और सहयोग आवश्यक है। अगर केंद्र इस प्रस्ताव का समर्थन करता है, तो तेलंगाना भारत को रक्षा क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए लगन से काम करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि युवाओं पर देश की रक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य और हैदराबाद शहर कई दशकों से रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीडीएल, डीआरडीओ, मिदानी, एचएएल जैसे प्रसिद्ध रक्षा प्रतिष्ठान देश के लिए हैदराबाद से रॉकेट और मिसाइल बना रहे हैं। हैदराबाद और उसके आसपास रक्षा विनिर्माण इकाइयां स्थापित की गई हैं। हैदराबाद शहर देश में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हम तेलंगाना से आईटी पेशेवरों को अमेरिका भेजने के अलावा देश के रक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक कुशल इंजीनियर उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र के लिए अधिक इंजीनियर तैयार करना अधिक महत्वपूर्ण है।

संरक्षण क्षमा महोत्सव- सक्षम का हुआ समापन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ईंधन संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित वार्षिक अभियान संरक्षण क्षमा महोत्सव- सक्षम 2025 का शनिवार को तेलुगू विश्वविद्यालय, नामपल्ली में समापन हुआ। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में तेलंगाना में तेल उद्योग के लिए राज्य स्तरीय समन्वयक द्वारा आयोजित इस पखवाड़े भर की पहल में उद्योग के सदस्यों, नीति निर्माताओं, छात्रों और आम जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

समापन समारोह में नागरिक आपूर्ति निदेशक वीएसएनवी प्रसाद ने सतत ऊर्जा खपत के महत्व और संसाधनों के संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। पूरे अभियान के दौरान, ईंधन संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता पर नागरिकों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं, स्कूल प्रतियोगिताएं, वॉकथॉन, साइक्लोथॉन, एलपीजी पंचायत, मैराथन और तकनीकी सेमिनार जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने में योगदान के लिए दीवार चित्रकला और लेख लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिसमें उद्योग के हितधारकों और तेल विपणन कंपनियों के प्रमुखों ने भी भाग लिया।

स्टेडियम में मनाया जाएगा भक्त रामदासु जयंती समारोह

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी 2 मार्च को एलबी इंडोर स्टेडियम में 392वें भक्त रामदासु जयंती समारोह का आयोजन करेगी। तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ आलेख्य पुंजाला ने शुक्रवार को समारोह की विवरणिका जारी की और घोषणा की कि तमिलनाडु में त्यागराज पूजा उत्सव की तर्ज पर तेलंगाना में भी हर साल भक्त रामदासु जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों से कुल 26 संगीत समूहों ने अपने नाम पंजीकृत कराए हैं और 600 से अधिक संगीतकार महोत्सव में भाग लेंगे, जिसमें डॉ. येला वेंकटेश्वर राव, डॉ. शोभाराजू, डॉ. राघवाचारी, डॉ. हरिप्रिया, डॉ. प्रेमा राममूर्ति, कोवेला संथा और डीवी मोहन कृष्णा शामिल होंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. - एलजीडी/एल/10/2024-25/ओटी, दि.26-02-2025 PUB/0212

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डिप्युटी सीइइ/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं. एलजीडी/एल/10/2024-25/ओटी-ई-टेंडर के प्रति, बंद तिथि 20-03-2025 के सु.11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण, अपने मूल/संशोधित बोलियों को, उक्त बंद तिथि एवं समय तक ही, प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं, इस मामले में किसीभी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को, तत्संबंधित निविदा की पूधरा(बोली सुरक्षा) राशि के प्रति भुगतान करने की अनुमति है। अतः इस पूधरा राशि को नकद रुप में ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा जमा कर सकते हैं अथवा इसे भारत के किसीभी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक से बैंक गारंटी बान्ड के रुप में या निविदा दस्तावेजों में विवरितानुसार प्रस्तुत कर सकते हैं। बैंक गारंटी बान्ड जो अनुलग्नक-XIV नुसार होना चाहिए एवं यह, बोली वैध अवधि से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। ओरिजिनल बैंक गारंटी को, व्यक्तिगत रुप में, निविदा दस्तावेज में निर्देशित नुसार नामित पदाधिकारी को, बोली प्रस्तुति की निर्धारित (डेडलाइन) के 5 कार्यदिवसों के भीतर डिलीवरी की जानी चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल(आईआरइपीएस) पर बोली या बिड के साथ बी.जी. की स्कैन्ड कापी की अप्रस्तुति एवं/ या निर्धारित अवधि में ओरिजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति (नान-सबमिशन) पर, तत्संबंधित बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम सं.-1, टेंडर नं. एलजीडी/एल/10/2024-25/ओटी-, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा(बिजली कार्य) के डीएचएमयु शेड के बाजू ट्रैक्स पर बिजली सुरक्षा मापन या इलेक्ट्रिकल सेफ्टी मीजर्स का मजबूतीकरण व अद्यतन तथा सुधार कार्य/विभिन्न स्थानों पर एनर्जी कन्जरवेशन मीजर्स का अगमेन्टेशन या वृध्दि एवं फ्लूरिंग कार्य। विज्ञापित मूल्य(रु.) 2,82,83,953/- (रु. दो करोड बयासी लाख तिरासी हजार नौसौ तिरपन मात्र), बोली सुरक्षा राशिः रु. 2,91,400/-, पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र(एक्सेपेन्ट लेटर) जारी करने की तिथि से लेकर 12 महिने, बंद करने की तिथिः 20-03-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा के संपूर्ण विवरण से संबंधित नोटिस बोर्ड स्थानः उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

नं. -बी/एसजी. टेंडर नोटिस/32-34/2024-25 दि.27-02-2025 PUB/0213

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.24-03-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सूचना सं. एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ32-ओटी24-25, दि.27-02-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः विजयवाड़ा डिवीजन के मछलीपटनम, नरसापूर, भीमवरम टाउन व गुडीवाडा स्टेशनों पर प्रस्तावित 12 मीटर वाइड फूट ओवर ब्रिज या पुल के निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं या टेलिकम्युनिकेशन आरेंजमेन्ट्स। पूधराः रु.30,800.00, राशिः रु.15,37,167.00, पूरा करने की अवधिः 06 महिने, सीटीबीः शून्य

क्रम सं.2, निविदा सूचना सं. एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ34-ओटी24-25, दि.27-02-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः विजयवाड़ा डिवीजन के आनकापल्ली, निडाडवोलू, ताडेपल्लीगुडेम, सामलकोट, अनापर्ती, काकीनाडा टाउन, तेनाली, सिंगरायकोंडा, ओंगोल, गुनडाला, बापटला व चिराला स्टेशनों पर, प्रस्तावित 12 मीटर वाइड फूट ओवर ब्रिज या पुल के निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं या टेलिकम्युनिकेशन आरेंजमेन्ट्स। पूधराः रु.91,800.00, राशिः रु.45,90,655.64, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, सीटीबीः शून्य

विवरणः बंद करने की तिथि व समयः 24-03-2025 के 15.30 बजे

भावी निविदाकरों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक(एसएण्डटी), विजयवाडा

खुली ई-निविदा सूचना सं. -एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/26/2024-25 दि.27-02-2025 PUB/0214

निम्नलिखित कार्यों के लिए नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा मुहरबंध निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं

क्रम सं.1, निविदा सं.- एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर /26/2024-25, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन में मिड-सेक्शन मैन्नड एलसी गेट नं.72, 168, 37 की इन्टरलाकिंग के लिए एटी आपूर्ति का प्रावधान।

पूरा करने की अवधिः06 महिने, अनुमानित मूल्यः रु.27,14,873.95, बोली सुरक्षा राशिः रु.54,300.00

बंद करने की तिथिः 27-03-2025 के 15.00 बजे

A0274 विभागीय बिजली अभियंता/टीआर/नांदेड

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. CAOCWATETCECIVSKP 2025002, दिनांक : 19.02.2025

कार्य का नाम: कोत्तवलासा - विजयनगरम के बीच चौथी लाइन एवं विजयनगरम - नौपाड़ा के बीच तीसरी लाइन (151.70 किलोमीटर):- आंध्र प्रदेश के विजयनगरम और श्रीकाकुलम जिले में रेलवे अधिग्रहण अधिनियम 2008 के तहत निजी भूमि के अधिग्रहण, सरकारी भूमि का हस्तांतरण एवं अनुमतिपूर्ण कब्जा हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकरण (CALA) को सुविधा प्रदान करना।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 1,15,75,855.20 EMD (₹): 2,07,900.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 13.03.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों / बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-I), वाल्टियर

PR-172/CH/24-25

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-08-2025, दिनांक: 19.02.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मंडल के केके लाइन के सहायक मंडल अभियंता /कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट में नई आरपीएफ डॉग केनेल (RPF Dog Kennel) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 61,37,667.67, EMD (₹): 1,22,800.00

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-09-2025, दिनांक: 19.02.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मंडल के केके-I सेक्शन में सहायक मंडल अभियंता / कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन पुल संख्या 613 और पुल संख्या 615 के ORN-3 पुलों का पुनर्वास।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 57,30,602.72, EMD (₹): 1,14,600.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 08 (आठ) महीने (क्रम सं. 2 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 18.03.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1015/P/24-25

17th DEATH ANNIVERSARY

"He Whose Mind is Not Shaken By Adversity, Who Does Not Hanker After Pleasures, Who is free from Attachment, fear and Anger, He is The Saga of Steady Wisdom".

Bhagvad Gita

D.O.B: 03-07-1921

D.O.D: 01-03-2008

SHRI RAM SHARANJI SANGHI

Founder Chairman Sanghi Group of Industries

IN LOVING MEMORY

ANJANA ANAND SANGHI
SUDHIR - USHA SANGHI
RAVI - ANITA SANGHI
GIREESH - ALKA SANGHI
SHOBHA - RAMESH JAIN
JAISHREE - SHASHI MITTAL
ALL GRAND CHILDREN & GREAT GRAND CHILDREN
AND ENTIRE FAMILY

His Guiding Spirit has been and will always be the Source of Inspiration for all of us.

संभल की शाही जामा मस्जिद की नहीं हो सकेगी रंगाई-पुताई

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

संभल स्थित जामा मस्जिद की सिर्फ साफ सफाई होगी। सफेदी व मरम्मत नहीं हो सकेगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट दाखिल कर कहा है कि सफेदी की जरूरत नहीं है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याची को रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है। एएसआई से कहा गया है कि वह सोमवार तक हलफनामे के साथ रिपोर्ट दाखिल करें। मामले में अगली सुनवाई पांच मार्च को होगी।

एएसआई ने पूर्व में जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी की अर्जी खारिज कर दी थी। इस पर कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गुरुवार एएसआई की तीन सदस्यीय समिति बनाकर शुक्रवार को रिपोर्ट मांगी थी। राज्य सरकार व मंदिर पक्ष की तरफ से याचिका का विरोध किया गया है।

एसएआई ने और क्या कहा?

एएसआई का कहना है कि संरक्षित स्थल में सफेदी मरम्मत की अनुमति नहीं दी जा सकती। मंदिर पक्ष ने सफाई मरम्मत की आड़ में साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए विरोध किया था। जामा मस्जिद कमेटी की ओर से हाइकोर्ट में दाखिल की गई याचिका पर कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तीन सदस्यीय टीम गुरुवार को संभल जामा मस्जिद पहुंची थी। यहां पर टीम में शामिल अधिकारियों ने जामा मस्जिद के अंदर व बाहरी क्षेत्र का निरीक्षण किया और उसकी फोटो व वीडियोग्राफी भी कराई थी। निरीक्षण के समय एएसपी, एसडीएम व मस्जिद कमेटी सदर भी उनके साथ रहे। इस दौरान जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

संभल स्थित जामा मस्जिद की रंगाई–पुताई पर फैसला।

अपने मोबाइल से भी फोटो लेते दिखे अधिकारी

गुरुवार शाम को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम जामा मस्जिद पहुंची थी। जैसे ही टीम डाकखाना से जामा मस्जिद के पास पहुंची तो उसमें शामिल अधिकारी अपने मोबाइल से उसकी वीडियो व फोटो क्लिक कर रहे थे। इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने जामा मस्जिद के चारों ओर से फोटो भी अपने मोबाइल में क्लिक किए।

टीम को लेकर सुरक्षा के लिए किये गए थे सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

कोर्ट के आदेश पर जैसे ही जिले के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों की टीम के आने की सूचना मिली तो प्रशासन सतर्क हो गया था। ऐसे में पुलिस की ओर से जामा मस्जिद के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था, जिसमें स्थानीय पुलिस के साथ भारी संख्या में पीएसी व आरआरएफ जवानों को तैनात किया गया था।

सपा सांसद रुचिवीरा के खिलाफ गैर जमानती वारंट

मुरादाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)।

मुरादाबाद कोर्ट ने आचार संहिता उल्लंघन के मामले में समाजवादी पार्टी की सांसद रुचिवीरा के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया है। इसी मामले में कांग्रेस नेता असद मौलाई के खिलाफ भी कोर्ट ने गैरजमानती वारंट जारी किया है। लोकसभा चुनाव के दौरान 8 अप्रैल 2024 को अवर अभियंता शिवमोहन ने नागफनी थाने में रुचिवीरा, असद मौलाई, असलम खुर्शीद, नदीम आदि के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की एफआईआर दर्ज कराई थी।

रुचिवीरा ने बिना परमिशन के एक जनसभा को संबोधित किया था। सभा के लिए प्रशासन से पूर्व में अनुमति नहीं ली गई थी। यह मामला अब कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट में आरोपियों में आरोप तय होने थे। लेकिन रुचिवीरा और असद मौलाई कोर्ट में पेश नहीं हुए। रुचिवीरा ने अधिवक्ता ने स्थगन मांगा था लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए रुचिवीरा और असद मौलाई के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिए।

ठेकेदार ने फर्जी हस्ताक्षर कर 12 लाख का किया गबन

बुलंदशहर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बुलंदशहर में पावर कारपोरेशन में ठेकेदार द्वारा करीब 12 लाख रुपए से अधिक के गबन का मामला सामने आया है। ठेकेदार ने बिना काम किए ही कर्मियों से सांठगांठ कर विभाग से भुगतान करा लिया। इसके अलावा आगरा की एक फर्म का फर्जी तरीके से प्रतिनिधि बनकर जाली हस्ताक्षर भी करता रहा। पूरे मामले में अफसरों को जैसे ही भनक लगी तो ठेकेदार ने षड्यंत्र रचा और कार्रवाई करने वाले अफसरों की फर्जी शिकायत कर दी। अब पूरे मामले में एमडी मेरठ द्वारा जांच कराई जा रही है। पावर कारपोरेशन के डिवीजन तृतीय में एक ठेकेदार द्वारा फर्जी तरीके से करीब 12 लाख रुपए से अधिक का भुगतान करा लिया गया। जेई और एसडीओ को बिना साइट दिखाए ठेकेदार द्वारा विभागीय भुगतान करा लिया गया। इसके अलावा आगरा की एक फर्म का तथाकथित प्रतिनिधि बनकर फर्जीवाड़ा किया गया। फर्म संचालक के फर्जी हस्ताक्षर भी किए गए। फर्जी हस्ताक्षर कर विभागीय अफसरों को गुमराह किया गया। इसकी जानकारी जैसे ही अफसरों को हुई तो उन्होंने फर्म संचालक से इसका स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन अभी तक विभाग को कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। विभागीय कार्रवाई की भनक ठेकेदार को लग गई, जिसके बाद ठेकेदार ने षड्यंत्र रचा और फर्जी कहानी बनाकर इसकी शिकायत एमडी मेरठ से की। एमडी मेरठ ईशा दुहन द्वारा समिति बनाकर अब पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

'नीतीश कुमार परिस्थितियों के मुख्यमंत्री', तेजस्वी यादव बोले

'बीजेपी जेडीयू को खा जाएगी

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जमकर बयानबाजी शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बीजेपी और जेडीयू पर हमलावर हैं। शुक्रवार (28 फरवरी) को उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि नीतीश कुमार परिस्थितियों के मुख्यमंत्री हैं। तीसरे नंबर की पार्टी (जेडीयू) है। बिहार की जनता तो इनको (नीतीश कुमार) मुख्यमंत्री बनाना नहीं चाहती है। सबसे बड़ी पार्टी तो आरजेडी थी तो बिहार की जनता ने तो पहले ही नकार दिया। हां जोड़-तोड़ करके कभी इधर कभी उधर करके मुख्यमंत्री बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले पीएम मोदी भागलपुर दौरे पर आए थे। उस वक्त उन्होंने नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कहा था। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा, अभी लाडला मुख्यमंत्री कहना मजबूरी है। इस सवाल पर कि उनके (नीतीश कुमार) बेटे (निशांत कुमार) कह रहे हैं जनता से कि पिछली बार कम सीट मिली थी तो इस बार थोड़ा बढ़ा दें। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले तो कहने की जरूरत नहीं पड़ती थी। अब तो कहने की भी जरूरत पड़ रही है।

निशांत हमारे भाई, आदर है सम्मान है: तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा, निशांत हमारे भाई हैं। उनका आदर है, सम्मान है। हम तो चाहेंगे कि वो जल्दी आ जाएं (राजनीति में) नहीं तो बीजेपी जेडीयू को खा जाएगी। शरद जी की बनाई हुई पार्टी है। कमान संभालने को लेकर तेजस्वी ने निशांत को सलाह दी कि उन्हें जल्दी आना चाहिए।

'कुछ संभावनाएं रहेंगी शायद बच जाए जेडीयू'

निशांत आएंगे तो पार्टी (जेडीयू) बच जाएगी? इस सवाल पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ संभावनाएं रहेंगी, शायद बच जाए। निशांत पार्टी के लिए कैसा काम करते हैं ये देखना होगा। हम लोग भी राजनीति में आए तो हमारे माता-पिता या परिवार के लोगों ने नहीं कहा था कि राजनीति में आ जाओ। जरूरत हुई बिहार के लोगों को, हमारे वोटर्स को, कार्यकर्ताओं को, नेताओं को, कि आना चाहिए तो हम आए।

नोएडा पुलिस ने किया हनी ट्रैप का खुलासा तीन गिरफ्तार

नोएडा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। खूबसूरत चेहरों के पीछे छिपे खौफनाक खेल का नोएडा पुलिस ने भांडाफोड़ किया है। नोएडा की बादलपुर पुलिस ने 27 फरवरी को एक ऐसे गिरोह को पकड़ा है, जो हनी ट्रैप के जरिए लोगों को फंसाकर उनसे पैसे ऐंठता था। इस गिरोह में दो लड़के और एक लड़की शामिल थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर उनके पास से 40 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, इस गैंग ने सादोपुर गांव में एक शख्स को अपने जाल में फंसाया। लड़की ने मकान मालिक को अपने कमरे में बुलाया और फिर गैंग के बाकी सदस्यों ने उसे झूठे रेप के मामले में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने उससे ढाई लाख रुपये की मांग की। डर की वजह से पीड़ित ने पैसे देने की हामी भर दी और 40 हजार रुपये दे भी दिए। जब इस घटना की शिकायत पुलिस को मिली, तो जांच में पूरा मामला सामने आ गया।

निर्दलीय विधायक के आवास पर हमला

मेन गेट को तोड़ा; परिवार के साथ बाहर गए थे शंकर सिंह

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले के रुपौली विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक शंकर सिंह के पटना स्थित सरकारी आवास पर अज्ञात अपराधियों ने हमला किया है। बीती रात अपराधियों ने उनके घर के मुख्य गेट को तोड़ दिया और नेम प्लेट को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय विधायक अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। जब वे लौटे, तो उन्होंने यह नुकसान देखा। विधायक शंकर सिंह ने इस घटना की लिखित शिकायत सचिवालय थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सचिवालय एसडीपीओ डॉ। अनु कुमारी ने बताया कि जल्द ही इस घटना में शामिल सभी दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि विधायक शंकर सिंह ने पिछले साल उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी और बाद में उन्होंने जदयू को समर्थन दिया था। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। विधायक शंकर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सुरक्षा की गुहार लगाई है। इस घटना ने पटना में अपराधियों के बढ़ते हौसले और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भूकंप के तेज झटकों से कांप गई बिहार की धरती दहशत में आए लोग पड़ोसी मुल्क में था केंद्र

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। देर रात 2.30 बजे के करीब बिहार की धरती भी भूकंप के झटकों से कांप गई। भूकंप के ये तेज झटके करीब पूरे उत्तर बिहार में महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.1मापी गई। इस भूकंप का केंद्र नेपाल चीन सीमा के लिस्टीकोट,सिन्धुपालचोक में था। भारतीय समयानुसार रात दो बजकर 5.1 भूकंप के झटके महसूस किए। इस भूकंप से फिलहाल बिहार में किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं है। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोगों की नींद खुल गई। घबराकर लोग घरों से बाहर निकल पड़े। बिहार के रक्सौल, समस्तीपुर, दरभंगा, शिवहर और पटना समेत करीब-करीब उत्तरी बिहार के अधिकांश हिस्से में महसूस किए गए।

गोरखपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, सनकी पोते ने दो बाबा और दादी की फावड़े से काटकर हत्या की

गोरखपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में शुक्रवार को तड़के ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैल गई। सनकी पोते ने दो बाबा और दादी को फावड़े से काटकर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने एक मवेशी को भी फावड़े से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त है और उसने वारदात को किस वजह से अंजाम दिया है, इसके बारे में पूछताछ की जा रही है। गोरखपुर के झंगहा थानाक्षेत्र के मोतीराम अड्डा कुईरान टोला में शुक्रवार 28 फरवरी को तड़के पोते रामदयाल मौर्य पुत्र विजय बहादुर ने बाबा कुबेर मौर्य (70 वर्ष) पुत्र स्व। गणेश, साधु मौर्य (75 वर्ष) पुत्र स्व। गणेश और दादी द्रौपदी देवी (70 वर्ष) पत्नी कुबेर को फावड़े से काटकर निर्मम हत्या कर दिया।

दामाद ने सास को ही लूटा, पहले 50 फिर 40 हजार का लिया लोन

गाजीपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र के खिरजीपुर से एक ऐसा मामला सामने आया है जिस सुन हर कोई हैरान है। दरअसल, एक शख्स ने अपनी सास के नाम पर दो अलग-अलग जगह से लोन ले लिया और उसके बाद लोन के पैसे लेकर फरार हो गया। वहीं अब किश्त के लिए लोन एजेंड शख्स की सास और उसकी बेटी पर दबाव बना रहे हैं। पीड़ित सास ने अपने दामाद के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्जा कराया है। मामला करंडा थाना क्षेत्र के खिजीरपुर गांव सभा का है, जहां की रहने वाली केवली देवी ने एक शिकायत पत्र पुलिस को दिया है। जिसमें उनकी बेटी के पति यानी कि उनका दामाद एक बार नहीं बल्कि दो बार समूहों से लोन लेकर फरार हो गया है। इसके बाद कर्ज देने वाले समूह के लोग लगातार उसकी बेटी और मुझसे पैसे चुकाने का दबाव बना रहे हैं। उनका दामाद कर्ज के पैसे के साथ ही साथ घर में रखें पैसे और गहने भी लेकर फरार हो गया है।

होटल में छापा, संदिग्ध हालत में पकड़े गए युवक-युवतियां, पुलिस की पड़ताल जारी

देवरिया, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में सलेमपुर थाना क्षेत्र के एक होटल में मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। होटल पर छापेमारी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में युवक-युवतियां पकड़े गए हैं। पकड़े गए युवक-युवतियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस ने होटल के पास दस्तावेजों की छानबीन भी की, जिनमें काफी भिन्नता पायी गयी। इसके बाद मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में होटल को सीज किया गया। देवरिया पुलिस ने बताया कि जनपद देवरिया के थाना सलेमपुर क्षेत्र में बने होटल में स्थानीय थाने को कुछ संदिग्ध कार्य होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस सूचना के आधार पर क्षेत्राधिकारी सलेमपुर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना सलेमपुर पुलिस टीम ने होटल में दबिस दी। होटल में रेड के दौरान पुलिस को कुछ युवक व युवतियां मिले, जिनसे पूछताछ की जा रही है। होटल के पास दस्तावेजों की छानबीन से उसमें काफी भिन्नता पायी गयी, जिसपर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में होटल को सीज किया गया। अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है, जिसके उपरान्त अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। होटल में रेड के दौरान पुलिस को चार बालिग जोड़े मिले हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। जिस होटल पर मुखबिर की सूचना पर रेड की गई है, वह देवरिया के सलेमपुर-देवरिया मुख्य मार्ग पर बना है। पुलिस को होटल में लगातार अवैध गतिविधियों की शिकायत मिल रही थी। गुरुवार दोपहर पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई की।

आगरा में पत्नी से परेशान टीसीएस मैनेजर का लाइव सुसाइड

आगरा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड जैसा केस सामने आया है। यहां भी पत्नी से परेशान टीसीएस के रिक्रूटमेंट मैनेजर ने वीडियो बनाकर सुसाइड कर लिया। वीडियो में कहा- सॉरी मम्मी-पापा। मैं पत्नी से तंग आ चुका हूं। प्लीज मर्दों के बारे में कोई तो बात करे, वे बहुत अकेले हो जाते हैं। पत्नी मुझे धमकी देती है। यह 6.57 मिनट का वीडियो 24 फरवरी का है। हालांकि, पत्नी ने आरोपों को गलत बताया। कहा- पति ने जो भी आरोप लगाए हैं, वह मेरा पास्ट था। जो भी था, वह शादी से पहले का था। यह बात सुनकर वे ड्रिंक करते थे। मुझे मारते-पीटते थे। सदर क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी निवासी मानव शर्मा टीसीएस में रिक्रूटमेंट मैनेजर पद पर मुंबई में काम करते थे। बहन अकांक्षा अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहती है। एयरफोर्स से रिटायर्ड पिता नरेंद्र शर्मा ने बताया- बेटे की शादी 30 जनवरी 2024 को बरहन से हुई थी। इसके बाद बहू भी बेटे पास मुंबई चली गई। कुछ दिन तक तो सही चला, लेकिन उसके बाद बहू आए दिन झगड़ा करने लगी।

बहुचर्चित चीनी मिल घोटाले में ईडी ने जब्त की 995.75 करोड़ रुपये की संपत्ति, बसपा सरकार के शासनकाल में हुआ था घोटाला

लखनऊ, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बसपा सरकार में हुए करीब 1100 करोड़ के चीनी मिल घोटाले में 995.75 करोड़ रुपये की संपति जब्त की है। इन संपत्तियों में तीन बंद चीनी मिलों के भूखंड, भवन और मशीनें शामिल हैं। बैतालपुर, भटनी और शाहगंज में स्थित ये मिलें मेसर्स मैलो इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स डायनेमिक शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स हनीवेल शुगर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं। इनका नियंत्रण पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल के पास है। बसपा सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2010-11 में 21 चीनी मिलों को औने-पौने दामों में बेचा गया था। इन चीनी मिलों में चीनी निगम की 10 संचालित व 11 बंद पड़ी मिलें शामिल थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 अप्रैल, 2018 को इस घोटाले की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश की थी। इसके बाद ईडी ने भी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत इसकी जांच शुरू कर दी थी। ईडी ने सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में सामने आया है कि मोहम्मद इकबाल और उनके सहयोगियों ने भ्रष्टाचार कर कई चीनी मिलों का अधिग्रहण किया था। जांच में विनिवेश प्रक्रिया में बड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसमें परिसंपत्तियों का कम मूल्यांकन और गैर-प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया शामिल है। अभी तक की जांच में यह बात भी सामने आई है

23 साल पुरानी घटना का जिक्र कर राजा भैया ने मिलाए सीएम योगी से सुर, कहा- 'याद रहे जुड़ेंगे तभी बचेंगे'

प्रतापगढ़, 28 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले बयान की तर्ज पर लोगों से एकजुट रहने की अपील की है। कुंडा विधायक ने 23 साल पहले गुजरात के 'गोधरा कांड' की घटना का जिक्र करते हुए अपनी बात कही और कहा कि जब साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन जलाई गई थी तो किसी ने अगड़ा, पिछड़ा और दलित नहीं पूछा था। राजा भैया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साबरमती एक्सप्रेस को जलाने की घटना का जिक्र करते हुए लिखा- 'गोधरा' शब्द सभी को याद होगा लेकिन 'साबरमती एक्सप्रेस' की चर्चा कम ही होती है, आज वही दुखद दिन है जिस दिन सन 2002 में साबरमती एक्सप्रेस में राम भक्तों को ज़िंदा जला दिया गया था, उनका अपराध ये था कि वे अयोध्या से अपने आराध्य श्री राम लला सरकार के दर्शन करके लौट रहे थे।

'बंटेंगे तो कटेंगे' की तर्ज पर कही ये बात

उन्होंने आगे लिखा- 'नारी, पुरुष, बच्चे बच्चियां किसी को नहीं छोड़ा गया। पेट्रोल डालकर उन्हें जीवित जला दिया गया, विश्व के इतिहास में किसी भी राष्ट्र में अल्पसंख्यकों द्वारा बहुसंख्यक समाज का इस प्रकार निर्मम, क्रूर नरसंहार का कोई दूसरा उदाहरण हो तो बताइयेगा अवश्य, और हां कृपया विचार करें कि उन्हें जिंदा जलाने के पहले क्या उनसे पूछा गया था कि वे अगड़ा, पिछड़ा या दलित हैं? याद रहे जुड़ेंगे तभी बचेंगे।'

बता दें कि 27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन से रवाना हुई साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में उन्मादी भीड़ ने आग लगा दी थी और इस भीषण अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हो गई थी। ये ट्रेन अहमदाबाद जाने के लिए गोधरा स्टेशन से चली ही थी तभी किसी ने चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और फिर पथराव के बाद ट्रेन के एक डिब्बे को आग के हवाले कर दिया गया। इस ट्रेन में सवार लोग हिंदू तीर्थयात्री थे और अयोध्या से कार सेवा कर लौट रहे थे। घटना के बाद गुजरात में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी, उस वक्त गुजरात में नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे और केंद्र में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी।

नीतीश कुमार ने कभी भी परिवारवाद का पोषण नहीं किया और न करेंगे

तेजस्वी के बयान पर गिरिराज सिंह ने बताई सही बात

पटना, 28 फरवरी (एजेंसियां)। आरजेडी (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत राजनीति में आएं तो जेडीयू बच सकती है, लेकिन बीजेपी और आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि वो राजनीति में आएं। तेजस्वी के दावे के बाद बिहार में सियासत गरमा गई है। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पटना में बयान दिया कहा कि हर किसी को राजनीति में आने का अधिकार है। संविधान किसी को भी ऐसा करने से नहीं रोकता है। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि जब तेजस्वी यादव ने खानदानी पार्टी बनाई हो, लालू यादव आज तक परिवार से बाहर न निकले हों, नीतीश कुमार तो 20 साल मुख्यमंत्री रहे, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपने बेटे निशांत को राजनीति में नहीं आने दिया। वे चाहते तो बेटे को राज्यसभा भेज सकते थे, विधायक-एमपी का चुनाव लड़ा सकते थे।

'लालू यादव की प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लालू यादव की तरफ उन्होंने (नीतीश कुमार) परिवारवाद का कभी पोषण नहीं किया। इसलिए तेजस्वी यादव बेकार चिंतन में लगे हैं। लालू यादव की तो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। निशांत अपने ढंग से राजनीति में आने के लिए तैयार हैं तो उनको मना भी कोई नहीं करता है और न ही करना चाहिए।

'नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे'

केंद्रीय मंत्री से जब पूछा गया कि एक तरफ एनडीए नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ रहा है। दूसरी तरफ बीजेपी के नेता कह रहे कि वोट पीएम मोदी के चेहरे पर मिलेगा। इस पर जवाब दिया नरेंद्र मोदी देश की 140 करोड़ जनता के नेता हैं। इसे कोई नकार नहीं सकता। पीएम मोदी की सकारात्मक सोच को आज पूरी दुनिया मान रही है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार 20 साल से आगे बढ़ रहा है इसको भी कोई नकार नहीं सकता। डबल इंजन की सरकार है नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम बिहार का चुनाव लड़ेंगे।

'चोरों को सब चोर नजर आते हैं'

तेजस्वी यादव की एक टिप्पणी पर बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि यह गांवों में कही जाने वाली कहावत है, 'चोरों को सब चोर नजर आते हैं। क्योंकि लालू यादव की सरकार 'गैंगस्टरों' की सरकार रही, इसलिए वे दूसरों को भी उसी नजरिए से देखते हैं।

जम्मू-कश्मीर को जल्द मिलेगा राज्य का दर्जा

अनुच्छेद 370 हटने के बाद बदली यहां की तस्वीर', रामदास आठवले

जम्मू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि एक समय था जब पर्यटक जम्मू-कश्मीर आने से डरते थे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इसमें बदलाव आया है। अब पर्यटक बिना किसी डर के जम्मू-कश्मीर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया है, जो बदलाव की कहानी को बयां करता है। मंत्री वीरवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जम्मू में थे।

इसके बाद हुई प्रेस वार्ता में कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना बहुत बड़ा कदम था, जिसने जम्मू कश्मीर में विकास को मजबूती दी है। आतंकवाद का खात्मा किया और रोजगार के अवसर पैदा किए। उन्होंने कहा कि लोगों की मांग की जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले। इसके लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है और जल्द राज्य का दर्जा बहाल होगा। उन्होंने कहा कि 2.5 करोड़ से ज्यादा पर्यटक अनुच्छेद 370 हटने के बाद आए है। पर्यटन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था चलती है। ऐसे में यहां पर्यटन को बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में 23 लाख छह हजार बैंक खाते खुले हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में 20 लाख 97 हजार लोगों को रोजगार मिले। मंत्री ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में जम्मू कश्मीर में अधिक मतदान की सराहना की। उन्होंने कहा, हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन सत्ता में आया, लेकिन इससे हमें कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि हम लोगों के साथ हैं और क्षेत्र का विकास चाहते हैं। पुणे के व्यस्त स्वारगेट बस अड्डे में बस में 26 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार की घटना के बारे में पूछे जाने पर आठवले ने कहा कि ऐसी घटनाएं निंदनीय और दिल दहला देने वाली हैं।

उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि ऐसी घटनाओं के दोषियों को फांसी दी जाए।हिंदी के विरोध पर बोले तमिलनाडु में हिंदी थोपने के विरोध पर आठवले ने कहा कि दक्षिणी राज्य में हिंदी का विरोध नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा, हिंदी लगभग 90 से 100 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है, जबकि राज्य स्तर की भाषाएं कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं।

बेटे की चाहत में कातिल बनी मां

एक महीने की बेटी को पानी के ड्रम में डाला ऊपर से लगा दिया ढक्कन; मिली उम्रकैद

भोपाल, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल की जिला अदालत ने अपनी ही एक माह की मासूम बेटी की निर्मम हत्या करने वाली मां को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला भोपाल के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र का है। यहां 16 सितंबर 2020 को बेटे की चाह में एक मां ने अपनी एक दुधमुंही एक महीने की मासूम बेटी को पानी की टंकी में डूबा कर मार दिया था। मामले में विशेष अभियोजक सुधा विजय सिंह भदौरिया ने पैरवी की। मध्य प्रदेश के भोपाल में बेटे की चाह में बेटी की हत्या करने वाली मां भोपाल जिला कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। 23वें अपर सत्र न्यायाधीश अतुल सक्सेना की अदालत ने 104 पेज के फैसले में बेटियों को लेकर भी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि जब एक बेटी का जन्म होता है तो इस बात का निश्चायक सबूत है कि ईश्वर मानव जाति से अप्रसन्न नहीं है। क्योंकि ईश्वर पुत्रियों के माध्यम से खुद को साकार रूप देता है। बेटियां सिर्फ परिवार ही नहीं बल्कि सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण की मजबूत कड़ी हैं। मासूम के पिता सचिन ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी सरिता को बेटे की चाह थी, लेकिन उसके घर बेटी का जन्म हुआ। उसे बेटी से कोई प्रेम नहीं था जब भी अपनी बेटी को देखती तो उसे कोसती ही रहती थी। उसकी पत्नी सरिता ने देखा कि घर में कोई नहीं है।

सड़क पर थूकने को लेकर फर्जी पुलिसकर्मी ने 40 हजार का जुर्माना वसूला, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। सड़कों पर थूकने की आदत अब जेब पर भारी पड़ सकती है, लेकिन जरा संभल जाइए! क्योंकि मुंबई में एक ठग ने 'फर्जी पुलिस' बनकर एक शख्स से पूरे 40,000 रुपये ऐंठ लिए। इस ठग का नाम रवि पांडे (28) बताया जा रहा है, जिसे मुंबई के नवघर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने आपको पुलिस अधिकारी बताकर एक 58 वर्षीय शख्स से सार्वजनिक स्थान पर थूकने के लिए 'जुर्माना' के तौर पर 40,000 रुपये वसूल लिए। 25 फरवरी की शाम वसंत मोहिते नाम के 58 वर्षीय व्यक्ति पर तब आफत आई, जब उन्होंने ऐरोली फ्लाईओवर के पास मोटरसाइकिल रोकी और तंबाकू थूकने की तैयारी की। तभी एक काले रंग की रॉयल एनफील्ड बुलेट पर सवार पुलिसवाले के ड्रेस में एक शख्स आया और जोर से चिल्लाया, 'क्या आपको पता है कि यहां थूकना दंडनीय अपराध है?' खुद को नारकोटिक्स अधिकारी बताकर उसने मोहिते का मोबाइल छीन लिया, उनकी बाइक लॉक कर दी और धमकाया कि उन्हें सीधे पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा। फिर हाईवे पर घुमाने के बाद 68,000 रुपये 'जुर्माना' मांगा, लेकिन डर के मारे मोहिते ने भांडुप और एक अन्य एटीएम से कुल 40,000 रुपये नकली पुलिसवाले के हवाले कर दिए। नकली पुलिसवाले ने मोहिते की बाइक लौटा दी, लेकिन चाबी गायब कर दी।

मंदिरों के सरकारीकरण के खिलाफ एमपी हाई कोर्ट में याचिका दायर

पुजारी संगठन ने कहा- 'मंदिर मुक्त अभियान चलेगा'

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर मंदिरों सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग उठी है। मठ-मंदिर पुजारी संगठन ने मंदिरों को सरकारीकरण से मुक्त करने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। संगठन का आरोप है कि सरकार मंदिरों और उनकी संपत्तियों पर नियंत्रण कर पुजारियों व धार्मिक संप्रदायों के मौलिक अधिकारों का हनन कर रही है। राज्यभर में 50,000 से ज्यादा मंदिर और 1 लाख हेक्टेयर भूमि मंदिरों के नाम दर्ज है, जिसका प्रबंधन सरकार अपने तरीके से कर रही है। पुजारियों का कहना है कि मंदिरों की आय और संपत्तियों का दुरुपयोग हो रहा है। अगर सरकार ने कदम नहीं उठाए तो 'मंदिर मुक्ति अभियान' चलाया जाएगा।

याचिका में की गई ये मांग

दायर की गई याचिका में धार्मिक समुदाय के पुजारियों को संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत मिले मौलिक अधिकार लागू करने की मांग की गई है। इसके अलावा मंदिरों को उनकी श्रेणी के अनुसार वर्गीकृत करने के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाए। मंदिरों पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे हटाए जाने और उन्हें सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाने की भी मांग शामिल है।

संगठन ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

मठ-मंदिर पुजारी संगठन का कहना है कि यह संगठन शैव, वैष्णव, दशनामी, रामानंद और निंबार्क जैसे धार्मिक संप्रदायों से जुड़े पुजारियों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन के अनुसार, सरकार मंदिरों की जमीन और संपत्तियों को अपने नियंत्रण में लेकर पुजारियों और धार्मिक संगठनों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है। संगठन के अध्यक्ष ऋषभ बैरागी ने कहा कि सरकार के नियंत्रण में आने के बावजूद मंदिरों की संपत्तियों का सही तरीके से प्रबंधन नहीं किया जा रहा है। सरकारी अधिकारियों की मनमानी के कारण मंदिरों की आय का दुरुपयोग हो रहा है। मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, देवास, गुना, ग्वालियर, धार, रतलाम, नीमच, मंदसौर, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, शाजापुर, राजगढ़, आगर मालवा समेत कई जिलों में करीब 50,000 मंदिर और 1 लाख हेक्टेयर भूमि मंदिरों के नाम पर दर्ज है। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया तो राज्य भर में मंदिर मुक्ति अभियान चलाया जाएगा, ताकि हिंदू धार्मिक स्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जा सके।

किन मंदिरों में पाई गई प्रबंधन गड़बड़ियां?

संगठन के अनुसार, कई मंदिरों के प्रबंधन में अनियमितताएं सामने आई हैं। इनमें देपालपुर: रंजाजी गांव का श्री राम मंदिर, गौतमपुरा का श्री कृष्णेश्वर गोमतेश्वर मंदिर, श्री जैन मंदिर और श्री महादेव मंदिर (बारादाखेड़ी) हातोदः अटावदा का श्री गौरा देवी मंदिर, राऊ के सोनवाय गांव का श्री राम मंदिर, महूः पांजारिया गांव का श्री खेड़ापति मंदिर प्रमुख मंदिर हैं।

हथियार रिकवरी के लिए गई पुलिस पर आरोपी ने की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में घायल

मोगा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मोगा के गांव चूड़चक में पुलिस और गैंगस्टर के बीच मुठभेड़ हो गई। मोगा पुलिस ने बुधवार को मोगा से एक ए कैटेगरी गैंगस्टर को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 32 बोर पिस्टल, बीएमडब्ल्यू कार और 400 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। गैंगस्टर गुरदीप सिंह माना के ऊपर 42 मामले दर्ज हैं। शुक्रवार सुबह पुलिस टीम आरोपी की निशानदेही पर हथियार रिकवरी करने गई थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गैंगस्टर जख्मी हो गया। उसे मोगा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निगम अधिकारी के घर छापा करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

इंदौर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) ने शुक्रवार सुबह इंदौर नगर निगम के राजस्व अधिकारी राजेश परमार के घर और ऑफिस पर छापा मारा। जांच के दौरान अब तक एक बंगला, चार फ्लैट और दो प्लॉट के दस्तावेज बरामद हुए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, टीम अभी भी संपत्ति का सर्वेक्षण कर रही है। ईओडब्ल्यू की एक टीम इंदौर के बिजलपुर स्थित परमार के घर पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से तलाशी ली। वहीं, दूसरी टीम उनके ऑफिस गई, जो बंद मिला। जांच अधिकारियों ने बताया कि परमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। ईओडब्ल्यू डीएसपी मधुर रीना गौड़ ने बताया कि छानबीन के दौरान अब तक कई संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। हालांकि, अभी जांच जारी है, इसलिए संपत्तियों

की सही कीमत नहीं बताई जा सकती, लेकिन यह राशि करोड़ों में होने की संभावना है। राजेश परमार का करियर बेलदार के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन बाद में प्रमोशन पाकर वह सहायक राजस्व अधिकारी बन गए। नगर निगम में नौकरी के दौरान उन्होंने अपने और परिवार के नाम पर कई घर, प्लॉट और अन्य संपत्तियां खरीदीं। इससे पहले, इंदौर नगर निगम आयुक्त ने अनियमितताओं के चलते राजेश परमार को निलंबित कर दिया था। उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे। वार्ड 39 की कांग्रेस पार्षद रुबिना खान ने 20 अक्टूबर 2024 को निगमायुक्त से उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि परमार दरोगा पद पर थे, लेकिन उन्हें प्रभारी एआरओ बना दिया गया। उन्होंने जोन-19 में बेटरमेंट शुल्क की वसूली में गड़बड़ी कर भ्रष्टाचार किया। इसके अलावा, बिना अनुमति विदेश यात्रा करने का भी आरोप उन पर लगाया गया। रुबिना खान ने महापौर, आयुक्त और राजस्व समिति प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों को प्रमाणों के साथ शिकायत सौंपी थी। उन्होंने मांग की थी कि परमार को तत्काल बर्खास्त कर उनके कार्यकाल की गहन जांच कराई जाए। ईओडब्ल्यू की इस कार्रवाई से नगर निगम में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों की टीम अभी भी छानबीन कर रही है और आने वाले समय में और भी खुलासे होने की संभावना है।

केरल में रेल पटरी पर मृत मिलीं महिला और उसकी 2 बेटियां

बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए शव

कोट्टायम, 28 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के कोट्टायम में शुक्रवार की सुबह रेल पटरी पर एक महिला और उसकी दो बेटियों के शव मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान शाइनी कुरियाकोस (42) और उनकी बेटियां अलीना (11) और इवाना (10) के रूप में हुई है। वे एट्टुमानूर के पारोलिकल की निवासी थीं। पुलिस ने बताया कि महिला अपनी बेटियों के साथ सुबह साढ़े 5 बजे कोट्टायम-नीलांबुर पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गईं। लोको पायलट के बयान के अनुसार, महिलाओं ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दी। घटना की सूचना मिलते ही एट्टुमानूर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए थे, जिसके कारण पहचान करना मुश्किल हो गया था। एट्टुमानूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शवों को कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक जांच में पारिवारिक समस्याओं के कारण आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि थोडुपुझा के रहने वाले शाइनी और उनके पति अलग हो चुके थे। वह पिछले नौ महीने से पारोलिकल में स्थित अपने घर में रह रही थीं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

जलवायु परिवर्तन से नर वानरों की आबादी में भारी गिरावट- व्यवहार में बदलाव, पहले से ज्यादा चिड़चिड़े

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में इन्सानों के साथ-साथ वन्यजीव भी जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि नर वानरों पर इसका काफी बुरा असर पड़ रहा है, जिससे न सिर्फ इनकी आबादी में भारी गिरावट आ रही है, बल्कि इनका व्यवहार भी बदल रहा है। अब ये पहले की तुलना में ज्यादा चिड़चिड़े हो रहे हैं। हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के वैज्ञानिकों ने नर वानरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों में नौ प्रजातियों पर अध्ययन किया है, जिसमें जीनोमिक डाटा विश्लेषण भी शामिल है। इसमें पता चला है कि चार प्रजाति मकाका, ट्रैचीपिथेकस, हूलॉक और निक्टिसबस को छोड़ बाकी पांच की आबादी लगातार कम होती जा रही है। इन चारों प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दूसरे तरीके से दिख रहा है। इनके व्यवहार में नया बदलाव आ रहा है और नई पीढ़ी में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है।

वन्यजीवों के लिए भी नीतियों की जरूरत

वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के जरिये सरकार को सलाह दी है कि इन्सानों के साथ साथ वन्यजीवों को लेकर भी नीतियों पर काम करना चाहिए। जलवायु परिवर्तन के लिए प्रजाति वार संरक्षण मॉडल तैयार करना चाहिए। यह अध्ययन इकोलॉजी एंड एवुलेशन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। दरअसल, भारत में 24 प्रजातियों के साथ नर वानरों की एक विस्तृत विविधता पाई जाती है, जिनमें लोरीज, मकाक, लंगूर और गिब्बन शामिल हैं। भारत में नर वानरों पर व्यवस्थित शोध लगभग 60 साल पहले शुरू हुए।

नौ प्रजातियों का अध्ययन

सीसीएमबी के वरिष्ठ वैज्ञानिक गोविंद स्वामी उमापति ने बताया कि विभिन्न जीवों की आबादी कैसे बढ़ती है, इसके लिए जलवायु महत्वपूर्ण है। इसलिए दो जलवायु प्लीयोसीन और प्लेस्टोसिन के दौरान पूर्वोत्तर भारत में पाई जाने वाली नौ नर वानर प्रजातियों के जनसंख्या इतिहास के बारे में यह अध्ययन किया गया।

पहले से ज्यादा तेज हुआ प्रभाव

गोविंद स्वामी ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पूरी दुनिया बीते कई दशक से झेल रही है, लेकिन अब यह तेज हो रहा है। धरती का बढ़ता ताप, मौसम चक्र में बदलाव, भीषण गर्मी और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में बाढ़, मच्छर और जल जनित बीमारियों का प्रकोप जैसे कई उदाहरण हैं जो जलवायु परिवर्तन के जोखिमों के बारे में बता रहे हैं। वन हेल्थ के जरिये सरकार ने सभी जीवों को लेकर प्रयास भी शुरू किए हैं।

विदेश से लौटे युवक की वैरिफिकेशन करने पहुंची सीबीआई टीम

इंस्पेक्टर के साथ मारपीट, कागजात भी फाड़े

कुरुक्षेत्र, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के गांव मांगना में विदेश से जुड़े एक मामले की वैरिफिकेशन के लिए दिल्ली से पहुंचे सीबीआई इंस्पेक्टर के साथ मारपीट किए जाने व दस्तावेज फाड़ देने का मामला सामने आया है। इंस्पेक्टर को मौके पर पहुंची पुलिस ने बचाया, जिसके बाद उसे लेकर पुलिस टीम थाने में पहुंची तो शिकायत मिलने पर मामला दर्ज कर जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में इंद्रजीत आर्य ने बताया कि वे सीबीआई में बतौर इंस्पेक्टर तैनात हैं। वे कार्यालय आदेशानुसार ही जांच पड़ताल करने के लिए कुरुक्षेत्र पहुंचे थे। वे पहले शाहाबाद में पहुंचे तो इसके बाद हरिगढ़ भौरख में भी अपनी जांच पड़ताल की। इसके बाद वे गत देर शाम करीब साढ़े छह बजे गांव मांगना निशान सिंह के घर पहुंच गए। यहां उन्होंने निशान सिंह से कहा कि वे सीबीआई से हैं और उनका बेटा जसवरण विदेश से लौटा है और उसी बारे कुछ पूछताछ करनी है। पहले निशान सिंह ने जसवरण से मोबाइल पर बातचीत की और बताया कि वह किसी रिश्तेदार के पास गया हुआ है। शिकायत में इंस्पेक्टर ने आरोप लगाए कि अभी वे निशान सिंह से बातचीत कर ही रहे थे कि करीब साढ़े सात बजे पांच से छह युवक पहुंच गए और उन्होंने गाली-गलौच व मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों में से एक गला दबाकर ऊपर बैठ गया तो बाकी भी मारपीट करते रहे। किसी तरह छूटकर वह बाहर भाग तो वहां भी दो लोग और आ गए। फिर उसे पकड़ लिया गया और मारपीट की जाने लगी।

शादी के लिए 2 लाख, 18 की उम्र तक हर महीने 1 हजार

ये हैं हिमाचल की वो दो योजनाएं जिनके लिए सरकार ने मंदिरों से मांगा दान

शिमला, 28 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश इस समय आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इसी बीच सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दो योजनाओं के लिए मंदिरों से आर्थिक सहायता मांगी है। उन्होंने मंदिरों को मिलने वाले चढ़ावे से धन की मांग की है। सीएम ने राज्य सरकार के तहत आने वाले सभी मंदिरों और उनको संभाल रहे स्थानीय डीसी को पत्र लिखा है और चढ़ावे के पैसे में से इन दो सरकारी योजनाओं के लिए पैसे देने का आग्रह किया है। इन दो सरकारी योजनाओं में पहली योजना का नाम है मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना और मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना। चलिए उन स्कीम के बारे में जान लेते हैं जिनके लिए सीएम मंदिरों से मदद की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत राज्य सरकार अनाथ और त्याग दिए गए बच्चों की सहायता करती है। इस स्कीम के तहत पहले सरकार ने 6 हजार बच्चों को गोद लिया था। हालांकि, हाल ही में इस स्कीम का दायरा बढ़ाया गया है। जहां पहले इस स्कीम में 6 हजार अनाथ बच्चों की मदद की जा रही थी। वहीं, अब इस स्कीम में त्याग दिए गए बच्चों को भी शामिल किया गया है। इस स्कीम के तहत 14 साल की उम्र तक के बच्चों को हर महीने 1 हजार रुपये देने की सहायता और 18 साल के युवा को 2500 रुपये हर महीने की सहायता मिलने का ऐलान किया गया था। साथ ही शिक्षा, बिजनेस और स्टार्ट-अप के लिए 2 लाख तक की रकम देने का प्रावधान है। इसी के साथ घर बनाने के लिए 3 लाख और शादी करने के लिए 2 लाख तक की सहायता देने का ऐलान किया गया है।

मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना का मुख्य मकसद दो विशिष्ट आयु समूहों की मदद करना है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता को 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी खर्चों को पूरा करने के लिए 1000 रुपये की हर महीने मदद देने का प्रावधान है। साथ ही ग्रेजुएशन कर रहे बच्चों को ट्यूशन, हॉस्टल के लिए भी सहायता देने का ऑप्शन इस में शामिल है। कमजोर माता-पिता के बच्चों को उच्च शिक्षा और जीवन देने के लिए सरकार ने इस स्कीम को शुरू किया था, लेकिन अब वित्तीय सहायता का सामना कर रही सरकार को इस योजना के लिए धन जुटाना मुश्किल पड़ रहा है और सरकार आर्थिक संकट से घिर गई है। जिसके तहत अब वो मंदिरों से मदद की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमले की धमकी पुलिस को पाकिस्तानी नंबर से मिला संदेश

मुंबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला करने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस को पाकिस्तानी नंबर से धमकी भरा संदेश मिला है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमले की धमकी देने वाला संदेश व्हाट्सएप पर पाकिस्तानी नंबर से आया। इसके बाद से मुंबई पुलिस हाईअलर्ट पर है। संदेश भेजने वाले ने खुद को मलिक शाहबाज हुमायूं राजा देव बताया। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को संदेश भेजे जाने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। अज्ञात नंबर से संदेश आने के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मुंबई पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई के गोरेगांव पुलिस को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में एक अज्ञात व्यक्ति ने चेतावनी दी थी कि शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ा दिया जाएगा। राज्य सचिवालय और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन को भी इसी तरह के धमकी भरे संदेश मिले थे। शिंदे को भेजे गए धमकी भरे संदेश की जांच करने के बाद मुंबई पुलिस ने बताया कि यह एक फर्जी ईमेल था। एक अधिकारी के मुताबिक, शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल 20 फरवरी को महानगर के गोरेगांव और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशनों पर मिले थे। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। मुंबई के उपनगरीय इलाके में गोरेगांव पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3) आपराधिक धमकी और 353(2) सार्वजनिक शरारत के लिए बयानबाजी के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने बुलढाणा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दोनों की पहचान जिले के देउलगांव राजा के देउलगांव माही इलाके के निवासी मंगेश वायल (35) और अभय शिंगने (22) के रूप में हुई थी।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने भी जांच शुरू की थी

उन्होंने बताया कि मुंबई क्राइम ब्रांच ने भी जांच शुरू की है और बुलढाणा को भेजे गए मेल के पीछे के लोगों का पता लगाने के लिए तकनीकी विश्लेषण का इस्तेमाल किया है। उन्होंने आगे बताया कि क्राइम ब्रांच की एक टीम ने बुलढाणा का दौरा किया और स्थानीय पुलिस की मदद से दो लोगों को पकड़ा। दोनों को मुंबई लाया जा रहा है।

बुजुर्ग मां को 5000 रुपये नहीं दूंगा याचिका लेकर हाईकोर्ट पहुंचा बेटा

कोर्ट ने कहा-ये कलयुग का उदाहरण

चंडीगढ़, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अपनी 77 वर्षीय मां को पांच हजार रुपये भरण-पोषण भत्ता दिए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली बेटे के याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने आश्चर्य जताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह कलयुग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने इस न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। कोर्ट ने याची पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। 77 वर्षीय महिला के पति की 1992 में मृत्यु हो गई थी। उसके परिवार में एक बेटा और एक विवाहित बेटी है। एक बेटे की भी मौत हो चुकी है। जो अपनी विधवा और दो बेटों को पीछे छोड़ गया है। पति की मृत्यु के बाद 77 वर्षीय महिला की 50 बीघा जमीन उसके बेटे और उसके मृतक बेटे के बेटों के पास चली गई। 1993 में उसे उसके भूत, वर्तमान और भविष्य के भरण-पोषण के लिए एक लाख रुपये दिए गए। इसके बाद वह अपनी बेटी के साथ रहने लगी। उसे 5 हजार रुपये के भरण-पोषण के आदेश को चुनौती देते हुए उसके बेटे ने तर्क दिया कि चूंकि वह उसके साथ नहीं रह रही थी, इसलिए पारिवारिक अदालत आदेश पारित नहीं कर सकती थी।

बुजुर्ग के पास आय का स्रोत नहीं

हालांकि, मां का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने तर्क दिया कि उसके पास आय का कोई स्रोत नहीं है और वह अपनी बेटी की दया पर जीने को मजबूर है, क्योंकि उसके पास उसे पालने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है। अदालत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण मामला बताया और कहा कि एक बार जब यह पाया गया कि बुजुर्ग महिला के पास आय का कोई स्रोत नहीं है, तो उसके बेटे के लिए याचिका दायर करने का कोई आधार नहीं है। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि वास्तव में यह न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोरता है

अमित शाह की दक्षिण पर नजर

तमिलनाडु में 2029 के लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। इसके लिए 2026 में जनगणना को परिसीमन का पैमाना बनाया जा रहा है। इसे लेकर दक्षिणी राज्यों का विरोध मुखर हो गया है। खबरों के अनुसार परिसीमन के बाद तमिलनाडु की लोकसभा सीटें 39 से घटकर 31 हो सकती हैं। इसीलिए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 5 मार्च को सभी दलों की बैठक बुलाकर परिसीमन के विरोध में उतरने की बात कही है। स्टालिन ने आशंका जताई है कि यह परिसीमन दक्षिणी राज्यों के हित में नहीं होगा, जिन्होंने जनसंख्या को नियंत्रित किया है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण ही परिसीमन है। यह प्रक्रिया जनगणना के बाद की जाती है। इसका मकसद हर निर्वाचन क्षेत्र में जनसंख्या का लगभग समान प्रतिनिधित्व तय करना है। इसके लिए एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाता है, जिसमें न्यायाधीश, चुनाव विशेषज्ञ और दूसरे एक्सपर्ट शामिल होते हैं। 543 सदस्यीय लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश और राजस्थान में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ जाएगी। वहीं केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक को कुछ सीटें गंवानी पड़ सकती है। जनसंख्या के लिहाज से सीटें बंटी तो केरल में लोकसभा सीटें 20 से घटकर 19 हो जाएंगी। यूपी में 14 सीटों का इजाफा हो सकता है। बिहार और मध्य प्रदेश में भी सीटें बढ़ेंगी। हालांकि सरकार ने भरोसा दिया है कि किसी भी सूरत में तमिलनाडु में सीटें कम नहीं होंगी। बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी दक्षिणी राज्यों के लोगों को आश्वासन दिया कि परिसीमन से सीटों की संख्या में कोई कमी नहीं होगी। यह भी कहा जा रहा है कि जो परिसीमन आयोग स्थापित होगा, उसमें सभी दलों के प्रतिनिधि होंगे, ताकि वे अपने विचार पेश कर सकें। बताया जा रहा है कि यह परिसीमन 2029 के लोकसभा चुनावों का आधार बनेगा। केंद्र का कहना है कि दक्षिणी राज्यों को जनसंख्या नियंत्रण के लिए दंडित नहीं किया जाएगा और उनकी लोकसभा सीटों की संख्या में कमी नहीं होगी। स्टालिन इसे चुनावी मुद्दा बनाना चाह रहे हैं, क्योंकि तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव है। एमके स्टालिन 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में हिंदी विरोध के साथ-साथ परिसीमन में सीटें कम होने की आशंका को बड़ा मुद्दा बनाना चाह रहे हैं। दरअसल, दक्षिण की राजनीति हिंदी विरोध पर टिकी है। ऐसे में जो पार्टी परिसीमन का समर्थन करेगी, डीएमके जानबूझकर उस मुद्दे को भाषाई विवाद बनाएगी। इसीलिए मुद्दों को तलाश रही डीएमके ने नई शिक्षा नीति में प्रस्तावित त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत तमिलनाडु में हिंदी थोपने के आरोप के बाद अब परिसीमन में दक्षिण भारतीय राज्यों की सीटें कम होने की आशंका के खिलाफ लड़ाई का ऐलान कर दिया है। हिंदी विरोध को बड़ा मुद्दा बनाते हुए स्टालिन नई शिक्षा नीति को नहीं लागू करने का भी ऐलान कर चुके हैं। जैसे ही अमित शाह ने डीएमके सरकार के भ्रष्टाचार और देश विरोधी गतिविधियों को विधानसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाने का संकेत दिया, वैसे ही स्टालिन तिलमिला गए हैं। चूंकि वह खुद सरकार में हैं तो उन्हें एंटी इन्कंबेंसी का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। अमित शाह ने भ्रष्टाचार के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि डीएमके उन्हीं नेताओं को पार्टी में शामिल करती है, जिसके पास भ्रष्टाचार में मास्टर की डिग्री हो। बहरहाल, अमित शाह ने कोयंबटूर में राजनीतिक पांसा फेंक कर दक्षिण की राजनीति में गर्माहट ला दिए हैं।

महाराष्ट्र हो या मिर्जापुर, कहानी सब की एक जैसी !

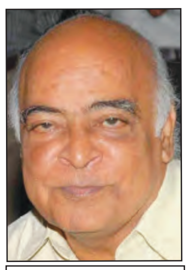
अशोक भाटिया

पुणे के स्वारगेट एसटी स्टेशन पर 26 वर्षीय महिला पर हमले की घटना ने महाराष्ट्र के हर कोने में हलचल मचा दी है। अभी कल ही मिर्जापुर में न्यायालय ने षड़यंत्र के तहत किशोरी बहला फुसलाकर भगाने व सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो दोषी को 20-20 वर्ष व एक महिला दोषी को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 17 जून 2016 को नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध नाबालिग पुत्री को षड़यंत्र के तहत बहला फुसलाकर भगाने व सामूहिक दुष्कर्म करने की तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह फैसला कल ही आया है और पुणे में वैसी ही घटना घट गई है । हालाँकि पुणे रेप का आरोपी महाराष्ट्र के शिरूर तहसील के केगुनाट गांव से गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच पुणे के डीसीपी निखिल पिंगले के अनुसार गन्ने के खेत से आरोपी को रात 1:30 बजे गिरफ्तार किया गया है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के पूरे प्रोसेस में गांववालों ने हमें मदद की। उन्होंने ही बताया कि आरोपी गुनात गांव में आया है। रात में उसने एक घर से पीने का पानी और खाना मांगा। इस दौरान लोगों ने उसे पहचान लिया और जानकारी पुलिस को दे दी। आरोपी को पकड़ने में भी लोगों ने मदद की। अब भले ही आरोपी पकड़ा गया । यक्ष प्रश्न अब भी वही है कि सुबह 5। 30 बजे एसटी स्टेशन परिसर में खड़ी बस में जब यह घटना हुई तो सुरक्षा एजेंसियां क्या कर रही थीं? इस पर भी अब सवाल उठने लगा है कि क्या 26 साल की महिला सुबह एसटी को पकड़ने एसटी स्टेशन आती है, क्या कोई उसे बंद बस में ले जाता है? क्या पुरुष बस में चढ़ते ही महिला को प्रताड़ित करता है और क्षेत्र को बिना किसी बाधा के छोड़ देता है? ये सभी घटनाएं अविश्वसनीय और परेशान करने वाली हैं। इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि क्षेत्र के राजनीतिक नेता वसंत मोरे ने एसटी स्टेशन परिसर में बसों में तोड़फोड़ करने के बाद निरीक्षण किया और उनमें कंडोम और अन्य सामग्री पड़ी देखी। यह घटना इसलिए सामने आई है क्योंकि युवती ने पुलिस से शिकायत करने की हिम्मत की। उन महिलाओं, युवतियों, स्कूली छात्राओं को कौन नहीं बताता जिनके साथ दुर्व्यवहार किया गया है, इस डर से कि समाज क्या कहेगा और समाज उन्हें कैसे देखेगा?इसी से ऐसी अमानवीय घटनाओं पर से पर्दा उठता है और उनकी हिम्मत बढ़ती है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना की सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। दोषियों का पता लगाया जाएगा, दोषियों को सजा भी मिलेगी। लेकिन क्या कोई जवाब दे सकता है कि समय बीत जाएगा? पीड़िता जीवन भर सदमे से उबर नहीं पाएगी। राज्य के कोने-कोने में अब संदेश पहुंच गया है कि राज्य सरकार के एसटी स्टेशन में अब महिलाएं, लड़कियां और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। इससे राज्य सरकार की छवि और राज्य की छवि भी धूमिल हुई है। यह पता चला है कि निगम द्वारा नियुक्त निजी सुरक्षा तंत्र विफल हो गया है। जांच के दौरान पता चला कि पुलिस ने घटना के दिन दोपहर 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बस स्टैंड पर दो बार गश्त की थी। रात 1:30 बजे और फिर 3 बजे सीसीटीवी फुटेज में यह सब साफ दिखाई दे रहा है, इसलिए पुलिस ने अपनी ड्यूटी ठीक से निभाई है। एसटी निगम ने एक निजी सुरक्षा एजेंसी को यह काम सौंपा था; लेकिन एजेंसी के सुरक्षा गार्डों ने अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं किया और अगर उन्होंने जागरूकता दिखाई होती तो घटना से बचा जा सकता था; लेकिन जो कुछ हुआ उसके लिए राज्य सरकार निजी एजेंसी को दोषी ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती क्योंकि डिपो प्रबंधक यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार था कि निजी सुरक्षा प्रणाली ठीक से काम कर रही थी। लेकिन उसने काम ठीक से नहीं देखा। इसीलिए घटना हुई। मौके पर 10-15 लोग मौजूद थे।लेकिन किसी को शक नहीं हुआ। इसी वजह से आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना को नजरअंदाज नहीं किया है। पुलिस की जिम्मेदारी अलग है और एसटी स्टैंड क्षेत्र की सुरक्षा एसटी निगम और निजी सुरक्षा एजेंसियों पर निर्भर करती है। सरकार इस घटना को लेकर पुलिस का पक्ष ले रही है, जबकि डिपो के कर्मचारी राज्य सरकार के दायरे में हैं। हालांकि घटना के बाद राज्य सरकार और घरेलू एजेंसियां अत्यधिक सतर्क थीं, लेकिन अगर यह अलर्ट पहले दिखाया गया होता, तो दोषियों में इस तरह की अमानवीय हरकत करने की हिम्मत नहीं होती। एसटी स्टेशन पर खड़ा शिवशाही का आरोपी एक आदतन अपराधी था, उसके खिलाफ अतीत में कई मामले दर्ज हैं और वर्तमान में जमानत पर बाहर है। पुणे पुलिस ने उसकी तलाशी के लिए 1 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है और स्वारगेट स्टेशन पर उसके परिवार की जांच शुरू कर दी है। तैनात 23 सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। 2020 में शख्स ने करे घाट को लूटा था। उसे लूट के एक मामले में भी दोषी ठहराया गया था। उसके खिलाफ अहिल्यानगर के सुपा, केडगांव और कोतवाली पुलिस स्टेशनों में दो मामले दर्ज हैं। घटना के बाद जब राजनीतिक तत्वों ने एसटी स्टेशन में तोड़फोड़ की, तो स्वारगेट बस स्टैंड क्षेत्र में एसटी स्टेशन में बसों के पास सुरक्षा गार्डों के केबिन के बाहर सैकड़ों कंडोम पड़े मिले। फिर यहां सुरक्षा गार्डों का केबिन क्यों है? इसको लेकर भी जनता में गुस्सा है।

दिलचस्प बात यह है कि लड़की को प्रताड़ित करने के बाद युवक अपने गांव गया, गांव गया और कीर्तन में भाग लिया, घटना के बाद गांव से आरोपियों का नाम और फोटो बाहर आने लगा।वह जनता के बीच रह रहे थे। इसलिए प्रचलित सामाजिक व्यवस्था के लिए लोगों के बीच खुलेआम घूमना खतरनाक है और महिलाओं और लड़कियों के लिए खतरनाक बात है। इन अपराधियों को तुरंत ढूंढना और फांसी देना संभव होगा। सख्त नियम के बिना, ऐसी घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा और दोषियों को रोका नहीं जा सकेगा। यह भुगतान करने के लिए एक बड़ी कीमत है। इस घटना ने एक ऐसी तस्वीर बना दी है कि एसटी स्टेशन महिलाओं, लड़कियों के लिए रात में, आधी सुबह में सुरक्षित नहीं हैं। दोषियों को सबक सिखाना होगा। आम लोगों को भी चौकीदार की भूमिका छोड़ देनी चाहिए और घटनाओं के बारे में जागरूकता दिखानी चाहिए। यहां तक कि अगर स्टेशन पर मौजूद 10-15 लोग लड़की के साथ जाते तो भी लड़की के साथ इस बात को लेकर उत्सुकता से चले जाते कि लड़की बंद ट्रेन में क्यों जा रही है। शायद आज हमने एक अलग तस्वीर देखी होगी। घटना होने पर अगर घटना होने से पहले बिना गुस्सा या गुस्सा जाहिर किए जागरूकता दिखाई जाए तो आने वाले दिनों में किसी के पास गुस्सा जाहिर करने की फुर्सत नहीं होगी। इस घटना से स्पष्ट है कि कोई भी क्षेत्र, राज्य या देश अपराध-मुक्त नहीं हो सकता। ऐसे लोग हैं जिनके पास अपराध है। पुलिस से उनमें से प्रत्येक की रक्षा करने की उम्मीद करना भी अनुचित है। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए, सरकार पुणे के स्वारगेट बस स्टेशन पर बलात्कार के बारे में बात नहीं कर सकती। इस राज्य में अपराधियों के लिए अभयारण्य जैसा वातावरण बनाने के लिए सरकार को दोषी ठहराया जाना चाहिए। वे सुझाव देते हैं। अगर हमारे क्षेत्र को बीड में तब्दील होने से बचाने का आह्वान पुणे जैसे शहर के नागरिकों को एक आह्वान देना है, जिसे कभी 'पूर्व का ऑक्सफोर्ड' कहा जाता था, जो अपने ज्ञान-संचालित ज्ञान-उन्मुख उद्योगों के लिए जाना जाता है, तो यह अभयारण्य को एक स्वाद देगा। और यह सब पुणे में। मराठवाड़ा में जो हो रहा है उसका अभी भी कोई अंत नहीं है। उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक के उन सभी की तुलना में बुद्धिमान हैं। उन्होंने राजनेता बनना पसंद किया और की भाषा को राजनीति में लाया। विदर्भ की स्थिति भी इससे अलग नहीं है।

उदार हिन्दुत्व से भी क्यों भागी कांग्रेस ?

आचार्य श्रीहरि

2014 में हार के बाद कांग्रेस ने उदार हिन्दुत्व पर चलने का संकेत दिया था और वह स्वीकार कर चुकी थी कि उसकी हार के केन्द्र में हिन्दुत्व का उग्र विरोध है। कांग्रेस की यह सोच चाकचौबंद थी और हार के चक्रव्यूह से निकलने का सौलिट मंत्र भी था। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने इस पर काम किया था, इसी दृष्टिकोण पर आधारित राहुल गांधी की छवि को गढने और चमकाने का निर्णय लिया गया था, एक उदार हिन्दुत्व का सांचा बनाया गया था। इसी सांचे से राहुल गांधी के ब्राम्हण होने का कथन निकला था और उनके दत्तात्रैय गोत्र की कहानी निकली थी। राहुल गांधी की दौड़ मानसरोवर तक लगायी गयी थी, उन्हें गेरूआ कपडे पहनाये थे और मंदिर-मंदिर का भ्रमन कराया गया था। कांग्रेस को यह उम्मीद थी कि उनकी उदार हिन्दुत्व की छवि से हिन्दुओं की नाराजगी और विछोह दूर होगा और फिर से कांग्रेस को सत्ता सूत्र मिल जायेगा। एक अंथोनी की रिपोर्ट भी यही कहती थी। एके अंथोनी कमिटी की रिपोर्ट में साफतौर पर कहा गया था कि 2014 में कांग्रेस की हार के पीछे हिन्दुत्व की नाराजगी थी और कांग्रेस ने अपने दस सालों के शासन काल के दौरान अपनी छवि हिन्दू विरोधी बनायी थी और इसका सारा दोष उन बयानबाज कांग्रेसियों का था जो अति मुस्लिम पक्षधर थे और अपने बयानों के नकरात्मक प्रबृतियों के प्रति बेपरवाह और उदासीन थे। कांग्रेस के अंदर ऐसे बयानबाज नेताओ को अस्थिर करने या फिर उन्हें महत्वहीन करने की बात कही गयी थी और आशिक तौर पर ही सही पर निर्णय को लागू करने की कोशिश हुई थी। मनिशंकर अय्यर और मनीष तिवारी तथा कपिल सिब्बल जैसे कई नेताओं के पर कतरे गये थे। हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी को स्थापित करने वाले पी चिदम्बरम को भी नेपथ्य में भेजने की चाल चली गयी थी। उदार हिन्दुत्व पर चलने का प्रत्याशित लाभ क्यों नही मिला? इसका विश्लेषण करने की जरूरत कांग्रेस ने जाहिरतौर पर कभी नहीं समझी। 2014 के बाद 2019 और 2024 में भी कांग्रेस को उदार हिन्दुत्व को अपनाने का लाभ नहीं मिला। कांग्रेस को न केवल केन्द्रीय चुनावों में बल्कि राज्य चुनावों में हार पर हार मिली। कांग्रेस का हर दांव उल्टा ही पडा।

यहां तक की राहुल गांधी की भारत जोडों यात्रा भी कोई काम नही आयी। भारत जोडों यात्रा से राहुल गांधी की छवि चमकने की उम्मीद थी और कांग्रेस की किस्मत बदलने की उम्मीद थी। सच तो यह है कि जैसे-जैसे राजनीति का समय चक्र घूम रहा है वैसे-वैसे कांग्रेस की परिधि भी घटती जा रही है, कांग्रेस की कमजोरी लगातार बढती जा रही है।

मोदी को झुकाने या फिर सत्ता से बाहर करने की बात तो दूर रही बल्कि नरेन्द्र मोदी की मजबूत घेराबंदी करने में भी कांग्रेस सफल नहीं हो पा रही है। अब तो नरेन्द्र मोदी का विकल्प राहुल गांधी और भाजपा का विकल्प कांग्रेस को मानने से भी इनकार किया जा रहा है। इंडिया गठबंधन दल में भी कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रति नजरिया नकरात्मक बन रहा है और विरोध बढ रहा है। लालू प्रसाद यादव का यह कहना कि नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विकल्प राहुल गांधी नहीं बल्कि ममता बनर्जी है और ममता बनर्जी को ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। लालू का यह चिंतन कांग्रेस के लिए हाहाकार वाली स्थिति जैसी है। आखिर क्यों? इसलिए कि लालू यादव की छवि सोनिया गांधी-राहुल गांधी समर्थक की रही है। कांग्रेस ने ऐसा नजरियां क्यों विकसित कर लिया, ऐसी राजनीतिक सोच क्यों बनायी कि हमें हर हिन्दुत्व के प्रतीकों और उत्सवों का विरोध करना है और उस पर कीचड उछालना है?

41 साल बाद अदालत के फैसले पर सवाल !

मनोज कुमार अग्रवाल

अपने देश की न्यायिक प्रक्रिया से न्याय हासिल करने के लिए ध्रुव और पार्वती जैसी तपस्या की जरूरत है। फैसला देने में लेट लतीफी करने का विश्व रिकॉर्ड हमारी न्याय पालिका कायम कर रही है , इसका एक और बड़ा उदाहरण 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में आया फैसला है, जिसमें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दंगों के दौरान बाप-बेटे को जिंदा जलाकर मारने के मामले में आरोपी सज्जन कुमार को 41 साल बाद उम्रकैद की सजा सुनाई है। किसी मामले में चार दशक बाद फैसला आना हमारी न्यायिक व्यवस्था पर एक सवाल है। आप जानते हैं कि जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइ यानि न्याय में देरी न्याय की मौत है। 1984 के दंगे में इस मामले में आया फैसला हमारे ज्यूडिशियल सिस्टम की हालत बयान कर्ता है। हालांकि सज्जन कुमार को कड़ी सजा का यह फैसला कई संदेश लिए हुए है। दंगा पीड़ित परिवारों को न्याय मिलने में भले 41 साल लग गए हों, लेकिन फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह कितना ही ताकतवर राजनीतिक क्यों न हो। यह सिख विरोधी दंगों से जुड़ा दूसरा मामला है, जिसमें सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। हालांकि पीड़ित पक्ष और दिल्ली पुलिस ने सज्जन कुमार के लिए लिए फांसी की सजा मांगी थी। अभियोजन ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर की कैटेगरी में मानने की मांग कोर्ट से की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया और उम्रकैद की सजा सुनाई है। दरअसल यह मामला 1 नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार में भीड़ को भड़काने से जुड़ा है, जिसमें जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। अभियोजन पक्ष ने कहा था कि सन्जन कुमार ने भीड़ को उकसाकर बड़े स्तर पर सिखों के घरों दुकानों पर लूट और आगजनी कराई। इसी दौरान एक घर में लूट और आग लगाने से पहले भीड़ ने सिख समुदाय के दो लोगों को जिंदा जलाकर मार दिया था। इसी मामले में उन्हें उम्रकैद की सजा दी गई है। इसके अलावा सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक दूसरे मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने 2018 में सन्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और वो तिहाड़ जेल में बंद हैं। पुलिस ने इस मामले में जिसे गवाह बनाया था, उसने 16 साल बाद सज्जन कुमार के इस हिंसा में शामिल होने की पुष्टि की थी। हालांकि उनके वकील ने इसका ही आधार बनाते हुए अपने मुवक्किल को निर्दोष बताया था। खुद सज्जन ने भी 1 नवंबर 2023 को कोर्ट में इस मामले में गवाही में खुद को निर्दोष बताया था। इस मामले में अभियोजन की तरफ से कोर्ट में दी गई दलीलों में इसे निर्भया केस से भी ज्यादा संगीन मामला बताया गया था, जिसमें समुदाय विशेष के लोगों को टारगेट करके किलिंग की गई थी। सिख विरोधी हिंसा को मानवता के खिलाफ अपराध बताते हुए अभियोजन ने इस मामले में सज्जन कुमार को फांसी की सजा सुनाए जाने की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने उनकी उम्र को देखते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी है। साल 1984 में 31 अक्टूबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनके ही सिख बॉडीगार्ड्स ने पीएम आवास के अंदर ही गोलियों से छलनी कर दिया था। यह हत्या जून, 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सिख चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरावाला को पकड़ने के लिए भारतीय सेना को घुसने की इजाजत देने के विरोध में की गई थी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली समेत पूरे देश में सिख विरोधी दंगे भड़क गए थे। बड़े पैमाने पर सिखों की हत्याएं की गई थीं या फिर उन्हें मारपीट कर अधमरा कर दिया गया था। माना जाता है कि इन दंगों में तीन से पांच हजार लोग मारे गए थे। अकेले दिल्ली में ही दो हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। अब इस घटना के करीब 41 साल बाद सन्जन को एक और मामले में दोषी ठहराया गया है। कांग्रेस के एक और नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ भी केस चल रहा है। इसके अलावा कांग्रेस नेता एचकेएल भगत और कमल नाथ भी सिख दंगों से जुड़े मामलों में आरोपी हैं। इन दंगों में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता का दावा किया गया था और इनमें से ही सन्जन कुमार भी एक है। अगर देखा जाए तो इन दंगों के पीड़ितों में से बहुत सारे लोगों को आज तक भी न्याय नहीं मिला है और उनके केस अदालतों में लंबित हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि सिख दंगे के पीड़ितों को न्याय कब तक मिलेगी। सिख दंगों में सजा में देरी देश की न्यायिक प्रक्रिया की हकिकत को उजागर करता है। न्याय प्रक्रिया को जटिलताओं की वजह से मामले के लंबा खिंचने का आरोपियों ने फायदा उठाया और पीड़ित परिवारों की आधी जिंदगी न्याय के इंतजार में गुजर गई। दंगा पीड़ितों में आज भी कई ऐसे परिवार हैं, जो न्याय की उम्मीद में करीब चार दशक का वक्त गुजार चुके हैं। वैसे दंगा पीड़ितों की तादाद भी काफी है, जो न्याय के लिए गुहार भी नहीं लगा सके, जिनका सब कुछ खत्म हो गया और जिन्होंने नए सिरे से जीवन की शुरुआत की। जिन्होंने दंगाइयों को भड़काने वालों के खिलाफ बोलने की हिम्मत जुटाई, तमाम धमकियों और दबावों के बीच जटिल कानूनी प्रक्रिया के तहत संघर्ष करने का संकल्प किया, उसी का नतीजा है कि सन्जन कुमार जैसे नेता को सजा के अंजाम तक लाया जा सका। जिस तरह से राजनीतिक दल दंगा पीड़ितों के दर्द को भुनाते रहे, वह भी कम शर्मनाक नहीं है। चाहे सिख विरोधी दंगे हों या गुजरात के दंगे, ये सभ्य समाज पर एक बड़ा कलंक हैं। इन दंगों ने दुनिया भर में भारत की छवि को भारी धक्का पहुंचाया। तत्कालीन सरकार ने इन दंगों में शामिल अपने नेताओं को पूरी तरह सुरक्षा देने का यत्न किया और लूटमार करती भीड़ के संबंध में आंखें मूंद ली थीं । उसी समय कई मानवाधिकार संगठनों ने दिल्ली में हुए इस घटनाक्रम संबंधी चश्मदीद गवाहों के आधार पर रिपोर्ट प्रकाशित करवाई गई, जिनकी बड़े स्तर पर चर्चा हुई। कुछ दर्जन केस भी दर्ज किये गये और बाकी सभी घटनाक्रमों को दबा दिया गया। बाद में वई कमिशन भी बने, उनकी रिपोर्टों को भी धीरे-धीरे सबूत न मिलने का बहाना बनाकर खारित कर दिया गया। कुछेक दोषियों को छोटी मोटी सजा मिली। एक अपराधी किशोरी लाल बुचड़ को फांसी की सजा भी हुई जो बाद में खारिज कर दी गई। दिल्ली पुलिस ने चलते केसों को आधारहीन और जानहीन बना दिया और इन दंगों से संबंधित बहुत सी फाइलें भी बंद कर दी, जिससे भाईचारे के शरीर पर लगे जख्म नासूर बनते गये। केन्द्र में साल 2014 में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद 2015 में गृह मंत्रालय द्वारा इस संबंधी एसआईटी का गठन करके पुनः जांच शुरू करवाई गई। इन दंगों से संबंधित फाइलों को पुनः खोला गया ताकि पीड़ित परिवारों को राहत मिल सके। समय बीतने और तत्कालीन शासकों द्वारा तथ्यों को हर ढंग तरीके से छुपा देने के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया था। इसी कारण 8 जुलाई, 1994 को दिल्ली की एक अदालत ने सज्जन कुमार के विरुद्ध साक्ष्य न होने के कारण आरोप पत्र दाखिल करने से मना कर दिया था। 8 मई 2000 को नानावती आयोग भी गठित किया गया था पर उसमें से भी बहुत कुछ हासिल न हो सका ।2014 में केन्द्र में सरकार बदलने के साथ पुनः बंद पड़े केसों को दोबारा खोला गया, जिससे इन्साफ मिलने की उम्मीद पुनः बंध गई।

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार खाने और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड को पसंद करते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला होता है। इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे इसे खाना जारी रखते हैं। व्यस्त जीवन शैली में, फास्ट फूड को जल्दी से जल्दी खाना सुविधाजनक है। वे भीड़ का अनुसरण करते हैं क्योंकि उनके दोस्त भी इसे पसंद कर सकते हैं। फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। इसके अस्वास्थ्यकर तत्वों, जैसे अत्यधिक वसा और चीनी के बारे में जानने के बाद भी, उन्हें फास्ट फूड की लालसा का विरोध करना मुश्किल लगता है। फास्ट फूड कंपनियाँ अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो एक और कारक है। मशहूर हस्तियों और यादगार नारों का उपयोग ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है, खासकर युवा लोगों का। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद, लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। वे ऐसे पेश आते हैं जैसे उन्हें पता है कि यह सबसे अच्छा विकल्प नहीं है, लेकिन फिर भी वे इसे चुनते हैं क्योंकि यह बहुत सरल और आकर्षक है। इसलिए, बहुत से लोग अभी भी ख़ुद को फास्ट फूड की ओर आकर्षित पाते हैं, भले ही वे इनका नुकसान जानते हों। चूँकि लोग घर के बने खाने की जगह सुविधाजनक भोजन चुन रहे हैं, इसलिए खान-पान की आदतें बदल रही हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज़्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफ़ाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी। प्रोसेस्ड, उच्च वसा, उच्च चीनी वाले पश्चिमी आहार की बढ़ती संख्या पारंपरिक संतुलित भोजन की जगह ले रही है। मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज़ के तेज़ी से बढ़ने के कारण भारत में शहरी खान-पान की आदतें बदल गई हैं।

वैश्वीकरण के कारण खाद्य संस्कृति के एकरूपीकरण के कारण, क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खान-पान की बदलती आदतों के कारण, त्योहारों और धर्मों की पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है। वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं के परिणामस्वरूप स्ट्रीट वेंडर और स्वदेशी खाद्य कारीगर चुनौतियों का सामना करते हैं। यूनेस्को ने मुंबई की स्ट्रीट फ़ूड संस्कृति को स्वीकार किया है, लेकिन शहरी आधुनिकीकरण इसे खतरे में डाल रहा है। कुपोषण और स्वास्थ्य प्रभावः अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाने के परिणामस्वरूप, हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे में वृद्धि हुई है। आहार सम्बंधी आदतों में बदलाव के कारण भारत में 101 मिलियन मधुमेह रोगी हो गए हैं।

नो आराम ओनली काम ?

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर से लौट रहा था कि बेरे करीब एक आवाज आई कोई कितना काम कर सकता है बता सकते हैं भाई साहब ?अगर सचमुच का काम है, दिमाग, दिल और बदन को थकाने का तो आठ, दस या बारह घंटे ।भाई। जानते हो अपने बड़े भैया दिन में अठारह घंटे काम करते हैं और कहीं भी थके हुए दिखाई नहीं देते। कितनी ऊर्जा, कितनी शक्ति। सचमुच आश्चर्य होता है पचहत्तर वर्ष की उम्र में भी जो सक्रियता है, उसे देखकर। भक्त चरणामृत दास बोले जा रहा था। मैं ने कहा फिर सोते कितना समय हैं? दास बोला बचे छह घंटे सोते हैं।वो भी कहां सोते होंगे? दिन में दस बार कपड़े बदलने, हुलिया ठीक करने में दो घंटे तो निकल जाते होंगे। एक घंटा यातायात में निकल जाता होगा। बचे तीन घंटों में एक घंटा तीनों जून का खाना खाने में जाता होगा। मतलब सिर्फ दो घंटे सोकर देश के भार को शेषनाग सा सम्हाले हुए हैं बड़े भाई। इतना डिटेल तो मैं सोच नहीं पाया भाई जी। सचमुच आपका कैल्क्युलेशन तो ग़ज़ब का है। सारी गोटियां, स्वचालित मोहरे शतरंज पर सजा के वे कहीं से भी रिमोट की सहायता से खेल खेल कर जीतने का रियाज करते रहते हैं। मोहरे, शतरंज मैं समझा नहीं। समूचे राष्ट्र की व्यवस्था एक शतरंज है। इसमें चुनाव आयोग से लेकर उच्च न्यायालय तक, उधर सीबीआई, ईडी, आयकर से लेकर वित्त, विदेश, गृह मंत्रालय सारे कठपुतलियों सी नाचती हैं जब रिमोट चलता है। सारा कुछ एआई से मैनेज किया जाता है। इसमें दिमागी थकान, दिल पर बोझ या शरीर की मेहनत कहां लगती है? पूरे देश को सम्हालना मेहनत मशक्कत का काम नहीं है क्या? देश के राज्यों में भी छोटे छोटे मुख्यमंत्री हैं न? वे भी तो काम करते हैं तो पूरा बोझ इनके कांधे पर कहां पड़ता होगा? आप तो हमेशा एंटी यानी विरोध करते हो! इतने सारे काम, बिना आराम करना बच्चों का खेल नहीं भाई साहब।अगर काम का मतलब विदेश की यात्राएं, फिल्में देखना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होना और लगातार बोलते रहना हो तो कौन प्रतिदिन अठारह घंटे काम नहीं कर सकता? बोलो! बताया न। आप नहीं मानोगे! फिल्में भी कैसी देखते हैं पता भी है आपको? हां! पता क्यों नहीं। दिल्ली फाइल्ज़, कश्मीर फाइल्स, केरला फाइल्स, साबरमती फाइल्स मतलब वे फाइल्स देखते हैं जिनका वे समर्थन करते हैं और जो उनके खासमखास ने बनाई होती हैं।

चमत्कारी हनुमान मंदिर: अंबिकापुर के लमगांव में बढ़ती मूर्ति के साथ आश्चर्यजनक कहानी

रायपुर: अंबिकापुर के लुंड्रा विकासखंड के लमगांव में अद्भुत चमत्कारी हनुमान मंदिर है। ग्रामीण बताते हैं कि यहां स्थापित बजरंगबली की प्रतिमा अपने आप बढ़ती जा रही है। इस अद्भुत चमत्कार के चर्चे दूर-दूर तक पहुंच रहे हैं। इस वजह से लोग लमगांव में हनुमान जी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में हर शनिवार और मंगलवार को काफी भीड़ होती है, लोगों का मानना है की यहां सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है, साथ ही हर शनिवार को भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

80 वर्ष पहले यहां एक पेड़ के नीचे लगभग एक फीट से छोटी बजरंगबली की प्रतिमा दिखी थी। तभी से इस पेड़ के नीचे बजरंगबली की पूजा-अर्चना की जाने लगी। बाद में लोगों ने इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1995 में कराया था। पेड़ तो सूख गया, लेकिन बजरंगबली आज भी उसी स्थान पर विराजमान हैं। सबसे ख़ास बात यह की यहाँ वर्ष 2002 से 24 घंटे रामचरित मानस का पाठ किया जा रहा है। साथ ही अखंड दीप प्रज्वलित है।

बजरंगबली की अद्भुत महिमा तब लोगों को अचरज में डाल देती है जब उन्हें पता चलता है की एक फीट छोटी मूर्ति इतने वर्षों में बढ़ कर साढ़े तीन फीट से भी अधिक ऊंची हो चुकी है। बजरंगबली की मूर्ति की लंबाई लगातार बढ़ रही है।

हनुमान मंदिर, लमगांव से जुड़ी रोचक कहानी

लमगांव स्थित स्वयं प्रकट हनुमान जी की मूर्ति से जुड़ी कहानी बहुत ही दिलचस्प है, ऐसा माना जाता है की बाबा त्रिवेणी नाम के एक व्यक्ति थे जिनके सपने में हनुमान जी ने दर्शन दिए और कहा की वे एक पेड़ में फसें हुए उन्हें बाहर निकालें, ऐसा सपना उनको कई बार उसके बाद बाबा त्रिवेणी जी उस पेड़ के पास गए और उस पेड़ को काटकर देखा तो दंग रह गए, सच में वहाँ हनुमान जी की मूर्ति थी।

ऐसे पहुंच सकते हैं हनुमान मंदिर

अगर आप भी लमगांव के बजरंगबली के दर्शन करना चाहते हैं तो रायगढ़-अंबिकापुर मार्ग पर अंबिकापुर से 17 किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर मंदिर का पहला द्वार आपको दिख जाएगा। इस द्वार से आगे बढ़ने पर लगभग दो किलोमीटर अंदर जाने के बाद इस हनुमान मंदिर में पहुंचा जा सकता है।

किराए के मकान में रहते हुए न करें ये भूल, अपना घर बनने में हो सकती है देरी

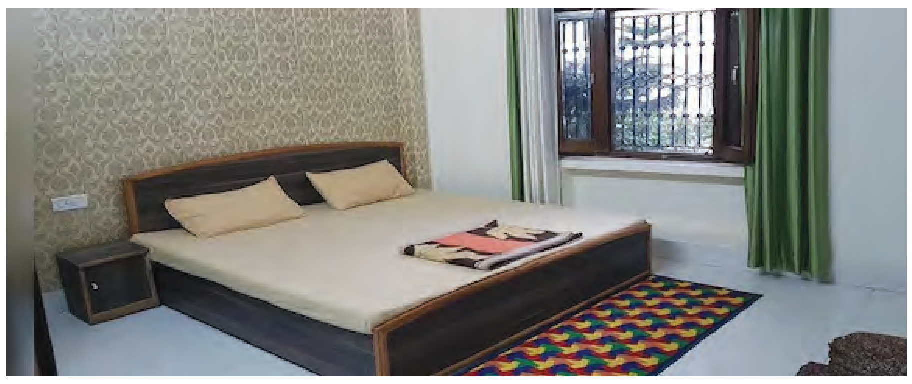

कई बार किराए के मकान में रहते हुए कुछ ऐसी वास्तु से जुड़ी भूल लोग कर बैठते हैं जिसके कारण उनका अपना घर बनने में देरी होने लगती है और अनेकों बाधाएं पैदा होती जाती हैं।

अक्सर ऐसा होता है कि जो लोग किराए के घर में रहते हैं वह वास्तु नियमों का पालन नहीं करते हैं क्योंकि वह उनका अपना घर नहीं होता है। वहीं, कुछ लोग जाने-अनजाने किराये के घर में रहते हुए ऐसी गलतियां कर बैठते हैं कि वास्तु दोष उत्पन्न होने लगता है और जिसका प्रभाव पड़ता है आपके अपने घर को बनाने के सपने पर। सरल शब्दों में कहें तो कई बार किराए के मकान में रहते हुए कुछ ऐसी वास्तु से जुड़ी भूल लोग कर बैठते हैं जिसके कारण उनका अपना घर बनने में देरी होने लगती है और अनेकों बाधाएं पैदा होती जाती हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि वास्तु अनुसार कौन सी बातों का किराए के मकान में ध्यान रखना चाहिए।

किराए के मकान के लिए वास्तु टिप्स

सबसे पहले किराये के मकान में रहने वाले लोगों के लिए यह समझना जरूरी है कि अगर आप जिस घर में रह रहे हैं वहां आपके साथ घर का मालिक या मालकिन भी रहते हैं तो ऐसे में वास्तु दोष सिर्फ आपकी गलती के कारण ही नहीं बल्कि घर के ओनर के कारण भी पैदा हो सकता है जिससे नुकसान आपका और घर के मालिक/मालकिन दोनों का हो सकता है।

वहीं, अगर आप किराये के मकान में अकेले रहते हैं तो ऐसे में वास्तु से जुड़ी बातों का ध्यान रखना आपकी जिम्मेदारी है क्योंकि वह घर भले ही किसी और का हो लेकिन उसमें रखी वस्तुओं का इस्तेमाल आप कर रहे हैं। किराए के घर में कभी भी लकड़ी के दरवाजे नहीं होने चाहिए। हमेशा स्टील धातु से बना दरवाजा लगवाना चाहिए नहीं तो इससे घर की बरकत रुकती है।

असल में लकड़ी खराब हो जाए या घुन लग जाए उसमें तो ऐसी लकड़ी के दरवाजे नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश देते हैं और सकारात्मकता को रोक लेते हैं। ऐसे में स्टील के दरवाजे लगाना शुभ माना गया है। वहीं, किराए के मकान को बुरी शक्तियां जल्दी प्रभावित करती हैं। ऐसे में रोजानाशामा के समय कपूर या लोबान जलाकर उसका धुआं घर के हर एक भाग में करें।

जहां एक ओर टूटा-फूटा सामान अपने घर में भी रखना अशुभ माना गया है वहीं, किराए के घर में बेकार टूटा हुआ सामान रखना और भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। किराये के घर में टपकते हुए नल को तुरंत ठीक कराना चाहिए नहीं तो इससे धन हानि होने लगती है। किराए के घर के मुख्य द्वार को खाली न छोड़ें। कोई शुभ चिन्ह जरूर बनाना चाहिए।

अगर हमारी स्टोरीज से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो वो आप हमें कमेंट बॉक्स में बता सकते हैं और अपना फीडबैक भी शेयर कर सकते हैं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़ी रहें हरजिंदगी से।

दिल्ली में बसा है मिनी केरल !

तमिल शैली से होती है हनुमान जी की पूजा

देश की राजधानी दिल्ली में घूमने-फिरने के लिए एक से बढ़कर एक जगह हैं। जहां लोग दोस्तों के अलावा परिवारवालों के साथ घूम सकते हैं। घूमने-फिरने के अलावा दिल्ली में अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित अनगिनत मंदिर भी हैं। दिल्ली में आपको साउथ इंडियन तर्ज पर बने मंदिर से लेकर जामा मस्जिद और बंगला साहिब गुरुद्वारा आदि देखने को मिल जाएंगे।

आज हम आपको दिल्ली में स्थित एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी वास्तुकला तमिल शैली को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। ये मंदिर इतना भव्य है कि रोजाना यहां बड़ी संख्या में भक्तजन दर्शन करने के लिए आते हैं। चलिए जानते हैं संकट मोचन हनुमान मंदिर से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में।

संकट मोचन मंदिर खुलने का समय

मंदिर में मुख्य रूप से हनुमान जी की उपासना होती है। हनुमान जी के अलावा यहां पर राधा-कृष्ण जी और शिव की भी तमिल शैली में पूजा होती है। मंदिर में रोजाना शाम 6 बजकर 30 मिनट पर आरती की जाती है। हनुमान मंदिर रोजाना सुबह 6:30 बजे से लेकर दोपहर 11:30 बजे तक और शाम 5:00 बजे से लेकर रात 8:00 बजे तक खुलता है।

सबसे नजदीक मेट्रो स्टेशन कौन-सा है ?

संकट मोचन हनुमान मंदिर के सबसे नजदीक एयरोसिटी मेट्रो स्टेशन है। मेट्रो स्टेशन से मंदिर तक आप पैदल आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके अलावा अपने वाहन से भी आप मंदिर तक पहुंच आ सकते हैं। मंदिर के बाहर पार्किंग की भी व्यवस्था है।

चकला-बेलन से जुड़ी ये गलतियां, आपके जीवन की खुशियों को कर सकती हैं बर्बाद

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोईघर में चकला-बेलन का सही इस्तेमाल घर में बरकत को बढ़ाता हैं। वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाएं चकला-बेलन के साथ ऐसी गलतियां भी करती हैं जिससे घर में अशांति और धनहानि बढ़ने लगती है।आज जानेंगे चकला बेलन का सही इस्तेमाल और इसे लेकर कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए। तो आईए जानते हैं-

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रोटी बनाते समय जब चकले से आवाज आती है तो ये वास्तु दोष उत्पन्न करता है। मान्यता है चकले की आवाज घर में धन हानि का कारण बन सकती है। तो अगर आपके चकले से रोटी बनाते समय आवाज आए तो उसे जल्द ही बदल कर दूसरे नए चकले का उपयोग करें। इसके अलावा आप अपने चकले के नीचे कपड़ा या पेपर भी रख सकते हैं, इससे वास्तु दोष नहीं लगता।

वास्तु के मुताबिक रात में सोने से पहले चकला-बेलन अच्छी तरह से धोकर रखना चाहिए। अक्सर कुछ लोग एक या दो दिन छोड़कर इसे साफ करते हैं। ध्यान रखें कि ऐसा कभी नहीं करना चाहिए। नहीं तो आपके परिवार के लोगों की सेहत पर इसका असर पड़ता है और अधिक से अधिक धन बिमारियों पर खर्च होता है। साथ ही साथ ये घर में वास्तुदोष भी पैदा करता हैं।

बताते चलें, कई घरों में महिलाएं ऐसा चकला इस्तेमाल करती हैं जिसके पैर टूट चुके होते हैं या फिर दो ही पैर होते हैं। बता दें, ऐसे चकले का प्रयोग आपको मंहगा पड़ सकता है। अगर आपके घर में ऐसा चकला है तो जल्द ही इसे बदले लें।

वास्तु शास्त्र की मानें तो चकला-बेलन कभी भी चकले को उल्टा करके नहीं रखना चाहिए अन्यथा यह घर में वास्तु दोष बढ़ाता है। इसके अलावा कभी भी इसे बर्तनों के बीच में या फिर आटे-चावल रखने वाले डिब्बों या ड्रमों के ऊपर भी नहीं रखना चाहिए, इससे धन हानि होती है। साथ ही परिवार में मतभेद भी बढ़ते हैं। वहीं कुछ लोग रोटी बनाने के बाद इसे अनाज या आटे के डब्बे के ऊपर रख देते हैं। बता दें, चकला-बेलन आटे के डब्बे रखना जीवन में दरिद्रता का कारण बन सकता है, ऐसे में ये गलती भूलकर भी न करें।

शायद ही कोई जानता होगा कि तकला-बेलन को खरीदते समय भी शुभ मुहूर्त देखा जाता है। चकला बेलन खरीदने के लिए बुधवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है। तो वहीं मंगलवार और शनिवार के दिन चकला-बेलन नहीं खरीदना चाहिए।

गोरे और काले में फर्क करने वाले पढ़ें राजा राममोहन को

महान समाज सुधारक राजा राममोहन राय रंगभेद के सख्त खिलाफ थे। उनके अनेक अनुयायियों में से एक नवयुवक नंदकिशोर बसु को विवाह के लिए एक गोरी लड़की को दिखाया गया, पर धोखे से उनकी शादी एक सांवली लड़की से कर दी गई। नंदकिशोर बसु अपने साथ हुए इस धोखे के कारण परेशान और क्रोधित थे और अपने ससुर को सबक सिखाने के लिए दूसरा विवाह करना चाहते थे।

जब उन्होंने राममोहन राय से इस विषय पर सलाह मांगी तो उन्होंने पूछा कि सांवली होने के अलावा क्या तुम्हारी पत्नी में कोई और दोष है? नंदकिशोर ने जवाब दिया- नहीं, वह बहुत सुशील है और मेरा पूरा ध्यान रखती है, पर मैं अपने साथ हुए छल को भुला नहीं पा रहा और उसके पिता से बदला लेना चाहता हूं। राममोहन राय ने कहा- पिता द्वारा किए गए अपराध के लिए बेटी को सजा देना उचित नहीं है। फिर व्यक्ति का मूल्यांकन उसके रंग-रूप के आधार पर नहीं, बल्कि गुणों के आधार पर किया जाना चाहिए।

प्रकृति ने मनुष्य को दो ही रंग दिए हैं- गोरा और काला। अपने रंग के लिए कोई स्वयं जिम्मेदार नहीं होता। तुम्हारी पत्नी तन से सुंदर न सही पर मन से तो सुंदर है। मन की सुंदरता तन की सुंदरता से कहीं बड़ी होती है। तुम उसे छोड़ने और दूसरा विवाह करने का विचार त्याग दो और अपना जीवन इसी स्त्री के साथ खुशी-खुशी बिताओ। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि अपने इस निर्णय पर तुम्हें जीवन में कभी पछताना नहीं पड़ेगा। नंदकिशोर बसु की आंखें खुल गई। राममोहन राय की बात सच निकली। बसु का वैवाहिक जीवन बेहद सुखमय बीता।

बसंत पंचमी और होली के बीच फुलेरा दूज आज

सनातन धर्म में फुलेरा दूज बहुत ही खास पर्व माना जाता है और इस दिन से लोग होली की तैयारियों में जुट जाते हैं। फुलेरा दूज का त्योहार 1 मार्च को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, फुलेरा दूज हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई जाती है। भारत के कुछ हिस्सों में फुलेरा दूज को बेहद हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस पर्व की रौनक मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा, ब्रज और वृंदावन आदि स्थानों पर देखने को मिलती है। हालांकि, बसंत पंचमी और होली के बीच फुलेरा दूज का त्योहार आता है। इस दिन श्री राधा और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है।

फुलेरा दौज शुभ मुहूर्त

हिंदू वर्ष के दौरान फुलेरा दूज साल के अंतिम माह फाल्गुन में मनाई जाती है। 1 मार्च यानी कल फुलेरा दूज का त्योहार मनाया जाएगा। फुलेरा दूज की तिथि 1 मार्च यानी कल अर्धरात्रि में 3 बजकर 16 मिनट से शुरू होगी और तिथि का समापन 2 फरवरी को रात 12 बजकर 09 मिनट पर होगा।

शुभ योग में मनाई जाएगी फुलेरा

फुलेरा दूज इस बार बहुत ही खास मानी जा रही है क्योंकि इस दिन त्रिपुष्कर योग का निर्माण होने जा रहा है जिसका मुहूर्त कल सुबह 6 बजकर 46 मिनट से शुरू होगा और सुबह 11 बजकर 22 मिनट तक रहेगा।

फुलेरा दूज है अबूझ मुहूर्त

फुलेरा दूज के दिन अबूझ मुहूर्त होता है इसलिए यह तिथि शादी-विवाह के लिए श्रेष्ठ होती है।

इस दिन बड़ी संख्या में शादी-विवाह संपन्न किए जाते हैं। पूरे माह में फुलेरा दूज एक ऐसा दिन होता है जब इस दिन का हर पल, हर क्षण बहुत ही शुभ होता है इसलिए इस दिन बिना मुहूर्त देखे शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य किया जा सकते हैं। इसके अलावा, यह तिथि विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना आदि कार्य करने के लिए भी सर्वश्रेठ हैं।

फुलेरा दूज पूजन

फुलेरा दूज पर भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन लड्डू गोपाल का स्नान गंगाजल या किसी पवित्र नदी के जल से करना चाहिए। इसके पश्चात, श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को पीतांबर अर्थात पीले रंग के वस्त्र अर्पित करें। साथ ही, प्रसाद के रूप में माखन-मिश्री का भोग लगाएं। इस दिन श्रीकृष्ण और राधा जी की मूर्ति के साथ आप फूलों से होली खेलें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको राधा रानी और कृष्ण जी के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है।

फुलेरा दूज पर करें

मनचाहा व्यक्ति के साथ विवाह के लिए

जो लोग किसी से प्रेम करते हैं या फिर किसी को पसंद करते हैं और उसके साथ विवाह करना चाहते हैं, वह फुलेरा दूज पर राधा-कृष्ण की विधिवत पूजा करने के बाद एक साफ कागज पर केसर से अपने साथी का नाम लिखें और इसे राधा-रानी के चरणों में रख दें।

खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए

यदि आपके वैवाहिक जीवन में सब कुछ सही नहीं चल रहा है और अक्सर आप दोनों के बीच बहस या विवाद होता रहता है, तो आप दोनों को फुलेरा दूज पर भगवान कृष्ण और राधा रानी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और माखन-मिश्री का भोग अवश्य लगाएं।

मां बनने वाली हैं एक्ट्रेस कियारा आडवाणी सिद्धार्थ मल्होत्रा संग पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी नई जर्नी की शुरुआत करने वाले हैं। ये कपल जल्द माता-पिता बनने वाला है और इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए फैंस को दी है। एक्ट्रेस ने अपने पति अभिनेता सिद्धार्थ संग मिलकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें एक के ऊपर एक दोनों के हाथ दिखाई दे रहे हैं और अपने हाथ पर उन्होंने छोटी जुराबें रखी हुई है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कपल ने कैप्शन में लिखा है कि हमारी जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा जल्द आ रहा है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि वह कब अपने पहले बच्चे का दुनिया में स्वागत करने वाले हैं, लेकिन फैंस ये खबर सुनकर काफी खुश हो गए हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं।

जैसे ही कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने यह खबर शेयर की। सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। सितारों से लेकर उनके फैंस तक ने पोस्ट पर कमेंट किए। शिल्पा शेट्टी ने लिखा, 'बधाई हो'। रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, 'ओमजी, बधाई हो। आपके लिए बहुत खुश हूं'। इनके अलावा ईशान खट्टर, अथिया शेट्टी, राशि खन्ना और शिबानी अख्तर समेत कई स्टार्स ने कमेंट करते हुए कपल को बधाई दी।

शादी को पूरे हुए दो साल

बता दें कि कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 7 फरवरी, 2023 को राजस्थान में रॉयल वेडिंग की थी। उनकी शादी को अब दो साल पूरे हो गए हैं। दोनों ने शादी से पहले एक-दूसरे को लगभग 2-3 साल तक डेट भी किया था।

प्रियंका कभी अपनी जिंदगी में निगेटिविटी को जगह नहीं देती : मां मधु चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा की मां, मधु चोपड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि प्रियंका अपनी जिंदगी में निगेटिविटी को जगह नहीं देती हैं। वह इस मामले में अपने दिवंगत पिता, अशोक चोपड़ा की तरह हैं। मधु चोपड़ा के अनुसार, प्रियंका ने अब तक केवल एक व्यक्ति से नाता पूरी तरह से तोड़ा है, और वह व्यक्ति इसका हकदार था।

गलत रिश्तों को लेकर मधु चोपड़ा की चिंता

एक इंटरव्यू में मधु चोपड़ा ने कहा कि वह कभी भी प्रियंका के डेटिंग चॉइस से संतुष्ट नहीं थीं और हमेशा उन्हें बेहतर चुनाव करने की सलाह देती थीं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रियंका अपने निजी जीवन के बारे में अपने पिता से ज्यादा खुलकर बात करती थीं।

प्रियंका को निगेटिविटी से नफरत है

जब मधु चोपड़ा से पूछा गया कि प्रियंका निगेटिव परिस्थितियों को पॉजिविटी में कैसे बदलती हैं, तो उन्होंने कहा, "यह गुण उन्हें अपने पिता से मिला है। वह कभी भी निगेटिविटी को बढ़ावा नहीं देते थे। उन्हें संगीत में सुकून मिलता था। प्रियंका भी जब किसी परेशानी में होती हैं, तो अपने कमरे में जाकर कुछ करती है और पूरी तरह बदली हुई बाहर आती है। इस दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो आपको पसंद नहीं करेंगे, लेकिन आपको ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए।"

प्रियंका का 'कट, कट, कट' रवैया

मधु चोपड़ा ने बताया कि प्रियंका आमतौर पर हर परिस्थिति को संभाल सकती हैं, लेकिन जब कोई रिश्ता पूरी तरह से बिगड़ जाता है और उसे सुधारना असंभव हो जाता है, तो वह उस व्यक्ति को पूरी तरह से अपनी जिंदगी से हटा देती हैं। उन्होंने कहा, "अब तक ऐसा केवल एक बार हुआ है, जब रिश्ता पूरी तरह से टूट गया था, और वह व्यक्ति इसके लायक था। लेकिन इसके अलावा, मैंने उसे ऐसा करते हुए नहीं देखा है।"

प्रियंका की लव लाइफ और उनकी मां की राय

मधु चोपड़ा से पूछा गया कि जब प्रियंका किसी बुरे रिश्ते में थीं, तो उन्होंने एक मां के रूप में कैसे साथ दिया। इस पर उन्होंने जवाब दिया, "हर रिश्ता या तो अच्छा होता है या बुरा लेकिन उसने कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि वह तकलीफ में है। वह 24/7 काम में व्यस्त रहती थी। अगर उसके पिता आसपास होते, तो शायद वह उनसे बात करती, लेकिन वह मुझसे ये बातें ज्यादा शेयर नहीं करती थी।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने प्रियंका को कभी 'गलत व्यक्ति' को डेट करने पर सलाह दी थी, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, "कई बार। जैसे मेरे पिता मुझसे कहते थे, वैसे ही मुझे भी कोई प्रियंका के लिए उपयुक्त नहीं लगता था।"

प्रियंका ने खुद किया था खुलासा

कुछ साल पहले प्रियंका ने खुलासा किया था कि वह अक्सर रिलेशनशिप में खुद को 'डोरमैट' बना लेती थीं और आमतौर पर अपने को-स्टार्स को डेट करती थीं। उन्होंने कहा था, "मैं एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते में चली जाती थी, बिना खुद को समय दिए। मैंने हमेशा अपने रिलेशनशिप को एक तय ढांचे में ढालने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार मैंने यह समझा कि मुझे खुद को समय देने की जरूरत है।"

जन्नत-फैजू के रिश्ते पर फराह ने दी बड़ी हिंट बोलीं- 'करा के रहूंगी तेरी शादी, जन्नत की.'

फैजल शेख उर्फ मिस्टर फैजू इस समय मास्टरशेफ शो में नजर आ रहे हैं। मिस्टर फैजू के बारे में अफवाह है कि वह अभिनेत्री जन्नत जुबैर को डेट कर रहे हैं। इसी को लेकर फराह खान ने इशारे में फैजू की शादी जन्नत जुबैर से कराने की बात की तो मिस्टर फैजू शरमा गए। जानिए क्या है पूरी खबर..

जन्नत की सैर कराऊंगी

मास्टरशेफ शो के दौरान फराह खान ने फैजल शेख के बढ़िया खाना बनाने की तारीफ करते हुए कहा कि अब उनकी मां उनसे व्यंजनों के बारे में पूछेंगी। इसपर फैजू ने मजाक में कहा कि शो के बाद उनकी शादी जरूर हो जाएगी। फिर मजाकिया अंदाज में ही फराह खान ने कहा कि वह फैजू की शादी जरूर करवाकर रहेंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि तुम्हें जन्नत की सैर कराऊंगी। इस बात पर मिस्टर फैजू शरमा गए।

अफवाहों में रही है इनकी जोड़ी

अक्सर जन्नत जुबैर और मिस्टर फैजू की डेटिंग की अफवाहें उड़ती रहती हैं। हालांकि, यूट्यूबर फैजल शेख ने ईटाइम्स से इंटरव्यू के दौरान सिर्फ अच्छे दोस्त होने की पुष्टि की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि हमने कई प्रोजेक्ट पर साथ काम किया है और आगे भी करते रहेंगे। इसके बारे में आगे बातचीत करते हुए उन्होंने कहा था कि ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री और ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री बिल्कुल अलग है, वह अभी भी सिंगल हैं।

फैजल शेख उर्फ मिस्टर फैजू इन दिनों मास्टरशेफ में नजर आ रहे हैं। मिस्टर फैजू 'इनसाइडर विथ फैजू' नामक एक टॉक शो चलाते हैं, जिसमें सेट के रहस्यों, लोगों के अनुभवों और अनसुनी कहानियों पर आधारित है। मिस्टर फैजू एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं।

डकैत में हुई अनुराग कश्यप व मृणाल ठाकुर की एंट्री इंस्पेक्टर स्वामी के रोल में आएंगे नजर

अदिवी शेष की आगामी फिल्म डकैत में मृणाल ठाकुर की एंट्री के बाद अब अनुराग कश्यप की एंट्री के साथ ही उनके किरदार से भी पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका नाम स्वामी है।

डकैत में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

फिल्म निर्माताओं ने फिल्म से एक और नए किरदार का पहला लुक जारी किया है, जिसे बॉलीवुड फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप निभाएंगे। इस फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर स्वामी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इंस्पेक्टर स्वामी का पहला लुक शेयर करते हुए निर्माताओं ने पोस्ट को कैप्शन दिया, दीक्षा लो उन्ना पुलिस नन्नु पत्तुकुंटाडु अता.. नन्नु पत्तुकोवलांटे आ देवुडे डिजी रावली इमो.. डकैत में अद्भुत अनुराग कश्यप सर को लेकर बेहद खुश हूं।

अनुराग की पहली तेलुगु फिल्म है डकैत

फिल्म डकैत से अनुराग कश्यप तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। निर्देशक से अभिनेता बने अनुराग कश्यप इससे पहले तमिल फिल्मों में काम कर चुके हैं। इससे पहले, डकैत के कलाकारों में बड़ा बदलाव तब हुआ था, जब किन्हीं वजहों से श्रुति हासन ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया था और श्रुति की जगह फिर मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया।

फिल्म का पहला पोस्टर

17 दिसंबर, 2024 को डकैत के निर्माताओं ने अदिवी के जन्मदिन के साथ ही मृणाल ठाकुर का पहला लुक जारी किया था। इस पोस्टर में मृणाल के माथे पर चोट लगी है और वह एक कार में बैठी नजर आ रही हैं और उनके हाथ में बंदूक दिखाई दे रही है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, हमारे डकैत अदिवी शेष को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके खास दिन पर, हम उनसे मिलवाते हैं जिसने उन्हें धोखा दिया। उनका प्यार। उनका दुश्मन। मृणाल ठाकुर का फिल्म में स्वागत है।

कंगना ने जावेद अख्तर से मानहानि केस में माफी मांगी : कोर्ट में सुलह एक्ट्रेस ने कहा- मेरी वजह से जो परेशानी हुई, उसका मुझे खेद

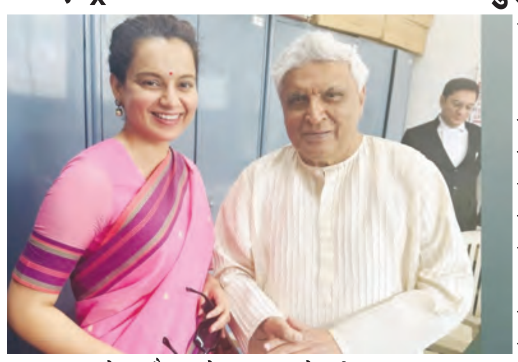

कंगना रनोट और जावेद अख्तर के बीच पिछले 5 साल से चल रहा मानहानि का केस शुक्रवार को खत्म हो गया। एक्ट्रेस ने मुंबई के बांद्रा कोर्ट में दाखिल अपने बयान में कहा, 'मेरी वजह से उन्हें (जावेद) जो असुविधा हुई, उसके लिए मैं माफी मांगती हूं।'जावेद ने एक्ट्रेस के खिलाफ 2020 में मानहानि का केस किया था। दरअसल, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'जावेद ने फिल्म कृष 3 के दौरान उनसे राकेश रोशन और उनके परिवार से समझौता करने की बात कही थी।' उस दौरान कंगना और रितिक के अफेयर को लेकर विवाद चल रहा था। कंगना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। कंगना ने लिखा, 'आज मैंने और जावेद जी ने मानहानि केस में सुलह कर ली है। जावेद जी बहुत अच्छे हैं और उन्होंने मेरी बतौर डायरेक्टर अगली फिल्म के लिए गाने लिखने के लिए भी हां कर दी है।'

कंगना ने कहा- वह आगे ऐसा बयान नहीं देंगी

बांद्रा के कोर्ट में एक घंटा सुनवाई चली। इस दौरान दोनों कोर्ट में मौजूद थे। रनोट के वकील रिजवान सिद्धीकी और अख्तर के वकील जय कुमार भारद्वाज ने दलीलें रखीं। सुलह एक मीडिएटर की वजह से हुई। रनोट ने कहा, 'उस समय बयान एक गलतफहमी के कारण दिया था। इसे मैं वापस लेती हूं।'

सिद्धीकी ने कहा, 'हम काफी समय से मध्यस्थता की तलाश कर रहे थे। हमने ड्राफ्ट भी एक-दूसरे से साझा किए थे। आखिरकार, हमने मामला सुलझा लिया। कोई समस्या नहीं थी, बस शब्दों को तय किया जाना था, जो आज किया गया। हमने ड्राफ्ट तैयार किया, उस पर हस्ताक्षर किए और दोनों मामले आज वापस ले लिए गए।'

क्या है पूरा मामला?

2020: कंगना रनोट ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में महेश भट्ट, करण जौहर और जावेद अख्तर को सुसाइड गैंग कहा था। कुछ समय बाद कंगना ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में जावेद अख्तर के लिए कहा था कि जब उनका और ऋतिक रोशन का विवाद हुआ था तो जावेद ने उन्हें घर बुलाकर धमकाया था।

उन्होंने कहा, 'जावेद ने मुझसे कहा कि राकेश रोशन और उनका परिवार बहुत पावरफुल है। अगर तुम उनसे माफी नहीं मांगती हो तो तुम्हारे पास बचने के लिए कोई जगह नहीं होगी। वो तुम्हें जेल में डाल देंगे और तुम्हारे पास सुसाइड करने के अलावा और कोई चारा नहीं बचेगा। वो ये बात कहते हुए काफी तेज चिल्ला रहे थे और मैं डर के मारे कांप रही थी।'

'छावा' से पहले इन फिल्मों में नजर आए विक्की कौशल, निभाए दमदार किरदार; मिला फैंस का प्यार

विक्की कौशल अपनी फिल्मों में शानदार और यादगार अदाकारी करते हैं। इतना ही नहीं उनके कुछ किरदार तो फैंस को आज भी बड़ी दिलचस्पी के साथ याद करते हैं। आइए आपको बताते हैं विक्की कौशल के ऐसे ही चर्चित किरदार।

छावा

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल अपनी 'छावा' के कारण इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। विक्की को उनके फैंस से बहुत सारी तारीफ भी मिल रही है। 'छावा' फिल्म देखने के बाद तो वाकई लगता है कि विक्की ने किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं उतारा है बल्कि उसे जिया भी है। विक्की कौशल के ऐसे ही कुछ अन्य किरदार भी हैं, जिनके कारण वे आज भी चर्चा में रहते हैं।

सरदार उधम सिंह

विक्की कौशल की क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी उधम सिंह का दमदार अभिनय किया है। उनके सूक्ष्म अभिनय ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए न्याय की मांग करने वाले व्यक्ति का किरदार निभाया था। विक्की के इस किरदार ने फैंस पर गहरी छाप छोड़ी थी।

मसान

मसान में दीपक चौधरी के किरदार के कारण विक्की कौशल को बहुत प्यार मिला। फिल्म वाराणसी शहर में फिल्माई गई। उनके प्रदर्शन को फैंस ने बहुत प्यार दिया था। फिल्म में दीपक के किरदार को फैंस आज भी बहुत पसंद करते हैं।

राजी

राजी के इकबाल सैयद के किरदार को तो हर कोई पसंद करता है। विक्की कौशल इस फिल्म में पाकिस्तान के सेना अधिकारी बने। साल 2018 में आई इस फिल्म में शानदार अभिनय के कारण फैंस उन्हें बहुत पसंद करते हैं।

सैम बहादुर

साल 2023 में आई फिल्म 'सैम बहादुर' में सैम मानेकशॉ बने विक्की कौशल को फैंस बहुत पसंद करते हैं। विक्की कौशल ने इस फिल्म में फील्ड मार्शल का शानदार किरदार निभाया था। विक्की के चर्चित किरदारों में इस फिल्म और किरदार की भी चर्चा होती है।

रमन राघव 2.0

रमन राघव 2.0 में विक्की कौशल ने राघवन का किरदार निभाया था। फिल्म में उन्होंने एक सीरियल किलर की मानसिकता को अपने अभिनय के जरिए दिखाया था। विक्की के इस किरदार को भी फैंस बहुत पसंद करते हैं।

परिणीति चोपड़ा ने शुरू की शूटिंग, लिखा- 'चलो शूटिंग पे...'

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अब जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। अनटाइटल्ड थ्रिलर-ड्रामा वेब सीरीज की शूटिंग को लेकर परिणीति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक अपडेट शेयर किया है। इस जानकारी से मिलने पर प्रशंसकों के बीच वेब सीरीज को लेकर उत्साह और अधिक बढ़ गया है।

परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी पर सुबह शूटिंग के लिए सेट पर जाते हुए खास वीडियो शेयर किया है। शूटिंग लोकेशन का जिक्र किए बिना परिणीति ने कैप्शन में लिखा, चलो शूटिंग पर डे 7 जिससे पता चलता है कि शूटिंग शुरू हुए एक हफ्ता हो चुका है और शूटिंग का सातवां दिन है।

25 फरवरी को, नेटफ्लिक्स इंडिया ने आधिकारिक तौर पर इस वेब सीरीज की घोषणा की थी। इस सीरीज में परिणीति चोपड़ा के अलावा कई स्टार्स के नाम का खुलासा किया गया। इस सीरीज में परिणीति के अलावा सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी और ताहिर राज भसीन नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स ने सभी स्टार्स की खास तस्वीरों के साथ वेब सीरीज की जानकारी शेयर की। रेंसिल डिसिल्वा द्वारा निर्देशित और लिखित, यह नेटफ्लिक्स ड्रामा-थ्रिलर सीरीज कई ट्विस्ट और टर्न से भरी होगी। फिल्म को सिद्धार्थ पी मल्होत्रा और सपना मल्होत्रा निर्मित करेंगे। सीरीज की शूटिंग शूरू हो चुकी है, जिससे परिणीति चोपड़ा के प्रशंसक बेहद खुश हैं।

परिणीति चोपड़ा को आखिरी बार निर्देशक इम्तियाज अली की बायोग्राफिकल फिल्म अमर सिंह चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में परिणीति और दिलजीत के काम की जमकर तारीफ हुई थी। काम की बात करें तो परिणीति ने कथित तौर पर एक और प्रोजेक्ट साइन किया है, जो ध्रुव त्रिपाठी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इस प्रोजेक्ट के बारे में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

'पुष्पा 2' के 'पीलिंग्स' गाने को मिली बड़ी उपलब्धि

अल्लू अर्जुन को भी मिला सम्मान

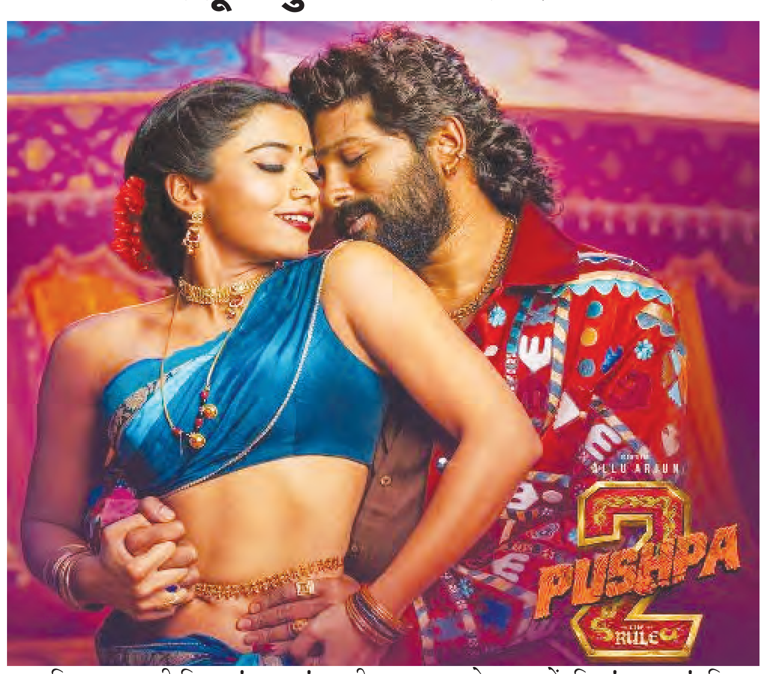

दक्षिण भारत की फिल्म 'पुष्पा 2' काफी मशहूर हुई है। इस फिल्म को विदेशों में भी खूब पसंद किया गया। फिल्म के गाने भी काफी हिट रहे। फिल्म का गाना 'पीलिंग' बहुत मशहूर हुआ। एनबीए के ह्यूस्टन रॉकेट्स बनाम मिल्वौकी बक्स के हाफ-टाइम में प्रदर्शित किया गया।

डांसर्स ने पहनी बेहतरीन ड्रेस

हाफ टाइम में इस गाने पर एक ग्रुप ने डांस किया। जिन लोगों ने गाने पर डांस किया उन्होंने नीली और गोल्डन ड्रेस पहनी थी। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से फिल्म के स्टार अल्लू अर्जुन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दुनियाभर में फिल्म को पसंद किया गया

आपको बता दें कि 'पुष्पा 2' फिल्म पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी। फिल्म हिट रही थी। रिलीज होने के बाद यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। यहां इस फिल्म को पूरी दुनिया से खूब सारा प्यार मिला।

'पुष्पा 2: द रूल' फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। यह फिल्म 'पुष्पा' का दूसरा पार्ट है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक गरीब आदमी अपनी मेहनत के बल पर अपना कारोबार खड़ा करता है और लोगों को रोजगार देता है। हालांकि इस फिल्म में हीरो जो काम करता है वह गैरकानूनी होता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया का 'रेस्ट फॉर्मूला' रोहित करेंगे आराम, ऋषभ पंत को मिलेगा चांस!

शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में कप्तानी कर सकते हैं

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है. भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से जीत हासिल की थी. फिर उसने पाकिस्तान को भी छह विकेट से हराया. लगातार दो जीत दर्ज करके भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल 4 मार्च को दुबई में खेलेगी. हालांकि उसका मुकाबला किस टीम से होगा, ये 2 मार्च (रविवार) को ही तय हो पाएगा.

2 मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपना आखिरी ग्रुप मुकाबला खेलने जा रही है. सेमीफाइनल से पहले ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए किसी प्रैक्टिस मैच से कम नहीं होगा. इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव भी देखने को मिल सकता है.

शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में कप्तानी कर सकते हैं. जबकि रोहित शर्मा रेस्ट लेने का फैसला कर सकते हैं. रोहित को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते देखा गया था. ऐसे में रोहित सेमीफाइनल से पहले अपनी चोट को और बढ़ाना नहीं चाहेंगे. शुभमन गिल अस्वस्थ होने के चलते बुधवार को प्रैक्टिस के लिए नहीं उतरे थे. हालांकि गुरुवार को शुभमन नेट्स पर लौटे और नेट्स में काफी समय तक बल्लेबाजी की.

अगर रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहते हैं, तो ऋषभ पंत या वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी एक भी मैच खेलने का मौका नहीं था. फिर ऋषभ चैम्पियंस ट्रॉफी में दोनों मुकाबलों से बाहर रहे. ऋषभ ने बुधवार और गुरुवार को नेट पर काफी समय बल्लेबाजी की. दूसरी ओर सुंदर को भी अपनी बारी का इंतजार है.

भारतीय टीम के पास बैकअप ओपनर नहीं है, ऐसे में रोहित शर्मा के बाहर होने पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में शुभमन गिल और केएल राहुल ओपनिंग करते दिख सकते हैं. केएल राहुल ने वनडे इंटरनेशनल में पिछले दो-तीन सालों में मध्य क्रम में ही बैटिंग की है, लेकिन रोहित के बाहर होने की स्थिति में बैटिंग ऑर्डर में बदलाव दिखेगा.

पृथ्वी शॉ पर आरोप लगाने वाली इंफ्लूएंसर को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने कहा – आपके खिलाफ सबूत हैं

पृथ्वी शॉ और सपना गिल का विवाद दो साल पुराना है। भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और इंफ्लुएंसर सपना गिल के मामले में नया मोड़ आया है। बॉम्बे कोर्ट ने सपना गिल को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने गिल की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पृथ्वी शॉ द्वारा लगाए गए केस को रद्द करने की अपील की थी। गिल के खिलाफ मामले में कोर्ट चार्जशीट को रिव्यू करेगा।

हाई कोर्ट ने केस रद्द करने से किया इनकार

कोर्ट ने कहा, 'न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और एस.एम. मोदक ने पाया कि एफआईआर में "स्पष्ट रूप से कुछ अपराध का संकेत मिलता है और आपके खिलाफ कुछ सामग्री है।" न्यायमूर्ति कोतवाल ने गिल के वकील को निचली अदालत में आरोपमुक्ति याचिका दायर करने पर विचार करने की सलाह दी। अदालत ने कहा, "हम इसे रद्द नहीं करेंगे।"

दो साल पुराना है मामला

सपना गिल और पृथ्वी शॉ का मामला दो साल पुराना है। साल 2023 फरवरी में में सपना गिल की मुंबई के एक होटल में पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेने को लेकर बहस हुई। इसके बाद पृथ्वी की गाड़ी पर हमला किया गया। हमले के सिलसिले में कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वे फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। मामले में जमानत मिलने के बाद गिल ने पृथ्वी शॉ और उनके दोस्त आशीष यादव और अन्य के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत लेकर अंधेरी के हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया था।

पृथ्वी शॉ के दोस्त ने सपना के खिलाफ दायर किया था केस

इसके अलावा पृथ्वी शॉ के दोस्त आशीष सुरेंद्र यादव ने गिल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पृथ्वी शॉ के दोस्त ने सपना गिल और उनके साथियों पर उनकी कार का पीछा करने और झूठा केस बनाने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं पृथ्वी शॉ

पृथ्वी शॉ काफी समय से टीम इंडिया से बाहर हैं। यहां तक कि वह अपनी घरेलू टीम मुंबई का भी हिस्सा नहीं है। आईपीएल ऑक्शन में भी किसी टीम ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। हालांकि शॉ अब अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहे हैं। पृथ्वी शॉ इस वक्त डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल रहे हैं, जहां उन्होंने 2 मैचों में 128 रन बना दिए हैं।

10 साल में इन बल्लेबाजों ने वनडे क्रिकेट में किया राज... बाबर की पोजीशन जानकर चौंक जाएंगे

पाकिस्तान की मेजबानी में इस समय आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 खेली जा रही है. मेजबान पाकिस्तानी टीम बगैर कोई मैच जीते ही 5 दिन में टूर्नामेंट से बाहर हो गई है. ऐसे में पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान और पूर्व कप्तान बाबर आजम की जमकर आलोचना हो रही है. जबकि भारतीय टीम और न्यूजीलैंड आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं. यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जा रहा है. इस बार चैम्पियंस ट्रॉफी इंग्लैंड के प्लेयर बेन डकेट की धूम रही, जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 203 रन बनाए हैं. हालांकि इंग्लैंड की टीम बाहर हो गई है.

भारत की ओर से शुरुआती 2 मुकाबलों में शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 147 और उनके बाद विराट कोहली ने 122 रन बनाए हैं. दूसरी ओर फजीहत कराने वाली पाकिस्तानी टीम के लिए 2 मैचों में खुशदिल शाह ने 107 और बाबर आजम ने 87 रन बनाए. कई दिग्गजों ने यह भी दावा किया है कि बाबर जल्द संन्यास ले सकते हैं. हालांकि इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है.

यही कारण भी है कि बाबर आजम जमकर ट्रोल भी हो रहे हैं. दूसरी ओर कोहली पाकिस्तान के खिलाफ मैच विनिंग शतक

वनडे क्रिकेट में पिछले 10 साल के बेस्ट स्कोरर

प्लेयर	देश	वनडे	रन	बेस्ट स्कोर	औसत	शतक
विराट कोहली	भारत	153	7877	166*	63.52	30
रोहित शर्मा	भारत	144	7297	208*	57.45	27
बाबर	पाकिस्तान	128	6106	158	55.50	19
शाई होप	वेस्टइंडीज	133	5443	170	49.93	17
डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	111	5393	170	51.85	20

लगातार हीरो बन गए हैं. गिल ने भी एक शतक ठोक दिया है. मगर यहां हम आपको चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में इन खिलाड़ियों के रनों के अलावा पिछला रिकॉर्ड भी बताना चाह रहे हैं.

पिछले 10 साल में कोहली ने वनडे में मचाई धूम

इस बार चैम्पियंस ट्रॉफी में धूम मचाने वाले कोहली और रोहित का बल्ला पिछले 10 साल से वनडे क्रिकेट में धमाल मचा रहा है. मगर क्रिकेट फैन्स यह जानकर चौंक जाएंगे कि इस लिस्ट में बाबर का भी नाम है, जो अभी चैम्पियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के कारण ट्रोल हो रहे हैं.

रोहित शर्मा और बाबर आजम.

हम यहां किसी प्लेयर को सपोर्ट या बचाव नहीं कर रहे. ना ही किसी की आलोचना के लिहाज से बात कर रहे हैं. हमारी नजर पिछले 10 साल के वनडे रिकॉर्ड्स पर पड़ी जिसे देखकर क्रिकेट फैन्स भी चौंक सकते हैं. वनडे क्रिकेट में पिछले 10 सालों (1 जनवरी 2015 से 27 फरवरी 2025) में सबसे ज्यादा रनों के मामले में कोहली टॉप पर काबिज हैं.

जबकि रोहित शर्मा इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं. चौंकाने वाली बात ये है कि बाबर इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर काबिज हैं. वेस्टइंडीज के शाई होप चौथे और ऑस्ट्रेलियाई पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर पांचवें नंबर पर काबिज हैं. कोहली ने इन 10 सालों में 153 वनडे खेले, जिसकी 149 पारियों में सबसे ज्यादा 7877 रन बनाए.

बाबर का वनडे करियर भी 10 साल का ही है

बता दें कि विराट कोहली ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ मैच से वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था. जबकि रोहित शर्मा ने एक साल पहले ही 23 जून 2007 को वनडे में डेब्यू कर लिया था. उन्होंने पहला वनडे मैच आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेला था.

जबकि पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने 31 मई 2015 को वनडे डेब्यू किया था. उन्होंने अपना पहला मुकाबला जिम्बाब्वे के खिलाफ लाहौर में खेला था. यानी बाबर को भी वनडे क्रिकेट में अभी सिर्फ 10 साल ही हुए हैं. जबकि कोहली और रोहित उनसे काफी सीनियर हैं.

न बल्लेबाज चले और न गेंदबाज, 27 साल के इतिहास में चौथी बार ग्रुप स्टेज से बाहर हुआ पाकिस्तान

चैंपियंस ट्रॉफी का रोमांच अब फैंस के सिर चढ़कर बोलने लगा है। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले ने इस टूर्नामेंट में चार चांद लगा दिया था। एक तरफ जहां भारत में इस मैच में टीम इंडिया की जीत के बाद जश्न मनाया गया, वहीं दूसरी तरफ पड़ोसी मुल्क में मातम पसर गया। टीम इंडिया के खिलाफ पाकिस्तान की यह सिर्फ हार नहीं थी, बल्कि पाकिस्तान के चैंपियंस ट्रॉफी में सफर का भी अंत हो गया था। रही सही कसर अगले दिन न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराकर पूरी कर दी। 29 साल बाद पाकिस्तान को किसी तरह रो-धोकर आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी और मेजबान टीम का ही सफर नौ दिन में खत्म हो गया। चैंपियंस ट्रॉफी साल 1998 से खेला जा रहा है और टूर्नामेंट के 27 साल के इतिहास में चौथी बार पाकिस्तान की टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हुई है।

पाकिस्तान की हुई किरकिरी

पाकिस्तान के लिए सबसे खराब बात यह रही कि साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर आतंकी हमले के बाद वहां कई वर्षों तक कोई भी मैच तक नहीं खेला गया था। उन्हें दशकों में जैसे तैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का मेजबान बनने का मौका मिला। इसके बाद देश को कर्जे में मैदान बनाने पड़े। फिर खुद मेजबान होने के बावजूद भारत से मुकाबले खेलने के लिए तीसरे देश आना पड़ा। फिर टीम का आधिकारिक तौर पर टिकट तो 24 फरवरी यानी छह दिन में ही कट गया था, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ मैच तक औपचारिकता के लिए इंतजार करना पड़ा। टीम अगर बांग्लादेश को हराकर जीतती तो हो सकता है कि जख्मों पर थोड़ा मरहम लग जाता, लेकिन कुदरत के निजाम ने उनसे यह हक भी छीन लिया। टीम लगातार तीसरे आईसीसी टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जाने में विफल रही।

पाकिस्तान का इस चैंपियंस ट्रॉफी में सफर

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच ग्रुप-ए का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। रावलपिंडी में बारिश की वजह से टॉस तक नहीं हो सका। इसी के साथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान पाकिस्तान के सफर का बुरा अंत हुआ है। टीम तीन में से एक भी मैच नहीं जीत पाई। मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों को एक-एक अंक तो मिला, लेकिन रिजवान की टीम ग्रुप-ए में आखिरी स्थान पर रही। बांग्लादेश ने उनसे ऊपर तीसरे स्थान पर रहते हुए सफर का अंत किया। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। बांग्लादेश की टीम तीन मैचों में दो हार और एक बेनतीजा मैच के साथ एक अंक और -0.44 नेट रन रेट लेकर तीसरे स्थान पर रही। वहीं, पाकिस्तान की टीम -1.09 नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर रही। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि बांग्लादेश को भी इन्हीं दोनों टीमों के खिलाफ शिकस्त मिली। ग्रुप-ए का आखिरी मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मार्च को खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम ग्रुप-ए में शीर्ष पर रहकर लीग राउंड को खत्म करेगी।

न तो गेंदबाज चले और न ही बल्लेबाज

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में न तो पाकिस्तान के बल्लेबाज चले और न ही गेंदबाज चले। पाकिस्तान टीम की मजबूती उनके गेंदबाजों को माना जाता है, लेकिन पिछले पांच वनडे में उनके स्ट्राइक गेंदबाजों का गेंदबाजी औसत बेहद खराब रहा है। शाहीन अफरीदी का पिछले पांच वनडे में गेंदबाजी औसत 42.6 का, नसीम शाह का 56.2 का और हारिस रऊफ का 77.7 का रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान की गेंदबाजी सबसे फिसड्डी रही है। टीम के गेंदबाजों का सबसे खराब गेंदबाजी औसत रहा है। वहीं, दूसरा सबसे खराब गेंदबाजी स्ट्राइक रेट रहा है। बल्लेबाजी की बात करें तो पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआती 10 ओवर यानी पहले पावरप्ले में सबसे खराब रन रेट से रन बनाए हैं। पहले पावरप्ले में टीम के डॉट बॉल खेलने का प्रतिशत भी सबसे खराब है। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआती 10 ओवर में सबसे खराब गेंद प्रति बाउंड्री दर भी है।

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का इतिहास

चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट 1998 से खेला जा रहा है। पाकिस्तान की टीम पहले संस्करण से इस लीग का हिस्सा रही है और लगभग सभी नौ संस्करण में खेली है। 2002, 2006, 2013 के बाद यह चौथी बार है जब टीम पहले राउंड यानी ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। 1998 में टीम क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी, जबकि 2000, 2004 और 2009 में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। 2017 में पाकिस्तान की टीम चैंपियन बनी थी और उनसे इस बार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। टीम के प्रदर्शन से वहां के फैंस के साथ-साथ पूर्व क्रिकेटर्स भी नाराज हैं। वसीम अकरम से लेकर शोएब अख्तर तक ने नई टीम बनाने और अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले खिलाड़ियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

योगराज सिंह की आलोचना का वसीम अकरम ने दिया तीखा जवाब

58 साल की उम्र में मैं नहीं सह सकता अपमान

पाकिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो चुकी है और इस टीम के बुरे प्रदर्शन के बाद कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने अपनी टीम के प्रदर्शन, टीम चयन को लेकर सवाल उठाए। वसीम अकरम, शोएब अख्तर जैसे क्रिकेटर अपनी टीम की जमकर बुराई कर रहे हैं, लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने सार्वजनिक रूप से वसीम अकरम और शोएब अख्तर व अन्य लोगों से पर्दे के पीछे रहने और खिलाड़ियों की मदद से लिए कोचिंग क्षेत्र में नहीं आने के उनके फैसले के बारे में पूछा था।

डीपी वर्ल्ड 'ड्रेसिंग रूम' पर चर्चा के दौरान वसीम अकरम से भी यही सवाल पूछा गया और उन्होंने जवाब देते हुए अपनी टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस का उदाहरण दिया। अकरम ने कहा कि अगर पाकिस्तान के महान खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के साथ कोचिंग का काम करते हैं तो उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाता है।

अकरम ने टेन स्पोर्ट्स के शो में कहा कि लोग अब भी कभी-कभी मेरी आलोचना करते हैं या मुझ पर यह आरोप लगाते हैं कि वह सिर्फ बातें करते हैं और कुछ नहीं। जब मैं पाकिस्तान के कोचों को देखता हूं, मैं यहां वकार को देखता हूं, जिन्हें कोच बनने के बाद कई बार हटाया गया है और उनकी हालत। आप लोग बदतमीजी करते हैं, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।

58 साल की उम्र में नहीं सह सकता अपनाम

योगराज सिंह ने कहा था कि वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे लोग कोचिंग कैंप में टीम के खिलाड़ियों की मदद करने के बजाय शो में बैठकर पाकिस्तानी खिलाड़ियों के बारे में बुरी बातें कहना पसंद करते हैं। अकरम ने योगराज सिंह आलोचना का तीखा जवाब देते हुए कहा कि वह टीम की मुफ्त मदद करने के लिए तैयार हैं, लेकिन वह इसके एवज में किसी भी तरह की अपमान जनक बातें नहीं सह सकते। 58 साल की उम्र में मैं ऐसी जिंदगी जीना चाहता हूं जिसमें तनाव नहीं हो। अकरम ने कहा कि उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट की मदद करना चाहता हूं। आप मुझे पैसे क्यों देना चाहते हैं। मैं मुफ्त में उपलब्ध हूं।

अकरम ने आगे कहा अगर आप कोई शिविर आयोजित करते हैं और चाहते हैं कि मैं वहां रहूं, तो मैं वहां रहूंगा। अगर आप चाहते हैं कि मैं किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले क्रिकेटरों के साथ समय बिताऊं, तो मैं ऐसा करूंगा। लेकिन मैं 58 साल का हूं और इस उम्र में मैं ऐसा अपमान नहीं सहूंगा जो आप लोग करते हैं। मैं इस उम्र में तनावपूर्ण जीवन नहीं जी सकता।

पीएम मोदी और यूरोपीय आयोग के प्रमुख वॉन डेर लेयेन ने की मुलाकात, वैश्विक व्यापार समझौते पर हुई चर्चा

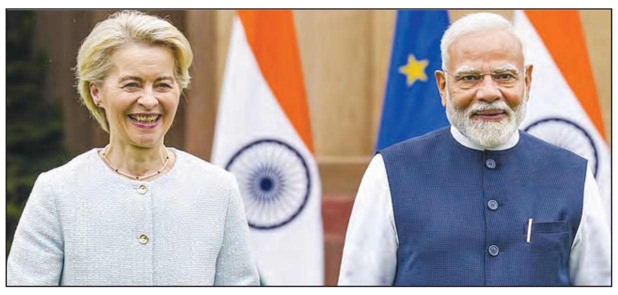

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ बातचीत की, जिसमें भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) रणनीतिक साझेदारी को नई गति प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उम्मीद है कि बातचीत के दौरान दोनों लोग महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए चल रही वार्ता का जायजा लेंगे, साथ ही व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीके भी तलाशेंगे।

दो दिवसीय यात्रा पर भारत में हैं यूरोपीय कमिशन की प्रमुख

वॉन डेर लेयेन यूरोपीय संघ के आयुक्तों के कॉलेज या ब्लॉक के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के साथ गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचीं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता से पहले एक थिंक टैंक में उन्होंने कहा, यह दुनिया खतरों से भरी हुई है। लेकिन मेरा मानना है कि महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का यह आधुनिक संस्करण यूरोप और भारत के लिए अपनी साझेदारी की पुनः कल्पना करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा, कई मायनों में, यूरोपीय संघ और भारत इस चुनौती का मिलकर सामना करने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। दोनों पक्षों के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचार-विमर्श होने की उम्मीद है।

मोदी-वॉन डेर लेयेन वार्ता के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी होने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ भारत के साथ अपने व्यापार क्षेत्र का विस्तार करने का इच्छुक है और दोनों पक्षों का मानना है कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते से आर्थिक भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 135 बिलियन अमरीकी डॉलर

वित्तीय वर्ष 2023-24 में, यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 135 बिलियन अमरीकी डॉलर का है, जिसमें यूरोपीय संघ को निर्यात 76 बिलियन अमरीकी डॉलर और यूरोपीय संघ से आयात 59 बिलियन अमरीकी डॉलर का है। इस तरह से यह ब्लॉक नई दिल्ली का वस्तुओं के मामले में सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 में सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 53 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 30 बिलियन अमरीकी डॉलर का भारतीय निर्यात और 23 बिलियन अमरीकी डॉलर का आयात शामिल है, जो सेवाओं में अब तक का सबसे अधिक व्यापार है। भारत में यूरोपीय संघ का निवेश 117 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है तथा लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियां भारत में मौजूद हैं। यूरोपीय संघ में भारत का निवेश लगभग 40 अरब डॉलर का है।

सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कमजोर हाजिर मांग के बीच शुक्रवार को वायदा कारोबार में सोने और चांदी में नरमी दिखी। इस दौरान सोने का वायदा भाव 446 रुपये की गिरावट के साथ 84,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, चांदी वायदा की कीमत 333 रुपये की गिरावट के साथ 93,302 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

गोल्ड फ्यूचर 446 रुपये मजबूत हुआ

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 446 रुपये या 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 14,812 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने सोने की कीमतों में गिरावट का कारण कमजोर वैश्विक संकेत बताया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में न्यूयॉर्क में सोना वायदा 20.50 डॉलर प्रति औंस या 0.71 प्रतिशत घटकर 2,875.40 डॉलर प्रति औंस रह गया।

वायदा कारोबार में चांदी भी नरम पड़ी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के मार्च डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 333 रुपये अथवा 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 93,302 रुपये प्रति किग्रा रह गई। इसमें 729 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में मौजूदा स्तर पर प्रतिभागियों की बिकवाली से मुख्य रूप से चांदी की कीमतों पर असर पड़ा। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी वायदा भाव 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 31.76 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

शेयर बाजार में हाहाकारी गिरावट

सेंसेक्स ने 1,414 अंकों का गोता लगाया, निफ्टी का भी हाल-बेहाल

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स में भारी गिरावट देने को मिली है। गुरुवार को सेंसेक्स 1,414.33 अंक गिरकर 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 420.35 अंक गिरकर 22,124.70 के स्तर पर पहुंच गया। चीन के उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अमेरिका की घोषणा से शुक्रवार को दुनिया भर के बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई।

इसके दबाव में घरेलू शेयर बाजार का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,414 और निफ्टी 420 अंक टूट गया। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। बिकवाली के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 1,414.33 अंक यानी 1.90 प्रतिशत लुढ़कते हुए 73,198.10 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,471.16 अंक गिरकर 73,141.27 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी लगातार आठवें दिन गिरावट को जारी रखते हुए 420.35 अंक यानी 1.86 प्रतिशत फिसलकर 22,124.70 पर बंद हुआ। इस भारी गिरावट से बीएसई सेंसेक्स पिछले साल 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर से अब तक 12,780.15 अंक यानी 14.86 प्रतिशत नीचे आ चुका है। वहीं एनएसई निफ्टी 27 सितंबर, 2024 को 26,277.35 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से अब तक कुल 4,152.65 अंक यानी 15.80 प्रतिशत टूट चुका है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई जबकि इंडसइंड बैंक पांच प्रतिशत से अधिक नीचे रहा। इनके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेस्ले और मारुति भी प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल रहीं। सेंसेक्स की कंपनियों में से अकेले एचडीएफसी बैंक का शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुआ।एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भारी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के अधिकांश बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत गिरकर 73.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 10.31 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 74,612.43 और निफ्टी 2.50 अंक गिरकर 22,545.05 पर बंद हुआ था।

दिल्ली एयरपोर्ट में भी मिलेगी 10 में चाय और 20 में समोसा !

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री दूर से देखकर रह जाते हैं। लेकिन सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सकते हैं। एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरु हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरुआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी यह कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खोला गया है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोलकाता एयरपोर्ट की 100वीं वर्षगांठ पर यात्रियों को देश के पहले उड़ान यात्री कैफे का गिफ्ट दिया था। कोलकाता एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में यात्री उड़ान कैफे खोला गया है। इसमें चाय, कॉफी, स्नैक्स और पानी जैसी चीजें सस्ती कीमत पर बेची जा रही है। इस योजना का मकसद हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है, क्योंकि भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। कोलकाता एयरपोर्ट पर देश के पहले उड़ान यात्री कैफे को मिली सफलता के बाद अब देश के दूसरे हवाई अड्डों पर भी उड़ान यात्री कैफे खोले जा सकते हैं।

पिछले साल सितंबर में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने एयरपोर्ट्स में सामान की महंगाई पर चिंता जताई थी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कोलकाता हवाई अड्डे पर गर्म पानी और टी बैग से बनी चाय की कीमत 340 रुपये है। कुछ साल पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर गर्म पानी और टी बैग की कीमत 80 रुपये है।' दिल्ली एयरपोर्ट पर पानी की बोतल की कीमत 50 रुपये है जबकि समोसा 150 रुपये में मिलता है। इसी तरह डोसे की कीमत 300 रुपये और पाव भाजी की कीमत 250 रुपये है।

भारत ने निजी खपत बढ़ने के मामले में यूएस

चीन व जर्मनी को पीछे छोड़ा; उपभोक्ता बाजार पर रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने निजी खपत बढ़ने की रफ्तार के मामले में अमेरिका, चीन और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। उम्मीद है कि देश 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। डेलॉय इंडिया ने रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत में निजी खपत 2013 के एक लाख करोड़ डॉलर से दोगुना होकर 2024 में 2.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच जाएगी। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में निजी खपत हर साल 7.2 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रही है और वृद्धि की यह रफ्तार अमेरिका, चीन एवं जर्मनी से अधिक तेज है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कई कारक मौजूद हैं, जो निजी खपत में तेजी ला रहे हैं। इनमें अधिक प्रीमियम भुगतान और उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। बढ़ती समृद्धि के साथ उपभोक्ता कीमत की तुलना में गुणवत्ता, सुविधा और अनुभव को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अगले साल तक तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार बनने के साथ

जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा उठाने के लिए भी अच्छी स्थिति में है। डिजिटल और वित्तीय समावेशन से कर्ज तक पहुंच अभूतपूर्व गति से बढ़ रही है। क्रेडिट कार्ड की पहुंच 2024 के 10.2 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 2030 तक 29.6 करोड़ हो जाएगी, जिससे उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी।

तीन गुना होगी 10,000 डॉलर से अधिक कमाने वालों की संख्या

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक 10,000 डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना हो जाएगी। ऐसे भारतीयों की संख्या 2024 के छह करोड़ से बढ़कर 2030 में 16.5 करोड़ पहुंच जाएगी। यह देश के मध्य वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और विवेकाधीन खर्च की ओर एक मौलिक बदलाव को दर्शाता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

सूर्योदय - 06-37
सूर्यास्त - 18-19

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-43 बजे
चंद्र-	मीन में	मीन....	07-22 बजे
मंगल	मिथुन में	मेष---	08-58 बजे
बुध-	मीन में	वृष---	10-42 बजे
गुरु-	वृष में	मिथुन..	12-42 बजे
शुक्र-	मीन में	कर्क....	14-55 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह---	17-07 बजे
राहु-	मीन में	कन्या...	19-14 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	21-19 बजे
		वृश्चिक.	23-29 बजे
		धनु......	01-43 बजे
		मकर...	03-48 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया . 00-09 तक उपरान्त तृतीया
मास • फाल्गुन शुक्ल , शनिवार 01 March
नक्षत्र • पूर्वाभाद्रपद 11-22 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग • साध्य 16-24 तक उप शुभ
करण- बालव 13-43 तक उप कौलव
विशेष:- फुलेरा दूज (अबुझ मुहूर्त)
व्रत -त्योहार • रामकृष्ण परमहंस ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:32 से 11:00 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:37 - 08:04	अशुभ	लाभ	18:19 - 19:53	शुभ
शुभ.	08:04 - 09:32	शुभ	उत्पात	19:53 - 21:25	अशुभ
रोग	09:32 - 11:00	अशुभ	शुभ.	21:25 - 22:56	शुभ
उत्पात	11:00 - 12:28	अशुभ	अमृत.	22:56 - 24:28*	शुभ
चंचल	12:28 - 13:57	शुभ	चंचल.	00:28 - 01:59	शुभ
लाभ	13:57 - 15:25	शुभ	रोग.	01:59 - 03:31	अशुभ
अमृत.	15:25 - 16:53	शुभ	काल.	03:31 - 05:03	अशुभ
काल.	16:53 - 18:19	अशुभ	लाभ	05:03 - 06:37	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है , लेकिन मौद्रिक लेनदेन में शामिल किसी पर भी भरोसा न करे और सावधान रहे ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है। तब तक निरंतरता रखे । समय आपके पक्ष में है। अनुसंधान के साथ सुनियोजित निवेश करे और आगे बढे ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है । आपका लंबित कार्य जमा होता रहेगा जो की आपकी कार्य प्रणाली की दिनचर्या पर एक दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये । आप ध्यान एक साधारण मोह से भी भंग हो सकता है ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तीन साल बाद फिर नौकरशाह के हवाले सेबी, काम में माहिर माने जाते हैं तुहिन कांत पांडेय

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। तीन साल के अंतराल के बाद शेयर बाजार नियामक सेबी के प्रमुख के तौर एक अनुभवी नौकरशाह की वापसी हो रही है। नियमों के पक्के वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय तीन साल के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख होंगे। पांडेय 1987 बैच के ओडिशा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। वह माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे, जिनका तीन साल का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो रहा है। बुच सेबी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला और निजी क्षेत्र से चुनी गईं पहली सेबी चेयरपर्सन भी हैं।

सेबी प्रमुख का पद ज्यादातर अनुभवी नौकरशाहों के पास रहा

बुच से पहले सेबी प्रमुख का पद ज्यादातर अनुभवी नौकरशाहों के पास ही रहा है। यह हालिया महीनों में किसी नियामक संस्था के शीर्ष पर नौकरशाह की दूसरी नियुक्ति है। दिसंबर 2024 में सरकार ने शक्तिकान्त दास की सेवानिवृत्ति के बाद राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का गवर्नर नियुक्त किया था।बुच ने अपने कार्यकाल में इक्विटी के तेजी से निपटान, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) खुलासे में वृद्धि तथा म्यूचुअल फंड पैठ बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की, लेकिन उनके कार्यकाल के अंतिम वर्ष में काफी विवाद हुआ जब सेबी के कर्मचारियों ने ''कामकाज के गलत तरीकों'' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। साथ ही अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग तथा विपक्षी दल कांग्रेस ने भी उनपर कई आरोप लगाए थे।

सेबी की कार्यप्रणाली पर उठे सवालों के बीच तुहित कांत को मिली जिम्मेदारी

बीते कुछ महीनों में सेबी की कार्यप्रणाली पर बड़े पैमाने पर उठे सवालों के बीच सरकार ने एक

अनुभवी नौकरशाह पांडेय को नियामक निकाय का प्रमुख चुना है। उनके पास सरकार के विनिवेश व निजीकरण कार्यक्रमों को संभालने का व्यापक अनुभव है। मृदुभाषी पांडेय नियम पुस्तिका का पालन करने और काम पूरा करने में महिर माने जाते हैं। दीपम (डीआईपीएएम) सचिव के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही एयर इंडिया का निजीकरण किया गया था, जबकि ऐसा करने के कई प्रयास पहले असफल रहे थे। पांडेय के पास आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की योजनाओं की भी देखरेख करने का भी अनुभव है। पांडेय सेबी के प्रमुख का पद ऐसे समय संभालेंगे जब विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के बाद बाजार में मंदी का दबाव देखने को मिल रहा है। जनवरी से अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है।

दीपम में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अधिकारी हैं तुहिन कांत

पांडेय निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सचिव हैं। दीपम वित्त मंत्रालय का एक विभाग है जो सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सरकारी इक्विटी और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) का भी प्रबंधन करता है। उन्होंने नौ जनवरी को राजस्व विभाग का कार्यभार संभाला था, जब उनके पूर्ववर्ती संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर बन गए थे।

बिटकॉइन, एथेरियम, डॉगकॉइन... धड़ाम हो गईं बड़ी-बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, 5 दिनों में 20% से ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में इस समय भूचाल आया हुआ है। बिटकॉइन, एथेरियम, डॉगकॉइन समेत कई बड़ी-बड़ी क्रिप्टोकरेंसी धड़ाम हो गई हैं। पिछले 5 दिनों में इनकी कीमत 20 फीसदी से ज्यादा तक गिर गई है। सबसे ज्यादा नुकसान दुनिया की दूसरी सबसे महंगी क्रिप्टो एथेरियम को हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटे में भी इनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही है। दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले 24 घंटे में 5 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। शुक्रवार शाम 4 बजे इसकी कीमत 69.94 लाख रुपये थी। वहीं पिछले 5 दिनों में इसमें करीब 16 फीसदी की गिरावट आई है। एक महीने में स्थिति और बुरी रही है।

पिछले एक महीने में बिटकॉइन की कीमत 22 फीसदी गिर गई है। बिटकॉइन के बाद यह दुनिया की दूसरी सबसे महंगी करेंसी है। शुक्रवार को इसमें 7 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। शाम 4 बजे इसकी कीमत 1.86 लाख रुपये थी। वहीं पिछले 5 दिन की बात करें तो इसमें 23 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। बड़ी-बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में एथेरियम में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। वहीं बात अगर एक महीने की करें तो यह 30 फीसदी से ज्यादा लुढ़क चुकी है। इस क्रिप्टोकरेंसी को दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की फेवरेट करेंसी भी कहा जाता है। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद इसमें काफी तेजी आई थी, लेकिन अब इसमें भी गिरावट आ रही है। शुक्रवार को यह क्रिप्टो करीब 10 फीसदी की गिरावट के साथ 16.31 रुपये पर थी। पिछले 5 दिनों में यह करीब 22 फीसदी लुढ़क चुकी है। वहीं एक महीने में इसमें 40 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है।इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम भी टॉप की क्रिप्टो में आता है। लेकिन गिरावट से दौर से यह भी नहीं बची है। शुक्रवार शाम 4 बजे यह 7 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 177.76 रुपये थी। पिछले 5 दिनों में इसमें करीब 20 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं एक महीने में यह क्रिप्टो 33 फीसदी गिर चुकी है।

भारत की वृद्धि दर दिसंबर तिमाही में 6.2 फीसदी रही, पूरे वित्त वर्ष में 6.5 % रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में मुख्य रूप से विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण घटकर 6.2 प्रतिशत रह गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर, 2024 तिमाही में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत रही थी। इसके साथ ही, एनएसओ ने राष्ट्रीय खातों के अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में चालू वित्त वर्ष के लिए देश की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की बात कही है। इसके पहले जनवरी, 2025 में जारी अपने पहले अग्रिम अनुमान में इसने चालू वित्त वर्ष के लिए 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। एनएसओ ने पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के लिए जीडीपी वृद्धि को भी संशोधित कर 9.2 प्रतिशत कर दिया। पहले यह आंकड़ा 8.2 प्रतिशत का था।

तीन करोड़ का पीएमजीएसवाई घोटाला, जासूसी पर विधानसभा में हंगामा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अवधेश फरार, बैज के बंगले के पास मिला लोकेशन, भूपेश बोले-रेकी करा रही सरकार

दंतेवाड़ा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले में पीएमजीएसवाई घोटाला केस में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अवधेश गौतम पर एफआईआर दर्ज हुई है, तब से वह फरार है। दंतेवाड़ा पुलिस को अवधेश का लोकेशन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बंगले के पास मिला है। बंगले के पास पुलिसकर्मी को रेकी करते पकड़ा गया है।

बैज के बंगले की रेकी को लेकर विधानसभा में हंगामा हो गया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल और दीपक बैज ने जासूसी का आरोप लगाया है। वहीं दंतेवाड़ा बीजेपी जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी ही। अवधेश पर पीएमजीएसवाई में 2 करोड़ 95 लाख का घोटाला करने का आरोप है। सदन में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने बताया कि रायपुर में दंतेवाड़ा पुलिस के कुछ पुलिसकर्मियों को रेकी करते कांग्रेसियों ने पकड़ा है। इसे लेकर विपक्ष के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने 20 कांग्रेस विधायकों को सस्पेंड कर दिया।

वहीं भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर लिखा है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार को कौन सा डर सता रहा है कि विपक्ष के नेताओं की जासूसी करवा रही है? दीपक बैज के घर की जासूसी करते पुलिस अधिकारी को पकड़ा गया है। यह लोकतंत्र के प्रति भाजपा के अविश्वास का एक और उदाहरण है। दरअसल, दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित इलाके मड़कामीरास से हिरोली तक सड़क निर्माण की स्वीकृति 2 भागों में हुई थी। तत्कालीन कलेक्टर विनीत नंदनवार ने सड़क को 2 भागों में बांटा। इसके लिए पहले भाग में 1 करोड़ 96 लाख और दूसरे भाग के लिए 1 करोड़ 99 लाख की स्वीकृति की थी। आरोप है कि ठेकेदार अवधेश गौतम ने ठेकेदारों को टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका और टेंडर

दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अवधेश गौतम पर एफआईआर

को हासिल किया। अधिकारियों से सेटिंग कर 10 प्रतिशत अधिक दर पर इसका वर्क ऑर्डर लिया था। सड़क की टेंडर प्रक्रिया भी सवालों में रही, तब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी।

अवधेश पर पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना) विभाग ने एफआईआर दर्ज कराई है, जिसके बाद अवधेश गौतम की संपत्ति जब्त की गई है। तहसीलदार ने बताया कि अवधेश सिंह गौतम (निवासी ग्राम नकुलनार) की ग्राम हितावर एवं ग्राम नकुलनार में स्थित भूमि को भू-राजस्व बकाया की वसूली के लिए कुर्क किया गया।

साथ ही तहसीलदार ने कहा कि अगर वह तय तारीख से पहले राशि जमा नहीं करते, तो यह संपत्ति 4 मार्च 2025 को सुबह 11 बजे तहसील कार्यालय, कुआकोंडा में लोक नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

मामले को विधानसभा में भाजपा के विधायक अजय चंद्राकर ने उठाया था। उन्होंने बताया था कि दंतेवाड़ा जिले में जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) मद से पीएमजीएसवाई विभाग को एजेंसी बनाकर हिरोली-डोक्कापारा से मड़कामीरास तक बनाई गई सड़क पर भ्रष्टाचार हुआ है। आरोप के बाद डिप्टी सीएम ने 5 अफसरों को सस्पेंड किया था।

इनमें ईई अनिल राठौर, ईई दामोदर सिदार, एसडीओ तारेश्वर दीवान, एई आरबी पटेल, इंजीनियर रविकांत सारथी, एक सब इंजीनियर की पहले ही मौत हो गई है। ईई अनिल राठौर रिटायर हो चुके हैं। इनके खिलाफ जांच जारी है।

साइबर ठगों ने लोगों से 168 करोड़ ठगे

विधानसभा में गृहमंत्री शर्मा बोले- 12 केस सिर्फ डिजिटल अरेस्ट के, 6 पुलिसकर्मी बनेंगे साइबर कमांडो

रायपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2024/25 में अब तक लोगों से 168 करोड़ की साइबर ठगी हुई है। इनमें 12 केस सिर्फ डिजिटल अरेस्ट के हैं। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान अजय चंद्राकर के पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि, 5 करोड़ 20 लाख वसूल किए गए हैं। 4 करोड़ की राशि खातों में फ्रीज है। जिसे लोगों को दी जाएगी। मामले में 722 लोगों को चिन्हित किया गया है। 347 लोग अरेस्ट किए गए हैं।

विजय शर्मा ने कहा, कि साइबर ठगी रोकने के लिए रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर पांच रेंज में थानों को साइबर थाने के रूप में अपग्रेड किया गया, जिलों में एक-एक साइबर सेल बनाए गए हैं। यहां 69 लोग कार्यरत हैं। 6 पुलिसकर्मी साइबर कमांडो की ट्रेनिंग ले रहे हैं। 129 लोग स्पेशल ट्रेनिंग लेकर काम कर रहे हैं। गृहमंत्री शर्मा ने कहा, कि सरकार ने दो करोड़ 77 लाख की लागत से साइबर भवन

विजय शर्मा ने बताया कि सीजी पुलिस 6 कर्मचारी साइबर कमांडो की ट्रेनिंग ले रहे हैं, साइबर ठगी रोकने अलग से कोई भर्ती नहीं होगी

का निर्माण कराया है। यहां 51 लाख के सॉफ्टवेयर खरीदे गए, यूनिफाइड फॉरेंसिक डिवाइस, मोबाइल फॉरेंसिक किट डिटेक्शन, डिस्क स्टोरेज के लिए सिस्टम मौजूद है। प्रश्नकाल के शुरुआत में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की जासूसी का आरोप लगाकर कांग्रेसी विधायक नारेबाजी करते हुए गर्भ गृह तक पहुंच गए। सदन में नारे लगाए गए कि ईडी से डराना बंद करो जिसके बाद स्पीकर ने महंत सहित 20 कांग्रेसी विधायकों को सस्पेंड कर दिया। हालांकि 5 मिनट बाद ये सस्पेंशन खत्म कर दिया गया। सदन में उमेश पटेल ने बताया, कि रायपुर में दंतेवाड़ा पुलिस के कुछ कर्मचारी और अधिकारियों को कांग्रेसियों ने पकड़ा है। इसे लेकर पूर्व सीएम भूपेश ने सोशल मीडिया पर दावा किया है, कि सरकार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की जासूसी करवा रही है। पुलिसकर्मी उनके बंगले के बाहर रेकी करते मिले। घटना को लेकर विपक्ष के सदस्य सीट से उठकर नारेबाजी कर रहे थे। इससे पहले डॉ रमन सिंह ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। उन्होंने लता उसेंडी को सवाल करने को कहा, लता उसेंडी ने स्वास्थ्य मंत्री से मेडिकल सप्लाई को लेकर सवाल किया। इस बीच डॉ रमन सिंह की मेज के करीब आकर कांग्रेसी विधायक नारेबाजी करते रहे। इससे पहले भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म X पर पोस्ट कर लिखा है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार को कौन सा डर सता रहा है कि विपक्ष के नेताओं की जासूसी करवा रही है?

बदमाशों ने एक हाइवा में लगाई आग

माइंस मैनेजर का नाम और मोबाइल नंबर पूछ तीन हाइवा को छोड़ा, पेट्रोल लेकर आए थे अपराधी

पलामू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पलामू में अपराधियों ने एक हाइवा को आग के हवाले कर दिया। वहीं, खड़े तीन हाइवा चालकों से उनका नाम, माइंस मैनेजर का नाम और मोबाइल नंबर पूछ उन्हें जाने दिया। घटना नौडीहा बाजार थाना से 10 किलोमीटर दूर गुरुवार की रात को हुई।

हाइवा स्टोन माइंस से निकले थे और इसी दौरान बीच रास्ते में यह घटना हुई। ड्राइवर के अनुसार, तीन बदमाश अपने साथ पेट्रोल लेकर आए थे। वो हथियार से लैस थे। इधर, हाइवा आग लगने से पूरी तरह जल गया। घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर एसडीपीओ अवध यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अपराधियों की तलाश कर रही है।

ड्राइवर ने बताया कि घटना के समय स्टोन माइंस से चार हाइवा निकले थे। नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह में बाइक सवार तीन बदमाशों ने सभी वाहनों को रोका। तीन हाइवा चालकों से पूछताछ कर उन्हें जाने दिया। चौथे हाइवा की जानकारी लेने के बाद उसमें आग लगा दी। यह क्षेत्र कई स्टोन माइंस का केंद्र है। पहले यह इलाका नक्सल प्रभावित था, लेकिन 2018-19 के बाद से यहां कोई नक्सली गतिविधि दर्ज नहीं की गई है। हाइवा से स्टोन माइंस में पत्थर की ढुलाई की जाती थी।

पत्नी ने ईंट से वारकर पति की ली जान

वाइफ को किसी और के साथ घूमते देखा था, अवैध संबंध के शक में हुआ था झगड़ा

पाकुड़, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकुड़ में पत्नी ने ईंट से चेहरे पर वारकर पति की हत्या कर दी। घटना हिरणपुर थाना क्षेत्र के धरनीपहाड़ गांव की गुरुवार रात की है। परिजनों के अनुसार, युवक को शक था कि उसकी पत्नी का किसी से अवैध संबंध है। इसी बात पर रात में घर पर झगड़ा हुआ था। इसके बाद महिला ने उसकी हत्या कर दी। इधर, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान लोफड़ा पहाड़िया (30) के रूप में की गई है। लोफड़ा की शादी 11 साल पहले जुनकी पहाड़िन के साथ हुई थी। दंपती का एक 8 वर्षीय पुत्र भी है। मृतक के चचेरे भाई शिबू पहाड़िया ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन लोफड़ा ने जुनकी पहाड़िन को किसी और के साथ घूमते देखा था। इसके बाद से दोनों में झगड़ा चल रहा था। इस हत्या में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। शिबू पहाड़िया ने बताया कि विवाद को सुलझाने के लिए पूर्व में गांव में बैठक भी हुई थी, लेकिन विवाद नहीं सुलझा था। हत्या के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना मृतक के पिता को दी। वो इस गांव के दूसरे टोला में रहते हैं। पिता और उसके भाई मौके पर पहुंच कर इसकी सूचना गांव के प्रधान और पुलिस दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी जुनकी पहाड़िन को गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल भेज दिया।

होमगार्ड बहाली में देरी से अभ्यर्थी नाराज

चयनित होमगार्ड अभ्यर्थी 3 महीने से नियुक्ति का इंतजार कर रहे

कोडरमा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। कोडरमा में होमगार्ड के चयनित अभ्यर्थियों को अभी तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला है। अक्टूबर 2023 में होमगार्ड और चौकीदार की भर्ती प्रक्रिया पूरी हुई थी। चौकीदार पद के लिए चयनित अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्ति पत्र मिल गया, लेकिन होमगार्ड के अभ्यर्थी अभी भी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। शुक्रवार को होमगार्ड के चयनित अभ्यर्थी डीसी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सेवा बहाली के लिए आवेदन दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के तीन महीने बाद भी नियुक्ति न होना समझ से परे है। अभ्यर्थियों ने बताया कि नियुक्ति की उम्मीद में उन्होंने अपनी पुरानी नौकरियां छोड़ दी हैं। इससे उनके सामने आर्थिक समस्याएं खड़ी हो गई हैं। वे रोजाना डीसी कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। डीसी का कहना है कि सेवा बहाली की प्रक्रिया जारी है। होमगार्ड के बहाली को लेकर हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा में एक अभ्यर्थी की जगह दूसरे अभ्यर्थी के दौड़ लगाने की बातें सामने आई थी। इसके बाद डीसी मेघा भारद्वाज द्वारा विशेष दल गठित कर मामले की जांच भी कराई गई थी। जांच के बाद मामाल सही पाया गया। इसके बाद दोनों युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई और उसकी नियुक्ति को रद्द करते हुए एक पद को वेकेंट भी रखा गया था। इधर, डीसी मेघा भारद्वाज ने कहा कि चयनित अभियर्थियों के प्रमाण पत्र के जांच की प्रक्रिया जारी है। जांच के बाद संशोधित लिस्ट संबंधित विभाग को भेज दी जाएगी, जहां से ट्रेनिंग व बाकी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

करीब 1 लाख 60 हजार करोड़ का होगा बजट

रायपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की बीजेपी सरकार अपना दूसरा बजट 3 मार्च को पेश करने जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य का यह 24वां बजट होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी 1 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक का बजट पेश कर सकते हैं। पिछले साल वित्त मंत्री ने 1 लाख 47 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। इस बजट में महतारी वंदन योजना, बड़े शहरों में फ्री वाई-फाई के साथ टूरिज्म को लेकर भी कई ऐलान हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार महतारी वंदन योजना चला रही है। महिलाओं को सीधे उनके खाते में हर महीने 1 हजार रुपए दिए जाते हैं। फिलहाल इसका फायदा लगभग 70 लाख महिलाओं को मिल रहा है। नए बजट में इस योजना के लिए आगे और बजट बढ़ाया जा सकता है।

सरकार 70 लाख से भी ज्यादा महिलाओं को अब 1 हजार रुपए हर महीने देगी। महिलाओं के लिए योजना में सरकार अपना बजट भी बढ़ा सकती है।

2024-25 के बजट में इस योजना के लिए 3 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। आने वाले बजट में प्रदेश के बड़े शहरों में को-वर्किंग स्पेस, फ्री वाई-फाई की सुविधा, कॉल सेंटर, अलग-अलग जिलों में सेंट्रल लाइब्रेरी स्टडी सेंटर जैसी सुविधा शुरू करने की घोषणा सरकार कर सकती है।

कुलदीप जुनेजा के खिलाफ होगी कार्रवाई

बिलासपुर के दोनों जिलाध्यक्षों को भी शो-कॉज नोटिस अमरजीत भगत के खिलाफ भी उठी कार्रवाई की मांग

रायपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के खिलाफ कांग्रेस कार्रवाई करेगी। ये फैसला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया है। दरअसल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ कुलदीप जुनेजा का सार्वजनिक बयान सामने आया था।

इसके बाद से प्रदेश पदाधिकारियों ने बैठक में कार्रवाई की मांग रखी। अब आगे की कार्रवाई के लिए एआईसीसी को अनुशंसा भेजी जाएगी। बैठक में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के पार्टी विरोधी बयान पर भी कार्रवाई की मांग उठी थी हालांकि इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया। वहीं बिलासपुर के दोनों जिला अध्यक्ष विजय केशरवानी और विजय पाण्डेय को शो-कॉज नोटिस भेजने का फैसला लिया गया है।

बागियों की खास तौर पर अजीत कुकरेजा की पार्टी में वापसी नहीं करने की मांग जुनेजा लगातार उठाते रहे हैं। इसी को लेकर पार्टी अध्यक्ष दीपक बैज की कार्यशैली पर भी जुनेजा ने सवाल उठाते हुए संगठन में तुरंत बदलाव की मांग की थी।

कुलदीज जुनेजा ने कहा था कि नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को नहीं, हमारे मौजूदा संगठन को हार मिली है। साथ ही पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को लेकर कहा कि, 4 चुनाव हार के बाद भी यदि इस्तीफा मांगा जाए तो शर्म की बात है। नैतिकता नाम की भी कोई चीज होती है, दीपक बैज को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस संगठन में जल्द बदलाव बहुत जरूरी है।

न प्रदेश में पकड़ बना, न कुछ काम किया। दीपक बैज की कार्यप्रणाली से कोई खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी नए अध्यक्ष आएंगे, उनसे इस लिस्ट को निरस्त करने की माँग करेंगे। साथ ही उम्मीद जताई कि संगठन में खरीद-फरोख्त की जांच के लिए जो मैंने पत्र लिख है, उस पर जांच होगी।

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा को पीसीसी ने शो-कॉज नोटिस भेजा है। पार्टी ने उन्हें सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी विरोधी बयान देने के लिए यह नोटिस भेजा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नोटिस के मुताबिक, पार्टी के आंतरिक मामलों पर चर्चा के लिए उचित मंच होने के बावजूद जुनेजा बार-बार सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक मंचों पर अपनी राय व्यक्त कर रहे थे।

बीजेपी मेयर की शपथ- 'सांप्रदायिकता' अक्षुण्ण रखूंगी

पूजा विधानी की जुबान फिसली, दोबारा ली शपथ बिलासपुर निगम का गंगाजल से शुद्धिकरण किया

बिलासपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर नगर निगम की महापौर पूजा विधानी की शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जुबान फिसल गई। उन्होंने कहा कि मैं पूजा विधानी भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगी। मैं भारत की 'सांप्रदायिकता' और अखंडता को अक्षुण्ण रखूंगी। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि 'सांप्रदायिकता' पढ़ते ही मंच पर मौजूद कुछ लोग रोकते-टोकते दिख रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पूजा विधानी को भारत की संप्रभुता कहना था, लेकिन उन्होंने गलती से 'सांप्रदायिकता' पढ़ दिया। इसे गलत तरीके से पढ़ने के बाद उन्हें दोबारा शपथ दिलाई गई।

वहीं शपथ ग्रहण के बाद बिलासपुर नगर निगम का गंगाजल से शुद्धिकरण किया गया। पूजा विधानी ने पूजा अर्चना की। गंगाजल छिड़ककर महापौर की कुर्सी पर बैठी। इस दौरान उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का भूत हटाने के लिए शुद्धिकरण किया गया है। वहीं कांग्रेस ने कहा कि गंगाजल से भाजपा नौटंकी कर रही। जनता से छल कर रही है।

पूजा विधानी नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अशोक विधानी की पत्नी हैं। 1996 से भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं। 1998 में पहली बार पार्षद बनीं। महिला मोर्चा में 2 बार प्रदेश महामंत्री रहीं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष भी रहीं। प्रमोद कुमार नायक कांग्रेस में लंबे से एक्टिव हैं। महिंद्रा ट्रैक्टर की डीलरशिप। छत्तीसगढ़ कुर्मी चेतना मंच प्रदेश उपाध्यक्ष है। प्रदेश युवक कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रह चुके। भूपेश बघेल के करीबी है। किरणमयी नायक के रिश्तेदार हैं। पूजा विधानी शहर की 12वीं और दूसरी महिला महापौर बनीं हैं। 10 साल पहले वाणीराव पहली बार महिला मेयर निर्वाचित हुईं थीं। चुनाव में नगर निगम के 70 वार्ड में 49 वार्ड में भाजपा के पार्षदों ने जीत हासिल की है। वहीं, 18 वार्ड में ही कांग्रेस प्रत्याशी सफल हो सके, जबकि 3 निर्दलीय पार्षदों ने जीत दर्ज की है। 2009 में वाणी राव शहर की पहली महिला मेयर निर्वाचित हुई थी। तब वो कांग्रेस में थीं, लेकिन अब भाजपा में शामिल हो गईं हैं।

निगम में अब तक 11 महापौर बने हैं। इसमें 7 बार कांग्रेस तो 4 बार भाजपा के मेयर रहे। पूजा विधानी अब भाजपा से पांचवीं मेयर हैं। इस बार ओबीसी (मुक्त) के लिए सीट आरक्षित होने के बावजूद भाजपा ने महिला प्रत्याशी के रूप में एल पद्मजा उर्फ पूजा विधानी को टिकट दिया। उन्होंने कांग्रेस के प्रमोद नायक को बड़े अंतर से पराजित कर मेयर की कुर्सी हासिल की है।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

अनियंत्रित स्कॉर्पियो के पलटने से दो की गई जान, ट्रक ने एक को रौंदा

गिरिडीह, 28 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। बिरनी थाना क्षेत्र के सलेडीह गांव में एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई।

इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। जबकि बगोदर थाना क्षेत्र के हेसला गांव में ट्रक ने एक युवक को रौंद दिया। दोनों ही मामले में पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा मामले की जांच में जुट गई है।

बिरनी थाना क्षेत्र की घटना में 6 लोग स्कॉर्पियो से भरकठा से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सलेडीह गांव में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का संतुलन बिगड़ गया और वो सड़क किनारे पलट गई।

इस हादसे में सलेडीह गांव के 19 वर्षीय आकाश राय और मधुबन थाना क्षेत्र के बिट्टू तुरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि स्कॉर्पियो सवार मधुबन थाना क्षेत्र के विवेक कुमार, जतिन कुमार, डब्लू राय और संतोष राय गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद सभी घायलों को गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों के अनुसार, तेज रफ्तार की वजह से यह घटना हुई।

वहीं, दूसरे सड़क हादसे में बगोदर थाना क्षेत्र के हेसला गांव निवासी श्याम सिंह की मौत हो गई।

श्याम सिंह हेसला गांव निवासी काजू सिंह के पुत्र थे। श्याम को ट्रक ने कुचल दिया। ट्रक बगोदर से डुमरी की ओर जा रहा था और हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया।

भारत की चिकन नेक को बांग्लादेश से खतरा

जेहादियों के साथ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई हो गई है एक्टिव

ढाका, 28 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के जाने के बाद फैली अशांति और पाकिस्तान परस्त कट्टरपंथियों की बढ़ती ताकत भारत के लिए खतरा बन सकती है। खासतौर पर सिलीगुड़ी कॉरिडोर इस खतरे की जद में आ सकता है, जो पूर्वोत्तर के 8 राज्यों के लिए भारत का प्रवेश द्वार है। इस क्षेत्र की भौगोलिक विशेषता ऐसी कमजोरी पैदा करती है, जिनका विरोधी तत्व फायदा उठा सकते हैं। हाल ही में सीमा पार से पकड़े गए संदिग्ध रेडियो सिग्नलों ने ये आशंका और बढ़ा दी है। ये बताता है कि बांग्लादेश के जिहादी पाकिस्तान की कुख्यात आईएसआई के साथ मिलकर भारत के खिलाफ नापाक मंसूबों को अंजाम दे रहे हैं।

यह कॉरिडोर भारतीय क्षेत्र उत्तर बंगाल को असम से और नेपाल, भूटान और बांग्लादेश को क्रमशः पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से जोड़ता है। इसका सबसे छोटा विस्तार 20 किमी है, जो भारत-

नेपाल सीमा पर नक्सलबाड़ी और भारत-बांग्लादेश सीमा पर फांसीदेवा के बीच है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर परंपरागत खतरा नहीं है, क्योंकि आमना-सामना सामना हुआ तो भारतीय सशस्त्र बल मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता रखते हैं। असली खतरा अपरंपरागत है। बांग्लादेश के रास्ते अवैध घुसपैठ लगातार जारी है, जिसके चलते जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहा है। इसे सीमा पार से समर्थन मिल रहा है। बांग्लादेश से अवैध आप्रवास इस क्षेत्र के लिए शाप की तरह रहा है। इसने कस्बों और गांवों की आबादी में जातीय रचना को प्रभावित किया है।

ट्रिब्यून इंडिया में लिखे एक लेख में लेफ्टिनेंट जनरल (रिटा) प्रदापी बाली बांग्लादेश में शेख हसीना के जाने के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच उभरते गठबंधन क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए अच्छा संकेत नहीं बताते हैं। हसीना के पतन के बाद उभरे कट्टरपंथी पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकी बढ़ाने में लगे हैं।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर समेत बांग्लादेश के साथ 4096 किलोमीटर लंबी सीमा की रक्षा भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) निभाता है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ खुद को बांग्लादेश और भारतीय गांवों और कस्बों में फंसा हुआ महसूस करता है। बांग्लादेश से अवैध रूप से घुसे लोग और उनके भारतीय समर्थक इन इलाकों में रहते हैं। इन लोगों के माध्यम से मानव तस्करी के साथ ही पशु और नशीली दवाओं की तस्करी का विरोध किया जाता है। पूर्व सैन्य अधिकारी ने इस कॉरिडोर पर ध्यान केंद्रित किए जाने पर जोर दिया और बीएसएफ को अधिक ताकतवर बनाने की बात कही। सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा खुफिया एजेंसियों का है, जिन्हें काम करना होगा। खुफिया विफलताओं से ही सारी शुरूआत होती है और एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का खेल शुरू हो जाता है।

पालतू बिल्लियों में मिला बर्ड फ्लू

देश में पहले मामले से स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

छिंदवाड़ा, 28 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा शहर में बर्ड फ्लू (एच5एन1) से पालतू बिल्लियों की मौत का मामला सामने आया है। इसने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अगली एक महीने तक छिंदवाड़ा में पूरी तरह से मटन-चिकन और अंडों की खरीदी-बिक्री पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके साथ ही संक्रमित क्षेत्रों में सभी मटन और चिकन शॉप को सील कर दिया है।

डॉक्टर जीएस पक्षवार ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों छिंदवाड़ा में लगभग 18 बिल्लियों की मौत हो गई थी। जिसके बाद 15 जनवरी को 4 और 22 जनवरी को 3 बिल्लियों के सैंपल लेकर जांच के लिए पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी भेजे गए थे। 31 जनवरी को आई रिपोर्ट में इनमें से दो पालतू बिल्लियों के सैंपल H5N1 (बर्ड फ्लू) पॉजिटिव मिले थे। देश में ऐसा पहली बार है जब घरेलू बिल्लियों में बर्ड फ्लू पाया गया है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जीएस पक्षवार ने बताया कि मृत बिल्लियों को कच्चा मांस 2 मीट शॉप से लाकर खिलाया गया था। उन 2 दुकानों विक्की चिकन सेंटर और नावेल्टी सेंटर के यहां सैंपलिंग की गई, जिसमें बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। प्रभावित क्षेत्र में प्रोटोकॉल का पालन कर संबंधित क्षेत्र में मटन, मुर्गी और अंडों को नष्ट किया गया था। साथ ही मार्केट में इनके क्रय विक्रय पर पाबंदी लगा दी गई थी।

शहरी क्षेत्र छिंदवाड़ा में पशु विभाग की ओर से लिए गए सैंपल में 2 बिल्लियों के सैंपल में एच5एन1 पॉजिटिव पाए जाने के बाद सीएमएचओ ने एक टीम बनाई थी। टीम ने संक्रमित क्षेत्र में बिल्लियों के संपर्क में आए 65 व्यक्तियों के सैंपल बर्ड फ्लू की जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी, पुणे भेजे गए थे। सभी 65 सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आने से फिलहाल छिंदवाड़ा में बर्ड फ्लू का खतरा टल गया है।

अमेरिकी एफ-35 बनाम चीनी जे-35ए लड़ाकू विमान

भारत और पाकिस्तान में अगर स्टील्थ फाइटर जेट की जंग होती है तो कौन जीतेगा?

इस्लामाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की रेस में लगे हुए हैं। भारत को जहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफ-35 लाइटनिंग II का ऑफर दिया है, वहीं पाकिस्तान ने पिछले साल चीन से जे-35ए पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के अधिग्रहण की घोषणा की थी। यानि दोनों ही देश फिफ्थ जेनरेशन लड़ाकू विमान हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। लिहाजा सवाल उठ रहे हैं कि अगर दोनों ही देश स्टील्थ फाइटर जेट हासिल कर लेते हैं तो दक्षिण एशिया में कैसे युद्ध का माहौल बदल जाएगा।

हालांकि हम किसी युद्ध की कामना नहीं करते हैं लेकिन फिर भी दोनों देशों के बीच अत्याधुनिक हथियारों को हासिल करने की होड़ किसी ना किसी दिन खतरनाक मोड़ पर पहुंच सकती है। ऐसे में सवाल ये हैं कि फर्ज कीजिए किसी दिन भारत और पाकिस्तान के फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट्स किसी युद्ध में फंसते हैं तो क्या होगा? इस युद्ध का आखिरी विजेता कौन होगा, युद्ध कैसे लड़ा जाएगा, पायलट्स की भूमिका कैसी होगी, इन तमाम सवालों के जवाब आइये जानने की कोशिश करते हैं।

कैसी होगी पांचवीं पीढ़ी के विमानों की लड़ाई?

फर्ज कीजिए कि 2028 में एलओसी पर भारत और पाकिस्तान में युद्ध छिड़ जाए, जिसमें दोनों देश अपने अपने स्टील्थ लड़ाकू विमानों को तैनात कर दे। भारतीय वायुसेना श्रीनगर से एफ-35ए का एक स्क्वाड्रन उतारती है, जिसका काम भारतीय जमीनी बलों के लिए खतरा पैदा करने वाले पाकिस्तानी वायुसेना के ठिकानों को बेअसर करना होगा। साथ ही, पाकिस्तानी वायुसेना स्कार्दू से जे-35ए तैनात करती है, जिसका मकसद हवाई श्रेष्ठता स्थापित करना और जवाबी हमले में सहायता करना है। एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट की सबसे बड़ी खासियत दुश्मनों के विमानों का पता लगाना और उनकी सटीक स्थिति पता करना है। इसमें डीएएस टेक्नोलॉजी है, जो इसे शुरुआती पहचान में बढ़त देते हैं। भारत के नेत्र या फाल्कन सिस्टम जैसे ऑर्बिटिंग एडब्ल्यूएसीएस, ग्राउंड-बेस्ड रडार के साथ मिलकर, एफ-35 को डेटा रिले करेंगे, जिससे उन्हें पाकिस्तान के जे-35एएस को उनके कम आरसीएस के बावजूद उन्हें ट्रैक करने में मदद करेगी। हालांकि पाकिस्तान के जे-35 फाइटर जेट को चीनी केजे-500 एडब्ल्यूएसीएस या पाकिस्तान के जडडीके-03 से समर्थन मिलेगा, जिससे वो भारत के एफ-35 का पता लगाने के लिए अपने एईएसए रडार और ग्राउंड स्टेशनों के साथ डेटा-लिंक पर निर्भर करेंगे। लेकिन एफ-35 के पास बेहतरीन इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं-दुश्मन के सेंसर को जाम करने की क्षमता है, लिहाजा पाकिस्तानी एयरफोर्स भारत के एफ-35 फाइटर जेट की काफी देर से पहचान कर पाएंगी। जिससे युद्ध में पहला हमला करने की क्षमता भारत के पास होगी।

आईडीआरडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक फेज-2 की लड़ाई में दृश्य-सीमा से परे टेक्नोलजी, जिसे बीवीआर कहा जाता है, उसकी ताकत काम में आएगा। लेकिन इसमें दोनों ही फाइटर जेट्स शानदार हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एफ-35 का एआईएम-120डी (रेंज 180 किमी) और सेंसर फ्यूजन जे-35ए के पीएल-15 से बेहतर हो सकता है। इसके अलावा इंडियन एयरफोर्स के पायलट सैटेलाइट के जरिए डेटा हासिल करने लगेंगे और उनके पास जमीन पर मौजूद नेटवर्क से मिल रहे डेटा से फायदा उठाने का शानदार मौका होगा।

कनाडा को जासूसी गैंग से निकालने पर तुले ट्रम्प

पांच देशों के इस ग्रुप में दुनिया के सबसे खतरनाक जासूस

वॉशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड टीम पाकिस्तान दौरे पर गई थी। रावलपिंडी में दोनों देशों के बीच वनडे मैच होने वाला था। मैच शुरू होने से कुछ मिनट पहले न्यूजीलैंड टीम ने ऐलान किया कि वह फील्ड में नहीं उतरेगी। कुछ ही घंटे बाद अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर पाकिस्तान से निकल गई। पाकिस्तान से लेकर इंटरनेशनल मीडिया तक न्यूजीलैंड के इस फैसले से हैरान रह गई। 48 घंटे बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी वसीम खान ने बताया कि 'फाइव आइज' की तरफ से न्यूजीलैंड को सिक्योरिटी अलर्ट मिला था। इसमें आतंकी हमला होने की आशंका जाहिर की गई थी। आज 4 साल बाद एक बार फिर से फाइव आइज चर्चा में है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प कनाडा को 5 देशों के खुफिया ग्रुप 'फाइव आइज' से बाहर निकालने की योजना बना रहे हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि फाइव आइज क्या है, कनाडा को इस गठबंधन से बाहर करने की चर्चा क्यों शुरू हुई है?

जैसा नाम से साफ है कि यह पांच देशों का एक संगठन है। इसके मेंबर एक दूसरे के साथ खुफिया इनपुट साझा करते हैं और कई मामलों में साथ मिलकर भी काम करते हैं। इसमें अमेरिका और उसके सहयोगी कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं। फाइव आइज को दुनिया का सबसे ताकतवर इंटेलिजेंस नेटवर्क भी माना जाता है। इस अलायंस का सबसे बड़ा मकसद आतंकवाद को रोकना और नेशनल सिक्योरिटी के लिए काम करना है। फाइव आइज अलायंस की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के समय हुई। अमेरिका और ब्रिटेन के बीच 1943 में ब्रिटिश-यूएस कम्युनिकेशन इंटेलिजेंस एग्रीमेंट (बीआरयूएसए) हुआ। यह तय हुआ कि दोनों देशों के कोड-ब्रेकर्स साथ मिलकर जर्मनी और जापान के कम्युनिकेशन कोड्स को तोड़ने का काम करेंगे।

दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ इंटेलिजेंस इनपुट साझा करना शुरू किया। जंग में उन्हें इस का फायदा भी मिला। जंग जीतने के बाद अमेरिका-ब्रिटेन ने इस अलायंस को जारी रखने का फैसला किया। साल 1946 में इस एग्रीमेंट को नया नाम- यूकेयूएसए एग्रीमेंट दिया गया। साल 1949 में कनाडा भी इससे जुड़ गया। इसके बाद 1956 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गए। इसके बाद इसका नाम फाइव आइज पड़ा।

फाइव आइज अलायंस कंट्रीज अपने पार्टनर के इंट्रेस्ट को ध्यान में रखते हुए काम करती हैं और एक दूसरे के लिए इंटेलिजेंस इनपुट जुटाती हैं। इसमें सभी सदस्य देशों की 20 से ज्यादा एजेसियां जुड़ी हुई हैं। कई दशकों तक यह अलायंस गुप्त तौर पर काम करता रहा। जर्नल ऑफ कोल्ड वॉर स्टडीज में छपे एक लेख के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में साल 1972 में गॉफ व्हिटलैम प्रधानमंत्री बने थे। उन्हें एक साल बाद पता चला कि फाइव आइज नाम का कोई अलायंस भी अस्तित्व में है।

साल 1999 तक किसी भी सदस्य देश ने इस अलायंस के होने का खुलासा नहीं किया था। पहली बार साल 2010 में फाइव आइज से जुड़े एग्रीमेंट को सार्वजनिक किया गया।

फाइव आइज का सचिवालय अमेरिका में है। इस अलायंस में अमेरिका ही सबसे ज्यादा इंटेलिजेंस शेयर करता है।

बेटी कोमा में, सरकार के दखल से मिला यूएस वीजा

सतारा की नीलम शिंदे का कैलिफोर्निया में एक्सीडेंट, सिर में गंभीर चोट

कैलिफोर्निया, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारतीय छात्रा नीलम शिंदे के परिवार को इमरजेंसी वीजा दे दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के दखल के बाद यह संभव हुआ। उनके पिता ने विदेश मंत्रालय से इमरजेंसी वीजा की अपील की थी।

नीलम शिंदे (35) को 14 फरवरी को कैलिफोर्निया में कार ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद वह कोमा में चली गई। आरोपी वाहन चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नीलम महाराष्ट्र के सतारा जिले की रहने वाली हैं। 4 साल से अमेरिका में रह रही हैं।

परिवार के मुताबिक नीलम आईसीयू में भर्ती हैं। उनके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हैं। सिर में गंभीर चोट है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने ब्रेन की सर्जरी के लिए परिवार से अनुमति मांगी है। नीलम की देखभाल के लिए परिवार का वहां रहना जरूरी है।

नीलम पिता ने अमेरिकी दूतावास से इमरजेंसी वीजा की मांग की थी। दूतावास ने आज सुबह 9 बजे इंटरव्यू के लिए बुलाया था। पिता तानाजी शिंदे ने बताया कि उन्हें इस दुर्घटना की जानकारी 16 फरवरी को मिली थी।

शिंदे परिवार वीजा आवेदन के लिए स्लॉट बुक कर रहा था, लेकिन उन्हें अगले साल की तारीख मिल रही थी। इसके बाद एनसीपी(शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर मामला उठाया, साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद की अपील की।

परिवार के किसी सदस्य की मौत, गंभीर बीमारियों के इलाज या मानवीय संकट जैसी स्थिति में अमेरिका दूसरे देशों के नागरिकों को इमरजेंसी वीजा जारी करता है। आवेदन से लेकर वीजा जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया में 2 से 5 दिन लग सकते हैं।

आमतौर पर इमरजेंसी वीजा अपॉइंटमेंट कुछ दिनों के भीतर मिल सकता है। अगर मंजूरी मिल जाती है, तो यह 24 से 48 घंटे के भीतर जारी किया जा सकता है।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

पाकिस्तान में रमजान से पहले मदरसे में धमाका, 4 और लोग भी मारे गए

इस्लामाबाद, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। इस हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है।

मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी। हक्कानी ने पिछले साल ही अफगानिस्तान का दौरा किया था और तालिबान नेताओं से मुलाकात की थी। हक्कानी ने कहा था कि उसकी यात्रा का मकसद पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर करना है। जामिया हक्कानिया मदरसा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता आया है। इसी मदरसे के छात्रों पर पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की हत्या में शामिल होने का आरोप है।

ट्रम्प ने ब्रिटिश पीएम से पूछा- रूस से अकेले निपट पाओगे

स्टार्मर हंसकर टाल गए, यूक्रेन में शांति कायम करने पर बात हो रही थी

वाशिंगटन, 28 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर को चैलेंज करते हुए पूछ लिया कि क्या वे अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? पत्रकारों के सामने ट्रम्प का यह सवाल सुनकर स्टार्मर चौंक गए। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को ट्रम्प से मुलाकात की। इसके बाद दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रम्प से सवाल पूछा गया था कि यदि यूक्रेन में ब्रिटिश सेना तैनात होती है तो क्या अमेरिका उनकी मदद करेगा?

ट्रम्प ने पहले 'नहीं' कहा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश अपना ख्याल बहुत अच्छे से रख सकते हैं। कुछ ही देर बाद उन्होंने कहा कि यदि ब्रिटेन को मदद की जरूरत होगी तो अमेरिका उनका साथ देगा। फिर ट्रम्प, स्टार्मर की तरफ मुड़े और उनसे पूछ लिया- क्या आप अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? इस पर स्टार्मर कोई जवाब नहीं दे सके और मुस्कुराकर रह गए। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन जंग रोकने के लिए शुरू हुई बातचीत अब बहुत आगे बढ़ चुकी है। वहीं, स्टार्मर ने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि जंग पूरी तरह स्थायी हो और किसी एक पक्ष को इसका फायदा न हो। स्टार्मर ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'शांति वैसी नहीं हो सकती जो हमलावर को फायदा पहुंचाती हो या फिर ईरान जैसी शासन व्यवस्था को बढ़ावा देती हो। इतिहास को शांति निर्माता के पक्ष में होना चाहिए, आक्रमणकारी के पक्ष में नहीं।' रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने को लेकर स्टार्मर ने कहा कि उनकी ट्रम्प के साथ एक प्लान को लेकर बातचीत हुई है। इससे यूक्रेन को मदद मिलेगी। रूस को यूक्रेन में कार्रवाई के लिए वापस आने से रोकने के लिए यूक्रेन योजना बनाएगा। ब्रिटेन और अमेरिका पूरी ताकत के साथ मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे शांति बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि यूरोप को आगे आना चाहिए। ब्रिटेन पूरी तरह से इसमें शामिल है।

स्टार्मर ने कहा कि इस साल, 'हम यूक्रेन को पहले से कहीं अधिक सैन्य सहायता देंगे। हम पहले से ही नाटो में सबसे अधिक खर्च करने वालों में से एक हैं।'

नेपाल के विदेश मंत्री का विमान कोलकाता डायवर्ट

खराब मौसम की वजह से काठमांडू में नहीं हो सकी लैंडिंग

काठमांडू, 28 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल के विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा को लेकर काठमांडू जा रहा कतर एयरवेज का विमान शुक्रवार को कोलकाता की ओर मोड़ना पड़ा। खराब मौसम के कारण त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उसकी लैंडिंग नहीं हो सकी। हवाई अड्डे पर उतरने में नाकाम रहने के बाद विमान को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। 63 वर्षीय देउबा जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भाग लेने के बाद नियमित उड़ान से घर लौट रहे थे। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सूत्रों के मुताबिक, दोहा से कतर एयरवेज का विमान खराब मौसम के बीच कोलकाता में उतरा। पश्चिमी निम्न दबाव की वजह से शुक्रवार सुबह काठमांडू घाटी में हल्की बारिश हुई, जिससे दृश्यता कम हो गई। हवाई अड्डे के एक कर्मचारी ने कहा कि कोलकाता डायवर्ट किया गया कतर एयरवेज का विमान मौसम सामान्य होने पर नेपाल वापस लौटेगा।

देउबा को छोड़कर विमान में यात्रियों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

समलैंगिक जोड़े को सार्वजनिक कोड़े मारे

लोगों ने कमरे में संबंध बनाते पकड़ा था, 3 महीने से जेल में बंद थे

जकार्ता, 28 फरवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के आचेह राज्य में गुरुवार को समलैंगिक संबंध के आरोप में दो लोगों को सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इस्लामी कानून के तहत काम करने वाली एक अदालत ने इन्हें यौन संबंधों का दोषी पाया था।

दोनों आरोपी एक लोकल यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट हैं। इन्हें पिछले साल नवंबर में लोगों ने किराये के कमरे यौन संबंध बनाते हुए पकड़ा था। इसके बाद दोनों को शरिया पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों आरोपियों को आचेह राज्य की राजधानी बांदा आचेह के पार्क में सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इसमें रिश्ते के लिए पहल करने वाले को 82 और दूसरे को 77 कोड़े मारे गए। ये लोग 3 महीने से हिरासत में बंद थे, इसके मद्देनजर इन लोगों की सजा में तीन कोड़े कम कर दिए गए। इंडोनेशिया के दूसरे राज्यों से इतर आचेह में समलैंगिक संबंध अवैध हैं। जहां इस्लामी कानूनी शरिया लागू हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं इस सजा का विरोध करते हुए इसे समलैंगिक समुदाय के खिलाफ भेदभाव बताया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सजा को हेट क्राइम बताया।

ऑनलाइन जुआ खेलने के आरोप में गुरुवार को उसी पार्क में दो लोगों को क्रमशः 34 और 8 बार कोड़े मारे गए। इंडोनेशिया दुनिया में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है। इंडोनेशिया के ज्यादातर हिस्सों में समलैंगिकता अवैध नहीं है, लेकिन इसे आम तौर पर वर्जित माना जाता है।

2020 में प्यू रिसर्च के एक सर्वे में 80% इंडोनेशियाई लोगों का मानना था कि समलैंगिकता को समाज द्वारा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। आचेह इंडोनेशिया में इस्लामी कानून का पालन करने वाला एकमात्र मुस्लिम राज्य है। यहां 2014 में समलैंगिकता संबंध पर बैन लगा दिया गया था। सुमात्रा द्वीप के उत्तरी सिरे पर स्थित इस राज्य में चोरी, जुआ और व्यभिचार जैसे अपराधों के लिए भी कोड़े मारने की सजा दी जाती है।

32 लाख के इनामी 7 नक्सलियों का सरेंडर

38 जवानों की शहादत के हैं जिम्मेदार, इनमें एक नक्सली दंपती और हिड़मा का गार्ड भी

जगदलपुर, 28 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 32 लाख रुपए के 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें एक दंपती भी शामिल है। 3 माओवादियों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम है। ये तीनों नक्सलियों की बटालियन नंबर 1 के सदस्य हैं। नक्सली हिड़मा और देवा के साथ काम कर चुके हैं। जबकि अन्य 4 नक्सली 2-2 लाख रुपए के इनामी हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। दरअसल, आत्मसमर्पित नक्सलियों में रव्वा मूके उर्फ भीमे और हेमला हिड़मा एक ही टीम में काम करते थे। दोनों को एक-दूसरे से प्यार हुआ। फिर दोनों ने बड़े लीडरों से अनुमति ली और शादी कर ली। लेकिन नक्सली लीडर्स ने इन्हें बच्चे की इजाजत नहीं दी। ये दोनों अपना घर बसाना चाहते थे। इसलिए सरेंडर करने का मन बनाया। नक्सल संगठन में रहते ये दोनों इंसास जैसे हथियार चलाते थे। मीनपा, टेकलगुडेम में जवानों पर हमला कर करीब 38 जवानों की हत्या में शामिल थे। इन दोनों पर छत्तीसगढ़ पुलिस ने 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। दोनों ने अब हथियार डाल दिए हैं। इसके अलावा इन्हीं की टीम के एक और नक्सली बारसे सोना ने भी सरेंडर किया है। बारसे पर भी 8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। ये दक्षिण सब जोनल बस्तर ब्यूरो मोपोस टीम इंचार्ज, बटालियन नंबर 1 का राजनीति इंचार्ज और एसजेडसीएम सन्नू दादा का गार्ड था।

इजराइली सेना की नाकामी से हुआ 2023 का आतंकी हमला

रिपोर्ट में खुलासा- हमास की ताकत को कम आंका, 1200 जानें गई थीं

तेल अवीव, 28 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइली सेना की एक जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर 2023 का आतंकी हमला उसके गलत आकलन की वजह से हुआ था। इजराइली सेना ने फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास की क्षमताओं को कम करके आंका था। यह उसकी नाकामी थी।

गुरुवार को जारी इस रिपोर्ट के बाद माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर हमले से पहले किए गए राजनीतिक फैसले की जांच के लिए दबाव बनेगा। दरअसल 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल में बॉर्डर एरिया पर एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान हमला किया था। इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 को बंधक बना लिया गया था। हमास ने इसे 'अल-अक्सा फ्लड' ऑपरेशन नाम दिया था। इसके जवाब में इजराइल ने कुछ घंटे बाद हमास के खिलाफ 'सोड्र्स ऑफ आयरन' ऑपरेशन शुरू किया था। सेना का आकलन था कि हमास सिर्फ गाजा पर रूल करना चाहता है, इजराइली सेना से लड़ना उसका प्रमुख मकसद नहीं था। सेना ने हमास की क्षमताओं का गलत आकलन किया। सेना के अधिकारियों का अनुमान था कि सबसे खराब हालात में भी हमास सिर्फ 8 इलाकों से जमीनी हमला कर सकता है। इसके उलट हमास के पास हमले के लिए 60 से ज्यादा रास्ते थे। 7 अक्टूबर 2023 से भी पहले हमास तीन मौकों पर हमला करने के लिए तैयार था, लेकिन अलग-अलग वजहों से इसमें देरी हो गई। हमले से कुछ घंटे पहले ही इस बात के संकेत मिल गए थे कि कुछ गड़बड़ है। हमास लड़ाकों ने अपने फोन इजराइली नेटवर्क पर स्विच कर लिए थे।

इजराइली सैन्य अधिकारी का कहना है कि खुफिया जानकारी से पता चला है कि 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार (जो पिछले अक्टूबर में मारा गया) ने 2017 से ही हमले का प्लान बनाना शुरू कर दिया था। रिपोर्ट में बताया गया है इजराइली सेना का अति आत्मविश्वास और पहले तय धारणाओं में बहुत ज्यादा भरोसा हमले के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट में किसी भी सैनिक या अधिकारी को दोषी नहीं बताया गया है।

कई इजराइली लोगों का मानना है कि 7 अक्टूबर की गलती के लिए नेतन्याहू जिम्मेदार हैं। लोगों का मानना है कि हमले से पहले भी नेतन्याहू की सरकार ने कई गलत फैसले लिए थे।

अक्टूबर 2023 से शुरू हुई इजराइल हमास जंग की वजह से गाजा में रहने वाले 21 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। जबकि 40 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। युद्ध के बाद गाजा में खेती के 96% संसाधन तबाह हो चुके हैं और 91% लोग भुखमरी की चपेट में हैं। 16% लोग अकाल जैसे हालात में रह रहे हैं, जबकि 41% आबादी को भोजन की गंभीर कमी है। गाजा पूरी तरह बाहरी मदद पर निर्भर है। दोनों पक्षों के बीच 19 जनवरी को सीजफायर डील हुई है, जिसमें दोनों एक दूसरे बंधकों की रिहाई पर सहमत हो गए हैं।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण को लेकर इजराइल और हमास में बातचीत शुरू

समझौते पर मंडरा रहा खतरा टला

तेल अवीव, 28 फरवरी (एजेंसियां)। गाजा में संघर्ष विराम के अगले चरण को लेकर इजराइल और हमास के बीच वार्ता गुरुवार को शुरू हो चुकी है। मिस्र ने इसकी जानकारी साझा की है। समझौते का पहला चरण शनिवार को समाप्त होना है, उससे पहले दोनों पक्षों के बीच वार्ता आरंभ होने से समझौते पर मंडरा रहा खतरा फिलहाल टल गया है। मिस्र की सरकारी सूचना सेवा ने एक बयान में कहा कि इजराइल, कतर और अमेरिका के अधिकारियों ने काहिरा में संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर गहन चर्चाएं आरंभ कर दी हैं। बयान के मुताबिक, मध्यस्थ, गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति बढ़ाने के रास्तों पर भी चर्चा कर रहे हैं। दूसरे दौर की वार्ता का उद्देश्य युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करना है, जिसमें गाजा में बचे हुए सभी जीवित बंधकों की वापसी और क्षेत्र से सभी इजराइली सैनिकों को वापस बुलाया जाना शामिल है। तीसरे चरण में शेष मृतक बंधकों के शव सौंपने पर चर्चा होगी। दरअसल, इजराइल संघर्ष विराम के तहत गाजा में एक रणनीतिक गलियारे से पीछे नहीं हटेगा। इस फैसले से संघर्ष विराम को लेकर हमास और प्रमुख मध्यस्थ मिस्र के साथ संकट पैदा हो सकता था।

हालांकि, बहुत कुछ पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ पर निर्भर करेगा, जो आने वाले दिनों में क्षेत्र की यात्रा कर सकते हैं। इजराइल के अनुसार, अब भी 59 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से 24 जीवित हो सकते हैं। वार्ता शुरू होने से कुछ घंटे पहले एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि उनका देश गाजा में स्थित रणनीतिक गलियारे से सैनिकों को वापस नहीं बुलाएगा।

इजराइल के इस फैसले से वार्ता में चुनौतियां पेश आ सकती हैं। इससे पहले हमास की ओर से बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजराइली समूह ने कहा कि गुरुवार तड़के लौटाए गए सभी चार बंधकों के शवों की पहचान कर ली गई है। 'होस्टेजेस एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' ने बताया कि ओहाद याहालोमी, इत्जाक एल्गरात और श्लोमो मंत्जूर, साशी इदान के शवों की पहचान हो गई है।

अनीता हत्याकांड में सीबीआई को ब्यूटीपार्लर से आईपैड मिला

जोधपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड मामले में दिल्ली सीबीआई टीम जांच कर रही है। सीबीआई टीम ने आज मृतका के घर और ब्यूटी पार्लर में छानबीन की। घर में उनके पति और बेटे से पूछताछ की। सीबीआई अलग-अलग अनीता की कॉल रिकॉर्डिंग, अनीता को बुलाने से गुलामुद्दीन की किस-किस से बातचीत हुई, अनीता की सहेली का बयान बदलना सहित कई पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस चार्जशीट में मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन को बनाया गया है। उसकी पत्नी अबेदा को सह आरोपी बनाया गया है। वहीं तैयब अंसारी और सुनीता को नामजद किया गया है।

पिछले साल 30 अक्टूबर 2024 को सामने आए इस हत्याकांड से जुड़े 5 सवाल हैं, जिनके जवाब सीबीआई ढूंढ रही है। सबसे बड़ा आरोप 10 लाख की सुपारी देकर मर्डर करवाने का है। वहीं, अनीता चौधरी की सहेली सुनीता की भूमिका पर भी संदेह है।

सीबीआई एसपी की अगुवाई में टीम अनीता चौधरी के सरदारपुरा स्थित ब्यूटी पार्लर पर पहुंचे। पार्लर से एक पुराना आईपैड मिला है, जिसे कब्जे में लिया गया है। इसके बाद अनीता के घर पर पहुंची। घर में उनके पति मनमोहन चौधरी और बेटे राहुल से बात की। दोनों से जाना कि पिछले दो-तीन साल में किसी से कोई विवाद, प्रोपर्टी लेन-देन या कोई और विवाद के बारे में पूछताछ की गई। पार्लर और घर से मिले कागजों को खंगाला गया। करीब 2 घंटे जांच के बाद अधिकारी रवाना हुए। करीब 20 दिन पहले भी सीबीआई टीम जोधपुर आई थी। तब मनमोहन चौधरी और राहुल को लालसागर स्थित सीबीआई ऑफिस बुलाकर 7 घंटे तक पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा की थी।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार- अनीता चौधरी को 27 अक्टूबर की दोपहर गंगाणा बुलाने से पहले गुलामुद्दीन की किस-किस से बातचीत हुई थी, ये बात अहम है। इसके साथ ही अनीता की कॉल डिटेल भी महत्वपूर्ण है। संभवतया इसी पहलू पर सीबीआई को कुछ नए संकेत भी मिल रहे हैं, जिसमें शहर के कई रसूखदारों को भी शक के दायरे में रखा जा रहा है। इतना ही नहीं, अंसारी, सुनीता उर्फ सुमन की ओर से बयान बदलना, पहले तैयब अंसारी का नाम लेने और बाद में उससे पलटने में किसी तरह की साजिश होने, गुलामुद्दीन से इसका कोई कनेक्शन होने सहित कई सवाल है, जिनका सीबीआई जवाब ढूंढने के साथ उसके पुख्ता साक्ष्य भी जुटाने के प्रयास में नजर आ रही है।

बेटे की मौत के सदमें में मां ने दम तोड़ा

पाली,28 फरवरी (एजेंसियां)। पाली में 3 दिन के भीतर मां और भाई की मौत होने से 2 बहनें बेसहारा हो गई। मां के शव के पास बैठकर दोनों बहनें रोते हुए कहती रही कि अब उनका क्या होगा।पाली में बेटे की मौत के 2 दिन बाद मां की सदमें में मौत हो गई। पिता की भी करीब 17 साल पहले मौत हो चुकी है। ऐसे में अब 23 और 26 साल की 2 बहनें बेसहारा हो गई। दोनों बहनें मां के शव से लिपटकर रोती नजर आई। बोली कि मां-भाई दोनों छोड़कर चले गए अब उनका क्या होगा।

दरअसल पाली शहर के सर्वोदय नगर में रहने वाले 34 साल के विमल पुत्र मोहनलाल पिछले तीन-चार महीने से सांस की समस्या से बीमार थे। 25 फरवरी को उनकी ज्यादा तबीयत बिगड़ी तो परिजन बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बेटे की मौत से उनकी मां 58 साल तीजादेवी को गहरा सदमा लगा। इसके चलते उनकी भी 27 फरवरी की रात करीब 10 बजे अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। महज 2 दिन के अंतराल में मां-बेटे की मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतका तीजा देवी के भांजे केवलचंद चौहान जैतारण ने बताया कि उनके मौसा मोहनलाल की वर्ष 2007 में बीमारी के कारण मौत हो गई थी। ऐसे में मौसी तीजा देवी ने मजदूरी कर बेटे विमल और 4 बेटियों शीला, शारदा, अरूणा, मनीषा का पालन पोषण किया। शीला और शारदा की शादी उन्होंने कर दी थी। लेकिन 23 साल की अरूणा और 26 साल की मनीषा अभी अविवाहित है।

मृतका तीजा देवी के जवाई रमेश चौहान ने बताया कि उनकी सास तीजा देवी को हार्ट की समस्या थी।

रेप-ब्लैकमेल कांड का फरार कैफे संचालक कर्नाटक से गिरफ्तार

फांसी की मांग को लेकर किशनगढ़ बंद; अब तक 13 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

अजमेर,28 फरवरी (एजेंसियां)। ब्यावर जिले में हुए बिजयनगर रेप-ब्लैकमेल कांड में पुलिस ने गुरुवार रात कर्नाटक से फरार चल रहे कैफे संचालक को गिरफ्तार कर लिया। यह वही आरोपी है जिसके कैफे में नाबालिग के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया गया था। बिजयनगर पुलिस की टीम आरोपी को कर्नाटक से लेकर राजस्थान आ रही है। मामले में अब तक कुल 13 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। जिनमें 3 नाबालिग भी शामिल हैं। पकड़े गए आरोपियों में से 8 को जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक पूर्व पार्षद को 5 दिन के पुलिस रिमांड पर है।

दोषियों को फांसी की मांग को लेकर आज किशनगढ़ में बाजार बंद किया गया है। शाम 5 बजे अजमेर में विरोध रैली निकाली जाएगी। इसके साथ ही 1 मार्च को अजमेर बंद का ऐलान किया है। जांच में पता चला कि आरोपी नाबालिग पीड़िता को स्कूल जाते समय रास्ते में रोकते थे। उस पर कैफे और होटलों में जाने का दबाव बनाते थे। इतना ही नहीं, धर्म परिवर्तन के लिए उससे कलमा पढ़वाते और रोज़ा रखने के लिए मजबूर करते थे।

कर्नाटक से कैफे संचालक गिरफ्तार

बिजयनगर थाना सीओ सज्जन सिंह ने बताया- मामले में फरार कैफे संचालक सांवरलाल की पुलिस की 3 टीम अलग-अलग राज्यों में तलाश कर रही थी। इस दौरान उसके कर्नाटक में होने का इनपुट मिला। एक टीम कर्नाटक पहुंची और उसे गिरफ्तार किया। उसे बिजयनगर लाया जा रहा है। आरोपी के कैफे में नाबालिग से रेप की वारदात हुई थी।

बाबा खाटूश्याम का फाल्गुन मेला शुरू

11 मार्च तक लाखों लोग करेंगे दर्शन

सीकर,28 फरवरी (एजेंसियां)। सीकर के बाबा खाटूश्याम का वार्षिक फाल्गुन मेला शाम 5 बजे से मंदिर में दर्शन शुरू हो गया है। 11 मार्च तक चलने वाले इस मेले में लाखों की संख्या में देश के अलग-अलग राज्यों से भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे।

मंदिर परिसर में इस बार वैष्णो देवी और शीश के दानी थीम पर सजावट की गई है। मंदिर के सिंह द्वार पर बर्बरीक श्रीकृष्ण को अपना शीशदान करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही मंदिर में वैष्णो देवी की तर्ज पर लाल कपड़े से बंधे नारियल और घंटियां लगी हुई नजर आएगी।

दर्शन के लिए लगेंगी 14 लाइन

भक्तों को पिछले साल की तरह ही 14 लाइन से होकर बाबा की चौखट तक पहुंचना होगा। रींगस से खाटू तक कारपेट बिछाया जाएगा। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को खाटू धाम पहुंचने के बाद 8 किलोमीटर का सफर तय बाबा के दर्शन होंगे।

रींगस रोड से आने भक्तों को नगरपालिका के नजदीक मुख्य प्रवेश द्वार से होकर आना होगा। यहां से वे हुए चारण मैदान पहुंचेंगे। चारण मैदान में टीन शेड से कवर अस्थाई जिगजैग बनाया गया है। इस जिगजैग से होते हुए लखदातार मैदान में पहुंचेंगे।

दांता रोड से आने वाले भक्तों को लाला मांगीराम धर्मशाला के पास से जिगजैग से प्रवेश करवा कर लखदातार मेला ग्राउंड तक आएंगे। यहां से भक्त 75 फीट के मुख्य मेला मैदान की 14 सीधी लाइनों में प्रवेश करेंगे। इस तरह रींगस रोड से बाबा के दर तक आने में करीब 5 घंटे से ज्यादा का समय लग जाएगा। भीड़ नहीं होने पर 4 लाइनों से ही दर्शनों के लिए भेजा जाएगा।

मेला प्रभारी व एसडीएम मोनिका सामोर ने बताया- पिछली बार चारण खेत में दर्शनों के लिए 7 ब्लॉक बनाए गए थे। इस बार भीड़ को देखते हुए 9 ब्लॉक बनाए गए हैं। सरकारी प्रोटोकॉल वाले वीआईपी को छोड़कर सभी के लिए वीआईपी दर्शन व्यवस्था पूरी तरह बंद रहेगी। दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए दर्शनों की अलग से व्यवस्था की गई है। मंदिर से करीब 250 मीटर की दूरी पर लाला मांगेराम धर्मशाला के पास ही एक अलग लाइन बनाई गई है। व्हील चेयर पर दिव्यांगों को इसी लाइन से मंदिर तक दर्शन कराने ले जा सकेंगे।

पहले दांता रोड से आने वाले भक्त सीधे 40 फीट नए रास्ते के पास पहुंच जाते थे। इससे यहां भीड़ का दबाव बढ़ जाता था।

क्रूजर-ट्रोले में टक्कर, पति-पत्नी सहित 3 की मौत

विदेश में जॉब करने वाले 2 दोस्तों ने दम तोड़ा, महाकुंभ से लौट रहे थे, 9 घायल

बारां,28 फरवरी (एजेंसियां)। बारां में शुक्रवार सुबह 6 बजे तेज रफ्तार ट्रोले ने क्रूजर जीप को टक्कर मार दी। जिसमें कुवैत में काम करने वाले 2 दोस्त और उनमें से एक की पत्नी की मौत हो गई। हादसे में 9 लोग घायल हो गए। क्रूजर जीप सवार सभी लोग प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर वापस डूंगरपुर पर लौट रहे थे। हादसा कस्बा थाना इलाके के देवरी में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुआ। डीएसपी रिछपाल मीणा ने बताया- हादसे में क्रूजर जीप सवार जगदीश (40) पुत्र हीरालाल निवासी सागवाड़ा, भरत (45) पुत्र कचरा निवासी टामरिया, अमृत बाई पत्नी भरत निवासी टामटिया की मौके पर ही मौत हो गई। जिनके शव अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया है।

धमाका दूर तक सुनाई दिया

शाहबाद डीएसपी रिछपाल मीणा ने बताया- प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही क्रूजर जीप डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा की ओर जा रही थी। फरेदुआ पाजन टोरी गांव के पास नेशनल हाईवे 27 पर ओवरटेक करते समय ट्रोले से जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाका दूर तक सुनाई दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

डीएसपी ने बताया कि जीप सवार लोगों के हाथ, पैर, सिर और शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई और लोगों ने जीप में फंसे घायलों को बाहर निकाला।सभी लोग सागवाड़ा के टामटिया गांव से 21 फरवरी को प्रयागराज महाकुंभ के लिए निकले थे। महाकुंभ में स्नान के बाद सभी लोग वापस अपने गांव सागवाड़ा लौट रहे थे।

हादसे में जान गंवाने वाले दोनों दोस्त कुवैत में अच्छी नौकरी करते थे। जगदीश प्रजापत (40) कुवैत में रोजगार के साथ गोभक्त होने के कारण गौशाला में भी सेवा करते थे। वहीं भरत प्रजापत (45) कुवैत में मोटर गैराज में काम करते थे। दोनों परिवार में शादी के चलते महीनेभर पहले ही स्वदेश लौटे थे।

रीट एग्जाम में नकल कराने की कोशिश, 2 गिरफ्तार

1 लाख रुपए कैश और 4 मोबाइल मिले; 2 कैंडिडेट को जनेऊ उतारने के बाद मिली एंट्री

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की रीट- 2024 की एग्जाम के दूसरे दिन नकल कराने की कोशिश में 2 लोगों का गिरफ्तार किया है।

जालोर पुलिस ने बताया कि गुरुवार शाम को पकड़े गए आरोपियों के पास से एक लाख रुपए कैश और 4 मोबाइल भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी परीक्षा शुरू होने से पहले ही हो गई थी। शुक्रवार को केवल एक ही पारी में परीक्षा हुई है। एग्जाम के लिए बोर्ड ने 41 जिलों में सेंटर बनाए थे। रीट के दूसरे दिन भी कैंडिडेट की कड़ी जांच की गई। अलवर में एक महिला कैंडिडेट सूट के बटनों पर कैंची चलाने से नाराज हो गई। डूंगरपुर में दो कैंडिडेट को जनेऊ उतारने के बाद ही एंट्री मिली। अलवर में एक प्रेग्नेंट महिला भी कुछ सेकेंड लेट पहुंची तो उसे एंट्री नहीं मिली।

बिना लाइसेंस 8 साल एसएमएस-हॉस्पिटल में इलाज करता रहा डॉक्टर

अब राजस्थान मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रार, दूसरे डॉक्टर्स की जांच की जिम्मेदारी

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस रिन्यू का जिम्मा ऐसे शख्स के पास है जो खुद करीब 8 साल से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में अवैध तरीके से प्रैक्टिस कर रहा था। ये शख्स है राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में कार्यवाहक रजिस्ट्रार डॉ. गिरधर गोयल। गोयल का खुद का आरएमसी में करवाया रजिस्ट्रेशन 27 अप्रैल 2016 को एक्सपायर हो गया था, जिसे उन्होंने 6 फरवरी 2024 को रिन्यू कराया।

साल 2016 से 2024 के बीच डॉ. गोयल ने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर समेत अन्य विभागों में काम किया। इस दौरान कई मरीजों का इलाज भी किया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक बिना वैध लाइसेंस के कोई भी डॉक्टर प्रैक्टिस करता है तो वह नेशनल मेडिकल कमीशन के नियमों के मुताबिक झोलाछाप डॉक्टर्स की कैटेगिरी में आता है।

डॉक्टर्स का लाइसेंस रिन्यू नहीं होता है और इसको चेक करने और मॉनिटरिंग की व्यवस्थाओं को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग पर अंगुली उठ रही है। आखिर कैसे एक डॉक्टर बिना लाइसेंस रिन्यू हुए एसएमएस में मरीजों का इलाज करता रहा?

डॉक्टर्स का लाइसेंस रिन्यू नहीं होता है और इसको चेक करने और मॉनिटरिंग की व्यवस्थाओं को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग पर अंगुली उठ रही है। आखिर कैसे एक डॉक्टर बिना लाइसेंस रिन्यू हुए एसएमएस में मरीजों का इलाज करता रहा?

सूत्रों के मुताबिक जनवरी 2024 में भजनलाल सरकार की कैबिनेट के एक्टिव होने के बाद RMC में कार्यवाहक रजिस्ट्रार की नियुक्ति को लेकर फाइल चली थी। फाइल में पहले नंबर पर डॉ. गिरधर गोयल का नाम था।

आखिरी मौके पर जब मंत्री स्तर पर रिपोर्ट पहुंची तो पता चला कि डॉक्टर गोयल का करीब 8 साल से लाइसेंस ही रिन्यू नहीं है। ऐसे में आखिरी वक्त में गोयल के नाम का फैसला निरस्त करते हुए डॉ. राजेश शर्मा को कार्यवाहक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया।

मामला सामने आने के बाद आनन-फानन में गोयल ने लाइसेंस रिन्यू के लिए आवेदन किया। नॉर्म्स के मुताबिक आरएमसी ने डॉ. गोयल पर एक हजार रुपए की पेनल्टी लगाई। इसके बाद उनका लाइसेंस 27 अप्रैल 2026 तक के लिए रिन्यू किया है।

करीब पांच महीने पहले दैनिक भास्कर ने आरएमसी में फर्जी तरीके से डॉक्टर के लिए रजिस्ट्रेशन करने के मामले का खुलासा किया था।

जैसलमेर-श्रीगंगानगर में हुई बारिश, जयपुर में बादल छाए

कई जिलों में सर्द हवा से तापमान गिरा, आज ओले गिरने का भी अलर्ट

जयपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से शुक्रवार सुबह श्रीगंगानगर, जैसलमेर जिले के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। वहीं, जयपुर सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में दो दिन से बादल छाए हुए है। ठंडी हवा के कारण दिन के तापमान में भी एक-दो डिग्री की गिरावट हुई है।

वहीं, मौसम विभाग ने आज भी 10 जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है।

गुरुवार (27 फरवरी) को भी चूरू, गंगानगर के कुछ एरिया में इस सिस्टम के असर से हल्की बारिश हुई। बादल छाने और बारिश होने से कई शहरों में दिन के तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई।

पिछले 24 घंटे में श्रीगंगानगर में 2.2MM और चूरू के एरिया में 1MM से भी कम बारिश हुई। इनके अलावा गंगानगर, बीकानेर, सीकर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर, अजमेर, दौसा, भरतपुर, अलवर, झुंझुनूं, जोधपुर, पाली, बाड़मेर और कोटा संभाग के जिलों में बादल छाए। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में कल देर शाम को तेज हवा भी चली।

मौसम के इस बदलाव से कल बाड़मेर में अधिकतम तापमान 31.6, जैसलमेर में 30.5, जोधपुर में 32.4, बीकानेर में 27.4, चूरू में 27.8, गंगानगर में 22.1, पिलानी में 24, अजमेर में 32.3, कोटा में 34.9 और उदयपुर में अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजधानी जयपुर में कल दिनभर आसमान में बादल छाए, जिससे हल्की गर्मी और उमस जैसा मौसम रहा। जयपुर में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

एडीजे कोर्ट ने सीजेएम कोर्ट के आदेश को किया निरस्त

बोहरा समुदाय के 30 किलो सोना गायब होने का मामला

बांसवाड़ा,28 फरवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में अपर जिला एवं सेशन न्यायालय (एडीजे कोर्ट) ने एक मामले में अधीनस्थ न्यायालय (सीजेएम कोर्ट) के आदेश को निरस्त कर दिया है।

बोहरा समुदाय के फखरी करजन हसना ट्रस्ट में जमा करीब 30 किलो से ज्यादा सोने को गायब करने के बहुचर्चित मामले में यह फैसला सुनाया गया है। जिसमें जब्त सोने की याचिकाकर्ताओं को सुपुर्दगी के सीजेएम कोर्ट के आदेश को एडीजे कोर्ट ने कैंसिल कर दिया है। मामला 14 महीने पुराना है, जब कोतवाली में बोहरा समुदाय के 257 लोगों का ट्रस्ट के पास लोन के लिए गिरवी रखा सोना गायब कर धोखाधड़ी करने की शिकायत की गई थी। पुलिस ने गिरफ्तारियां कर अलग-अलग लोगों से 28 किलो से ज्यादा सोना बरामद किया था। मामला सीजेएम कोर्ट में पहुंचा। जहां सोना सुपुर्दगी के लिए याचिका लगी तो कोर्ट ने 7 मई, 2024 को इसे निरस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने एडीजे कोर्ट में रिवजन याचिका लगाई। एडीजे कोर्ट में यह मामला विचाराधीन था इसी बीच सीजेएम कोर्ट ने 18 फरवरी को याचिकाकर्ताओं को करीब 27 किलो सोना सौंपने का आदेश दे दिया। सीजेएम कोर्ट के आदेश को एडीजे कोर्ट ने अवैध, औचित्यहीन, निष्प्रभावी, शक्तियों के दुरुपयोग और अन्य कारण बताते हुए निरस्त किया। इसके अलावा सीजेएम कोर्ट को थानाधिकारी को सूचना देकर 5 दिन में सोना फिर जब्त कराते हुए रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं। एडीजे कोर्ट में दायर हुई थी 3 याचिकाएंइस मामले में 3 पुनरीक्षण याचिकाएं एडीजे कोर्ट में दायर हुई थी। इन पर सुनवाई के बाद अपर सेशन न्यायाधीश नवीन चौधरी ने आदेश जारी किया है। एडीजे कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा कि पुनरीक्षणकर्ता (याचिकाकर्ता) न्यायालय में नहीं आया और उसके द्वारा कई तथ्यों को छिपाया है। विधिक कार्रवाई करने के लिए सीजेएम कोर्ट को आदेश दिया। इसके साथ ही मामले को उच्च न्यायालय जोधपुर के संज्ञान में लाने के लिए आदेश की प्रति उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार और सतर्कता विंग को भेजने के लिए कहा है।

कोर्ट के आदेश के बाद फखरी करजन हसना ट्रस्ट के ट्रस्टी अब्देअली जमाली उर्फ अब्देअली बोहरा आमील साहब और फखरी करजन हसना ट्रस्ट मुंबई की ओर से बहरुल्ला बख्शाजी की ओर से 3 याचिकाएं डीजे कोर्ट में पेश की गई। अभियुक्त निखिल दामड़िया ने एक प्रार्थना पत्र 18 जून, 2024 को सीजेएम कोर्ट में पेश की। इसमें सोना वापस देने से पहले उनको सुनकर आदेश देने का आग्रह किया गया था।

नशा सप्लाई करने वाला रसूखदार पंच पटेल गिरफ्तार

जोधपुर साइक्लोनर टीम ने एमपी से पकड़ा, तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाता था

जोधपुर,28 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर रेंज की साइक्लोनर टीम ने शातिर मादक पदार्थ सप्लायर चित्तौड़गढ़ के कनेरा के रसूखदार पंच पटेल को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन रक्तिस रज्जू के तहत इसे पकड़ने के लिए साइक्लोनर टीम ने कई दिनों तक मध्यप्रदेश में डेरा डाला। पिंडवाड़ा पुलिस को एक साल से इसकी तलाश थी।

आईजी (जोधपुर रेंज) विकास कुमार ने बताया- पिंडवाड़ा पुलिस का वांछित चित्तौड़गढ़ के कनेरा थानांतर्गत गुंदारेल निवासी रोडीवाल एक साल से फरार था। पिछले साल मई महीने में मादक पदार्थों की बड़ी खेप बरामदगी के मामले में वह वांछित था। बदमाश अपने बंजारा समाज का पंच है, जो समाज में पटेलायत की आड़ में मादक पदार्थ की बड़ी तस्करी का नेटवर्क चलाता था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित हो रखा था। ऐसे शातिर की तलाश के लिए साइक्लोनर टीम ने ऑपरेशन रज्जू चलाया।

आईजी ने बताया- आरोपी रोडीवाल रामदेवरा की धार्मिक यात्रा करने आया, तब उसने मारवाड़ के कई तस्करों से भी संपर्क बना लिए। इस दौरान उसने खुद व संबंधियों के नाम अफीम के पट्टे सरकार से जारी होना बताता रहा। पटेल रोडीवाल अपने इलाके के अफीम पट्टाधारियों से मादक पदार्थ खुद के पास रखता और बड़ी मात्रा इकट्ठी होने पर वह उसे मारवाड़ के तस्करों को सप्लाई कर देता। इसके बदले उसे अच्छी खासी रकम कमीशन के रूप में मिल जाती। इसी से होने वाली बेशुमार अवैध कमाई से वह विलासी जीवन जीने लगा और अपने संपर्क बढ़ाकर उसने खुद की पत्नी के नाम भी अफीम का पट्टा जारी करवा लिया।

राजनाथ सिंह ने युवाओं से वैज्ञानिक सोच विकसित करने का आह्वान किया

रक्षा मंत्री ने दो दिवसीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्सव 'विज्ञान वैभव' का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से वैज्ञानिक सोच विकसित करने और देश में स्थापित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बुनियादी ढांचे का सर्वोत्तम उपयोग करके अग्रणी प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया है। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्सव 'विज्ञान वैभव' का उद्घाटन किया। युद्ध तेजी से हार्डवेयर से सॉफ्टवेयर-उन्मुख की ओर बढ़ रहा है। नई प्रौद्योगिकीय उपलब्धियां सामने आ रही हैं और हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और क्रीन-टेक जैसी परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा, यदि भारत के पास महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों का समाधान है तो वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मजबूत और सुरक्षित रह सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आलोचनात्मक सोच अपनानी चाहिए और सामान्य से परे जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों को याद किया जिन्होंने कहा था, विज्ञान मानवता के लिए एक सुंदर उपहार है, हमें इसे विकृत नहीं करना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करना चाहिए। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और इस क्षेत्र में विज्ञान शिक्षा को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के युवाओं में जबरदस्त क्षमता है और सरकार का प्रयास है कि 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए उनकी क्षमताओं का उपयोग किया जाए। राजनाथ सिंह ने नई शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डाला जिसका उद्देश्य रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करके देश में विज्ञान शिक्षा को बदलना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय यानी 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' उसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने इस विषय को नवाचार और वैश्विक वैज्ञानिक नेतृत्व के माध्यम से प्रगति के लिए नए भारत की आकांक्षा का प्रतिबिंब बताया। विज्ञान वैभव का आयोजन डीआरडीओ, एईएसआई और कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेंस द्वारा महान वैज्ञानिक सर सीवी रमन और विज्ञान में उनके अभूतपूर्व योगदान के सम्मान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए संयुक्त रूप से किया जाता है।

यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों और युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है ताकि वे देश के भविष्य को आकार देने वाली प्रगति पर चर्चा और प्रदर्शन कर सकें। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है, यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है।

राचकोंडा के आयुक्त ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस नियंत्रण कक्ष के एसआई रामुलु, उप्पल पुलिस स्टेशन के एसआई नरेंद्र, नागोल पुलिस स्टेशन के एएसआई नारायण रेड्डी, और चौतुप्पल पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल मोहम्मद, राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में सेवा करते हुए आज सेवानिवृत्त हुए। जाफ़र अली को राचकोंडा कार्यालय में सीपी सुधीर बाबू द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर सीपी ने कहा कि पुलिस की नौकरी चुनौतियों से भरी और सुख-दुख से भरी होती है। सेवानिवृत्ति के बाद शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन जीने, स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने, पेंशन और अन्य वित्तीय मामलों में अनुशासित रहने की सलाह दी जाती है। अधिकारियों को उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया ताकि उन्हें मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ शीघ्र प्रदान किये जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए उनके द्वारा स्थापित पेंशन डेस्क के माध्यम से पेंशन देने में तेजी लाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, एडिशनल डीसीपी एडमिन शिव कुमार, एसीपी आईटी सेल नरेंद्र गौड़, सीसीआरबी एसीपी रमेश, मुख्य लेखा अधिकारी सुगुना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पुष्पराज, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच भद्र रेड्डी, कृष्णा रेड्डी, सहकारी समिति के निदेशक रविंदर रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

सरकारी गतिविधियों को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए : मीनाक्षी नटराजन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने इस बात पर जोर दिया है कि पार्टी कार्यकर्ताओं को तेलंगाना राज्य के हर गांव में लोगों तक सरकारी कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से पहुंचाना चाहिए। शुक्रवार को गांधी भवन में पार्टी नेताओं से बात करते हुए नटराजन ने कहा कि चूंकि कांग्रेस पार्टी सरकार में है, इसलिए इसके कार्यकर्ताओं को वंचितों की सहायता करने और उनके जीवन में खुशियां लाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में जाति जनगणना सर्वेक्षण शुरू किया है, जो देश में अभूतपूर्व है और गर्व का विषय है। हमें हर गांव तक पहुंचने और जय बापू, जय भीम, जय संविधान कार्यक्रमों को बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है। पार्टी की पहल को हर गांव में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। टीपीसीसी को इस उद्देश्य के लिए एक व्यापक कार्यक्रम बनाना चाहिए। पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन, जिन्हें हाल ही में एआईसीसी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है, अपनी नियुक्ति के बाद पहली बार तेलंगाना आईं।

सादगी और समर्पण में चर्चित है मीनाक्षी नटराजन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह मीनाक्षी नटराजन बिना किसी धूमधाम के एक साधारण यात्री के रूप में ट्रेन से दिल्ली से हैदराबाद की यात्रा की। उनके आगमन पर, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अन्य कांग्रेस नेताओं ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मीनाक्षी नटराजन काफी सरल और सीधी-सादे स्वभाव के लिए जानी जाती है। वह सुख सुविधाओं से दूर कांग्रेस की एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पार्टी के लिए समर्पित सिपाही है। सांसद रहते हुए भी वे अपने वेतन भत्ते की अधिकांश धनराशि क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए खर्च करती थी। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, वह केवल जरूरी बैठकों के लिए या जब राहुल दूसरे राज्यों में होते हैं और उन्हें कोई त्वरित काम करने की जरूरत होती है, तभी हवाई जहाज से यात्रा करती हैं। बताया जाता है कि उनके भोजन में केवल इडली शामिल होती है। इसके अलावा, मीनाक्षी नटराजन के बारे में कहा जाता है कि उनके पास केवल दो जोड़ी कपड़े हैं और वह रिसेप्शन, पुरस्कार और पुष्प सज्जा से बचती हैं। मीनाक्षी नटराजन कांग्रेस नेताओं की जोरदार जय-जयकार और तालियों से चिढ़ी हुई दिखीं। वह गांधी भवन में नेताओं की आमद से भी नाखुश दिखीं।

टीजीएनपीडीसीएल की ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना की समीक्षा की गई

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, आईएएस ने चालू रबी और ग्रीष्म ऋतु के दौरान बढ़ते भार को पूरा करने के लिए टीजीएनपीडीसीएल की ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की है और इंजीनियरों को राज्य की अपेक्षित अधिकतम मांग 17,500 मेगावाट को पार करने के मद्देनजर आने वाले महीनों के दौरान अधिक सतर्क रहने के लिए आगाह किया है। सचिवालय से टेली-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव, ऊर्जा ने राज्य में वर्तमान विद्युत आपूर्ति की

वार्षिक बजट तैयार करने में अल्पसंख्यकों के कल्याण की पूरी तरह से उपेक्षा : बीआरएस

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता शेख अब्दुल्ला सोहेल ने राज्य के 2025-26 के वार्षिक बजट को तैयार करते समय अल्पसंख्यकों के कल्याण की पूरी तरह से उपेक्षा करने के लिए रेवंत रेड्डी सरकार की कड़ी निंदा की। शुक्रवार को मीडिया को दिए गए बयान में अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि न तो मुख्यमंत्री, जिनके पास अल्पसंख्यक कल्याण विभाग भी है और न ही उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क (जो वित्त मंत्री भी हैं) ने बजटीय प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों या यहां तक कि अपनी पार्टी के मुस्लिम नेताओं के साथ एक भी समीक्षा बैठक की। जबकि अन्य समुदायों के लिए इसी तरह की बैठकें आयोजित की गईं, लेकिन अल्पसंख्यकों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया। अब्दुल्ला सोहेल ने पिछले बजट में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए आवंटित धन को जारी करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने खुलासा किया कि 2024-25 में आवंटित 2,997 करोड़ रुपये में से जनवरी 2025 तक केवल 1,099 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हुई हैं, तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी ने अपने 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में से केवल 560 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बैंक लिंक्ड सब्सिडी योजना, जिसमें 300 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, में 0.008 करोड़ रुपये का नगण्य व्यय हुआ। प्रशिक्षण और रोजगार निधि का भी दुरुपयोग किया गया, 30 करोड़ रुपये में से केवल 1 करोड़ रुपये खर्च किए गए। बहुप्रतीक्षित शादी मुबारक योजना में इसके 650 करोड़ रुपये के आवंटन में से केवल 282 करोड़ रुपये खर्च हुए। इसी तरह, वक्फ बोर्ड को वादा किए गए 120 करोड़ रुपये में से केवल 67 करोड़ रुपये मिले। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति, एमएसडीपी स्टेट मैचिंग ग्रांट, उर्दू अकादमी और वक्फ कमिश्नर सर्वे सहित कई अन्य योजनाओं को लगभग पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया।

हैदराबाद में भीषण आग हादसा, एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुप्पलगुडा में भीषण आग लग गई। मणिकोंडा के पाशा कॉलोनी में एक जी+2 घर में आग लग गई। आग में फंसकर तीन लोग जिंदा जल गए। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। पाशा कॉलोनी में जी+2 घर के ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तेजी से पहली मंजिल तक फैल गई। घना धुआं से पीड़ित घर में फंस गए। दम घुटने से तीन लोग वहीं गिर पड़े। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि बचाए जाने से पहले ही तीनों की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया तथा स्थानीय लोगों की मदद से घर में फंसे कई लोगों को बाहर निकाला। कई लोगों को रस्सियों की मदद से इमारत की छत से बचाया गया। लेकिन, क्या इमारत में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी? या कोई और कारण है? मामले की जांच की जा रही है।

लोअर मनेयर बांध में डूब गया टीजीएसआरटीसी का ड्राइवर

करीमनगर, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी के ड्राइवर थिरुपति राव (59) शुक्रवार को लोअर मनैर डैम में डूब गए। दोस्तों के साथ तैराकी के लिए एलएमडी गए थिरुपति राव पानी में डूब गए। परिवार के सदस्यों द्वारा घटना पर संदेह जताए जाने के बाद करीमनगर पुलिस ने संदिग्ध मौत के रूप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

लव फॉर काऊ द्वारा महिला दिवस समारोह कल

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के तत्वावधान में 2 मार्च को सिकंदराबाद स्थित गुजराती स्कूल में महिला दिवस के उपलक्ष में महिला शक्ति का महाकुंभ एवं महिला दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रेस कान्फ्रेन्स को संबोधित करते हुए जसमत पटेल ने बताया कि भाग्यनगर की सभी मातृ शक्ति को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्र में सेवारत महिलाओं को इस सम्मानित किया जायेगा। इसमे गौ सेवा, सनातन सेवा, स्वास्थ्य सेवा आदि क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को गौरत्न, महिला रत्न, वैद्यरत्न, समाज रत्न आदि पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। जसमत पटेल ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता काजल हिन्दुस्तानी, कथाकार शिल्पा देशमुख, आल इंडिया जैन पत्रकार संघ की सदस्या स्वाती जैन अपने विचार प्रस्तुत करेंगी।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा जिसमे महिलाओं को निःशुल्क स्टाल प्रदान किये जायेंगे। भाग लेने वाली महिलाओं में लक्की ड्रा के माध्यम से पुरस्कृत किया जायेगा, जिसमे 101 विजेताओ को चांदी के सिक्के भेंट किये जायेंगे। रंजना शाह ने कहा कि 11 विजेताओ को चांदी के सिक्के भेट किये जायेंगे।

जसमतभाई पटेल ने कहा कि फाउंडेशन की ओर से केन्द्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सांसद डॉ.के लक्ष्मण, चेन्नूर विधायक जी. विवेकानंद, हैदराबाद महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, अमृत युवा सेना के चेरमेन अमृतकुमार जैन व मंत्री विशाल जैन, श्याम मंदिर (काचीगुडा) के मंत्री इंद्रकरण अग्रवाल, भाग्यलक्ष्मी मंदिर लोअर टैंकबंड के राधेश्याम गुप्ता, बोलाराम जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष जैनरत्न गौतम लोढा, महेन्द्र चोरडिया, गौतम चोरडिया, श्री शांति गुरु मंदिर के ट्रस्टी शांतिलाल मामणिया, अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाडी नैना अश्वीन जायसवाल, जया जागीरदार, हिन्दू 2 हिन्दू बिसनेस फोरम के गीतेश काटे, रेल की हिन्दी अधिकारी रानी काटे, तेलंगाना गुजराती समाज की बीना महेता, नलीन खारा फाउंडेशन की मेनेजींग ट्रस्टी अनेरी खारा व तरंग नागडा, विशाखा ग्रुप की सरोजा विवेकानंद, समाजसेवी प्रमोद गोयल, श्री कच्छ कडवा पाटीदार हैदराबाद अध्यक्ष देवशीभाई पोकार, मंत्री शंकर पटेल, पाटीदार आदि को आमंत्रित किया गया है। अवसर पर आर.के. जैन, जैन रत्न मीना मुथा, परमेश्वरी शर्मा, रंजना शाह आदि उपस्थित थे।

हैदराबाद की महिला का अमेरिका में एयरपोर्ट पर दिल का दौरा पड़ने से निधन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक महिला, जो कुछ दिनों के लिए अपने बेटे के साथ अमेरिका रहने गई थी, वहां हवाई अड्डे पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। लंगरहाउस की 70 वर्षीय कइशेट्टी लक्ष्मीबाई नाम की एक महिला अपने बेटे श्रीधर के साथ 5 महीने के लिए अमेरिका में रहने के लिए गईं थीं। परिवार के सभी सदस्यों ने हवाईअड्डे पर पहुंचकर उसे अमेरिका के लिए रवाना किया। उन्हें अगले दिन मियामी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरना पड़ा और वहां से घरेलू उड़ान पकड़नी पड़ी। मंगलवार को घरेलू हवाई अड्डे पर जाते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह वहीं गिर गईं। सीपीआर किया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। परिजन और रिश्तेदार उनके शव के आने का इंतजार कर रहे हैं।

भाजपा नेता एवं जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल ने 'महाकुंभ मेला' की शानदार सफलता पर, पुतलीबोवली एक्स रोड, जामबाग डिवीजन में पीएम नरेंद्र मोदी और यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के चित्र पर दुग्ध अभिषेकम किया। अवसर पर रघु, रामकृष्ण, भरत, नरसिंह, हरिनाथ, विनोद, अनिलयादव, बाबू, रामचन्द्र, सुरेश, भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्नातकों ने एमएलसी चुनाव में मतदान से किया परहेज

डंप यार्ड स्थापित करने के सरकार के फैसले का विरोध

संगारेड्डी, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुम्माडीडाला मंडल के स्नातकों ने प्यारानगर गांव में डंप यार्ड स्थापित करने के सरकार के फैसले के विरोध में 27 फरवरी को आयोजित आदिलाबाद-करीमनगर-मेदक और निजामाबाद-स्नातक एमएलसी चुनाव से खुद को दूर रखा था। गुम्माडीडाला मतदान केंद्र (मतदान केंद्र 425) के अंतर्गत नामांकित 295 स्नातक मतदाताओं में से केवल 14 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। चुनाव अधिकारियों द्वारा जारी मतदान केंद्रवार मतदान प्रतिशत के अनुसार, गुम्माडीडाला में 295 स्नातकों में से केवल 42 ने मतदान किया, जो एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम है।

पिछले 23 दिनों से डंप यार्ड के खिलाफ लड़ रहे जेएसी नेताओं ने कहा कि उन्होंने स्नातकों से चुनाव से दूर रहने का आह्वान किया था ताकि वे अपना विरोध दर्ज करा सकें क्योंकि सरकार डंप यार्ड को स्थानांतरित करने की उनकी अपील से अनभिज्ञ थी। जेएसी नेताओं ने कहा कि मतदान करने वाले 42 लोग प्रवासी थे, जो गुम्माडीडाला और उसके आसपास के विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। निर्वाचन क्षेत्र में दर्ज 70 प्रतिशत मतदान और सागरेड्डी जिले में दर्ज 73.19 प्रतिशत मतदान की तुलना में 14 प्रतिशत मतदान बहुत कम है।

विज्ञान और रक्षा प्रदर्शनी का छात्रों ने उठाया आनंद

छात्रों ने कहा- हमें यकीन नहीं हो रहा

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए एक रोमांचक और दुर्लभ अवसर सामने आया, जब शुक्रवार को यहां गाच्चीबावली स्टेडियम में डीआरडीओ द्वारा आयोजित विज्ञान और रक्षा प्रदर्शनी 'विज्ञान वैभव' में उन्हें भारत की आधुनिक सैन्य तकनीक से परिचित कराया गया। यहां आने वाले छात्रों और शिक्षकों का स्वागत असली मिसाइलों, ऊंची तोपों, शानदार टैंकों और रडारों से हुआ।

यह एक ऐसा नजारा था जिसे ज्यादातर लोगों ने सिर्फ फिल्मों में ही देखा था, लेकिन प्रदर्शनी ने उन्हें घूमने और नजदीक से देखने का मौका दिया।

प्रदर्शन पर रखी गई मशीनों में हाल ही में परीक्षण की गई हाइपरसोनिक मिसाइल, प्रलय मिसाइल, पिनाका मिसाइल प्रणाली, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, अग्नि 5 मिसाइल, भारत का मुख्य युद्धक टैंक, अर्जुन, उन्नत टोड आर्टिलरी गन प्रणाली, 155 मिमी बंदूकें और रुद्रम, विकिरण रोधी मिसाइल शामिल हैं। छात्र अपने मोबाइल फोन निकालकर मिसाइलों, बंदूकों, टैंकों और गोलाबारूद की तस्वीरें ले रहे थे, जबकि स्कूल के अध्यापक अपने छात्रों की मशीनों और मिसाइलों के सामने तस्वीरें खींच रहे थे।

ब्रिलियंट एडोनाई हाई स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र संदीप ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं वास्तव में मिसाइलें देख रहा हूं। मॉडल के बारे में मेरी धारणा के विपरीत, ये मिसाइलें युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली असली मिसाइलें निकलीं। सैकड़ों इंजीनियरिंग छात्रों, खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार शाखा के छात्रों को हाइपरसोनिक, शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल और रडार सहित मिसाइलों के बारे में जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने रक्षा क्षेत्र में जीवन के बारे में जानकारी दी और साथ ही अपने लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में भी बताया।

इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के इंजीनियरिंग छात्र फणींद्र ने कहा कि यहां मैंने एवियोनिक्स, रडार और मिसाइलों के बारे में बहुत कुछ सीखा। घोड़े के मुंह से सीधे जानकारी प्राप्त करना वाकई बहुत अच्छा है। डीआरडीओ, एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया और कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेंस ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बीडीएल, बीएचईएल, भारतीय नौसेना और मिधानि सहित 200 स्टॉल लगाए गए थे।

शहरी प्रशासन में स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका : इलांबर्ती

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने "सार्वजनिक स्वास्थ्य और शहरी शासन में इसकी भूमिका" विषय पर भाषण दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा, मैं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आज का दिन सर सी.वी. रमन को याद करने और हमारे भविष्य को आकार देने में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करने का दिन है। उन्होंने समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में विज्ञान के महत्व पर बात की।

इलांबर्ती ने कहा कि एक-स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य को अपनाकर, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के बीच अंतर्संबंध को समझना प्रभावी शहरी शासन के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य एवं पर्यावरण परियोजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य नीति के कार्यान्वयन के लिए जीएचएमसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि ऐसे समय में जब शहर तेजी से विकसित हो रहे हैं, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं, और इसे पहचानना और कार्रवाई करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जूनोटिक रेबीज से भारत में हर साल 18,000 से 20,000 मौतें होती हैं, जिनमें से अधिकांश 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की होती हैं। जीएचएमसी के रेबीज नियंत्रण प्रयासों के तहत, 80 प्रतिशत आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाएगी और रेबीज नियंत्रण उपाय किए जाएंगे।

युवाओं का भविष्य सुधारने की दिशा में कदम उठा रहा है जीएचएमसी : मेयर

मल्लेपल्ली लाइटहाउस सेंटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि जीएचएमसी ने हैदराबाद के युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं और इसके तहत युवाओं के कौशल को बढ़ाना और उन्हें लाइटहाउस सेंटर के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हैदराबाद के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त करने और स्वरोजगार विकसित करने में उपयोगी होगा। हैदराबाद शहर के मोजमपुरा बाजार घाट पर स्थापित मल्लेपल्ली लाइटहाउस सेंटर का उद्घाटन शुक्रवार को जीएचएमसी की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और उप मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी ने किया। इस अवसर पर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन (एलसीएफ) के साथ साझेदारी में, शहर के युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सोचते हैं कि जीएचएमसी केवल स्वच्छता के बारे में है, लेकिन जीएचएमसी दूसरे पहलू में एक कदम आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि शहरी विकास के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार सृजन और स्वरोजगार को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज शुरू करने के सवाल पर गावस्कर की दो टूक

दुबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर अपने विचार साझा किए हैं। दोनों टीमों के बीच आखिरी बार 2012-13 में द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। तब पाकिस्तान ने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था। दोनों देशों के बीच राजनीतिक मतभेदों के कारण भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला वैश्विक और महाद्वीपीय आयोजनों तक ही सीमित हैं। पिछले हफ्ते भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। हाल ही में एक बातचीत के दौरान गावस्कर ने सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय वार्ता तभी बहाल हो सकती है जब दोनों देशों की सरकारें सीमाओं पर शांति सुनिश्चित करें।

गावस्कर ने द्विपक्षीय सीरीज पर कही यह बात

यह पूछे जाने पर भारत और पाकिस्तान द्विपक्षीय सीरीज कैसे खेल सकते हैं? गावस्कर ने 'टेन स्पोर्ट्स' शो 'ड्रेसिंग रूम' में कहा, 'सीमाओं पर स्पष्ट रूप से शांति बनाकर। यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति होती है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी कि देखिए, ठीक है, हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई है, कुछ भी नहीं। इसलिए कम से कम बात करना शुरू करते हैं।' गावस्कर का मानना है कि द्विपक्षीय मुकाबलों को फिर से शुरू करने के लिए आंतरिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन भारत के पाकिस्तान में खेलने से इनकार करने के पीछे सीमा पर बार-बार उठने वाला तनाव एक बड़ा कारक है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि कुछ बैक-चैनल कनेक्शन चल रहे होंगे। लेकिन आप देखना चाहते हैं कि मैदान के बाहर क्या हो रहा है क्योंकि हम पड़ोसी मुल्क से घुसपैठ के बारे में कई बार सुनते हैं। यही वजह है कि भारत सरकार कह रही है कि जब तक ये गतिविधियां बंद नहीं हो जाती, हमें किसी चीज के बारे में सोचना या बात करना भी नहीं चाहिए।' चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला एकतरफा रहा था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने सभी विभागों में दबदबा बनाया। अब इस साल के अंत में एशिया कप में भारत एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले महाद्वीपीय महाकुंभ में 19 मैच हो सकते हैं। यह टूर्नामेंट सितंबर में आयोजित होने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत-पाकिस्तान समीकरण को देखते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने तटस्थ देश में मेजबानी करने का फैसला किया है। हालांकि, अभी तक स्थान पर अंतिम नहीं लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका और यूएई संभावित विकल्प हैं। बीसीसीआई नामित मेजबान रहेगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान नामित मेजबान हैं, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपनी टीम भेजने से इनकार करने के बाद भारत दुबई में अपने सभी मुकाबले खेल रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एशिया कप में भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

आठ टीमों के बीच खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)।टी20 विश्व कप 2026 से पहले एशिया कप का आयोजन होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत के पास है। हालांकि, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) टूर्नामेंट का आयोजन तटस्थ स्थल पर कर सकता है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, एशिया कप 2025 का आगाज सितंबर में हो सकता है।

यूएई या श्रीलंका में हो सकता है आयोजन

यह टूर्नामेंट टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। एशियाई क्रिकेट परिषद के एक सूत्र ने कहा- टूर्नामेंट सितंबर में होगा। भारत के पास मेजबानी के अधिकार हैं लेकिन यह यूएई या श्रीलंका में खेला जाएगा। बता दें कि, यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा पहले ही इस प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव पर होगी।

आठ टीमों के बीच खेला जाएगा टूर्नामेंट

भारतीय प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी आ रही है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप के आयोजन की तैयारी कर ली है। इस टूर्नामेंट का आयोजन इसी साल सितंबर में हो सकता है, जिसमें कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की खासियत भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला होगी। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो दोनों तीन बार एक-दूसरे भिड़ सकती हैं। हाल ही में भारत ने मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में छह विकेट से हराया था। इस दौरान विराट कोहली ने शानदार शतक जड़ा था। एशिया कप 2025 में कुल आठ टीमें शामिल होंगी। इनमें भारत और पाकिस्तान के अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, ओमान और हांगकांग शामिल हैं। सभी टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

भारत इस टूर्नामेंट का गत चैंपियन

आखिरी बार एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान और श्रीलंका की सह-मेजबानी में हुआ था। टीम इंडिया ने फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जिसने आठ बार एशिया कप का खिताब जीता है। वहीं, श्रीलंका ने छह और पाकिस्तान ने दो बार टूर्नामेंट अपने नाम किया।

'भारत को निशिचत तौर पर दुबई में खेलने का फायदा हो रहा है' : डुसेन

दुबई , 28 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के शीर्षक्रम के बल्लेबाज रसी वान डर डुसेन ने कहा कि यह जानने के लिए 'रॉकेट साइंटिस्ट' होने की जरूरत नहीं है कि भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में दुबई में खेलने का फायदा मिल रहा है। डुसेन को लगता है कि वहां के हालात को भारत अच्छी तरह से पहचान गया है और इससे उनपर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बन रहा है।

रसी वान डर डुसेन का बयान

भारतीय टीम अपने सारे मैच दुबई में खेल रही है और अगर फाइनल में पहुंचती है तो वह भी दुबई में ही खेला जाएगा, जबकि बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में हो रहे हैं। वान डर डुसेन ने कहा, 'निश्चित तौर पर भारत को फायदा है। मैंने देखा कि पाकिस्तान इस बारे में बोल रहा था, लेकिन फायदा तो है। आप एक ही जगह पर, एक ही होटल में रह रहे हैं, एक ही मैदान पर अभ्यास कर रहे हैं और एक ही पिच पर खेल रहे हैं तो फायदा तो है।' उन्होंने कहा, 'यह जानने के लिए किसी के रॉकेट साइंटिस्ट होने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत पर हालात का पूरा फायदा उठाने का भी दबाव होगा।'

उन्होंने कहा, 'इससे उन पर अधिक दबाव बनता है क्योंकि जो भी सेमीफाइनल या फाइनल में उनके खिलाफ खेलेगा, वह वहां जाएगा और परिस्थितियां विदेशी होंगी, लेकिन वे (भारत) इसका उपयोग करने वाले हैं। उन पर अपने फैसले को सही साबित करने का दबाव होगा।' भारत ने अब तक बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की है और चार मार्च को होने वाले सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनका आखिरी ग्रुप मैच रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम ग्रुप बी में दो मैचों में तीन अंक लेकर शीर्ष पर है और समीकरण बने तो डुसेन की टीम को ही दुबई का दौरा करना पड़ सकता है। या फिर उनका मुकाबला लाहौर में न्यूजीलैंड से होगा। वान डर डुसेन ने लाहौर और दुबई में खेलने को लेकर व्यक्तिगत पसंद पूछे जाने पर कहा कि वह लाहौर में खेलना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर यह निजी पसंद है तो मैं कहूंगा कि मैं लाहौर में खेलना चाहूंगा क्योंकि वहां बल्लेबाजी करना आसान है। दुबई की पिच लाहौर की तरह बड़े स्कोर वाली नहीं है।' उन्होंने कहा, 'तार्किक रूप से लाहौर में खेलना आसान होगा। आपको यात्रा करके दुबई जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम जहां हैं, लाहौर उससे ज्यादा दूर नहीं है। इसलिए स्थितियां काफी हद तक समान हैं।' इससे पहले टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी कहा था कि दुबई में रहने से भारत को काफी फायदा होगा। पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद ने टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस बारे में बयान दिया था, लेकिन कहा था कि भारत शुरू से ही हावी था।

आकिब ने कहा, 'देखिए, वे दुबई में किसी कारण से हैं। अगर वे दुबई में किसी कारण से खेल रहे हैं तो निश्चित रूप से अगर आप उसी पिच या मैदान पर खेलते हो तो आपको फायदा मिलता है, लेकिन हमारी हार की वजह दुबई में भारत का खेलना नहीं है। हम वहां पर कम मैच नहीं खेले हैं और न ही भारत ने वहां 10 मैच खेले हैं।

रणजी से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी लीग की तैयारी

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी आधारित एक लीग पर काम चल रहा है, जिसका मेंटोर (मर्गदर्शक) भारत के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार को नियुक्त किया गया है। टूर्नामेंट जून या जुलाई में खेले जाने की उम्मीद है। 'एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग (ईवीसीएल)' में छह फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी और इसमें कुल 18 मैच खेले जायेंगे।

प्रवीण ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैं रणजी खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता देने के लिए ईवीसीएल का समर्थन कर के वास्तव में खुश हूं। इन खिलाड़ियों को श्रेय देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इन खिलाड़ियों को करियर में ज्यादा पहचान नहीं मिली है। मुझे उम्मीद है कि यह लीग उनके लिए अपने करियर को फिर से चमकाने और कमाई करने का अवसर प्रदान करेगी।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि लीग के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण जल्द ही

विदर्भ नहीं केरल के लिए खेलना चाहते थे करुण नायर, क्यों गृह राज्य के साथ नहीं बनी बात?

नई दिल्ली, 28 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने बीते एक साल में घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है। उनके बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं। वह शतकों की लाइन लगा चुके हैं। कुछ समय पहले तक कर्नाटक की ओर से खेलने वाले करुण को अपनी नई टीम काफी रास आ रही है। हालांकि यह टीम उनकी पहली पसंद नहीं थी। वह अपने राज्य केरल के लिए खेलना चाहते थे।

करुण नायर केरल से रखते हैं ताल्लुक

करुण नायर मूल रूप से केरल के रहने वाले हैं। हालांकि उनकी परवरिश कर्नाटक में हुई और इसी कारण वह इस राज्य की ओर से खेलने लगे। हालांकि जब उन्होंने इस टीम से हटने का फैसला किया तो सभी को लगा कि वह केरल से जुड़ेंगे लेकिन उन्होंने विदर्भ को चुना।

केरल के साथ नहीं बन पाई बात

एक चैनल को दिए इंटरव्यू में

करुण ने कहा, "इस (केरल से खेलने) बारे में चर्चा हुई थी। जब मुझे यकीन हो गया कि मैं कर्नाटक छोड़ने जा रहा हूं, तो मैंने अपने विकल्पों पर विचार किया। इस बारे में कुछ बातचीत हुई, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ सका।" अपनी बात जारी रखते हुए उन्होंने कहा, "मैंने खुद को केसीए को ऑफर किया था, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ सका। उसी समय, मुझे विदर्भ से ऑफर मिला। मैं इंतजार करने की स्थिति में नहीं था, क्योंकि मैं सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं था। मैं अपना दिमाग साफ करना चाहता था और यह केवल एक टीम में शामिल होने से ही संभव था। इसलिए मैं विदर्भ में शामिल हो गया।'

करुण नायर भविष्य में केरल की टीम में आ सकते हैं नजर

साथ ही करुण ने यह भी कहा कि ऐसा नहीं है कि वह आगे कभी केरल के लिए नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'आप नहीं जानते। अगर ऐसी कोई स्थिति आती है, तो हम देखेंगे।' करुण की टीम विदर्भ का रणजी ट्रॉफी फाइनल में केरल से ही सामना हो रहा है। फाइनल में करुण नायर ने पहली पारी में 86 रन की अहम पारी खेली। करुण नायर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में 9 मैचों की 15 पारियों में बल्लेबाजी की है। इन 15 पारियों में उन्होंने 48.53 के औसत से 728 रन बनाए हैं। उनके नाम तीन शतक और दो अर्धशतक हैं।

अभिषेक शर्मा को नहीं पहचान पाए वसीम अकरम

नाम पता चला तो कहा- जिसने इंग्लैंड को मार-मार कर शतक ठोका

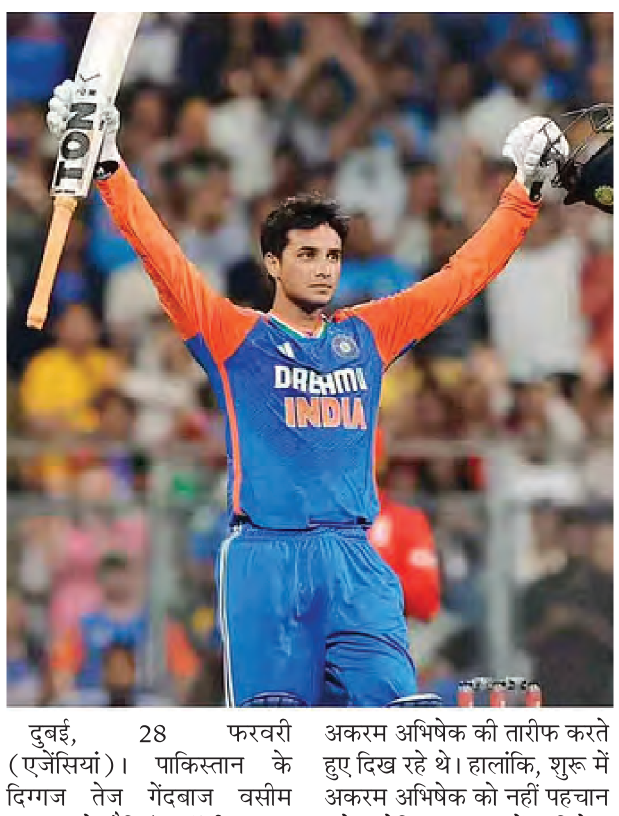

दुबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से मुलाकात की। ग्रुप ए के भारत-पाकिस्तान मैच के बाद दोनों की मुलाकात का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अकरम अभिषेक की तारीफ करते हुए दिख रहे थे। हालांकि, शुरू में अकरम अभिषेक को नहीं पहचान सके, लेकिन जब उन्हें अभिषेक का नाम पता चला तो वह तारीफ किए बिना नहीं रह सके। अपने तारीफ करने के अंदाज का खुलासा खुद वसीम अकरम ने किया है।

अकरम-अभिषेक का वीडियो हुआ था वायरल

अकरम उस वीडियो में अभिषेक से कहते दिखते हैं, 'क्या शानदार पारी (इंग्लैंड के खिलाफ टी20 में) थी। मैंने वह पारी देखी थी। इस प्रदर्शन को बरकरार रखें। यह बस शुरुआत है...अपना सिर नीचे रखें (जमीन से जुड़े रहें) और प्रदर्शन करते रहें। ऑल द बेस्ट।' अब एक शो के दौरान वसीम अकरम ने बताया कि वह अभिषेक को नहीं पहचान पाए थे। हालांकि, जब उन्होंने अपना परिचय दिया, तो अकरम को एहसास हुआ कि वह कौन हैं और उनके पास उस बल्लेबाज की तारीफ के लिए काफी शब्द थे।

वसीम अकरम ने बताई पूरी कहानी

अकरम ने कहा, 'मैं अभिषेक से दुबई में मिला था। मैं डीपी वर्ल्ड बॉक्स शो में था। मैं पहले उन्हें नहीं पहचानता था। यह लड़का मेरे पास आया और कहा कि मैं अभिषेक शर्मा हूं। मैंने कहा कि वही अभिषेक जिसने मार मार के इंग्लैंड का डंबा बनाया है।'

'अभिषेक का भविष्य उज्जवल है'

अकरम ने कहा, 'फिर मैंने अभिषेक से कहा- अच्छा खेले बेटा। वह बहुत अच्छा दिखने वाला लड़का है। मैंने उनकी बल्लेबाजी की कुछ क्लिप देखी हैं। मुझे लगता है कि उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। मैंने उन्हें सिर्फ एक सलाह दी कि यह सिर्फ शुरुआत है, मुझे लगता है कि आपको अपने देश के लिए 15-20 साल और खेलने हैं।'

अभिषेक ने 37 गेंद में लगाया था शतक

अकरम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अभिषेक द्वारा बनाए गए 37 गेंदों के शतक का जिक्र किया और यहां तक कि उनकी तुलना विस्फोटक शाहिद अफरीदी से भी की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक के पास जिस तरह की प्रतिभा है, मेरा मानना है कि वह बहुत अच्छे फील्डर भी हैं। क्या खिलाड़ी और क्या पारी थी! 37 गेंदों में शतक।

मैंने बूम बूम अफरीदी के बारे में सुना था और अब अभिषेक हैं।' वसीम अकरम ने आगे कहा, 'मैंने उनकी पारी देखी है और मुझे लगता है कि वह बेहतरीन हार्ड हिटिंग बल्लेबाज हैं। उन्हें बस अपने खेल पर ध्यान देने की जरूरत है।'

फैंस के लिए खुशखबरी, शुभमन गिल ने विश्राम वाले दिन नेट गेंदबाजों व सहयोगी स्टाफ के साथ अभ्यास किया

दुबई, 28 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की अटकलों पर विराम लगाते हुए भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल गुरुवार को प्रशिक्षण के लिए आधिकारिक विश्राम के दिन कुछ सहयोगी स्टाफ के साथ अभ्यास के लिए आईसीसी क्रिकेट अकादमी आए। गिल बुधवार को अभ्यास छोड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। उन्होंने विशेषज्ञों और यूएई के नेट गेंदबाजों के थ्रो-डाउन के साथ दो घंटे तक मेहनत की।

शुभमन गिल को लेकर कयास लगाए जा रहे थे

गिल ने बुधवार को भारतीय टीम के साथ अभ्यास नहीं किया था जिसके बाद उनकी उपलब्धता पर कयास लगाए जा रहे थे। बीसीसीआई प्रबंधन ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह ठीक हैं और आराम के लिए एक दिन की छुट्टी ले रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में लगभग 300 रन बनाने के बाद गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला

भारत को अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। यह मुकाबला दो मार्च को दुबई में खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए इस वजह से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टेबल टॉपर तय हो जाएगा। दोनों ही टीमें इसके लिए जमकर तैयारी कर रही हैं। पाकिस्तान पर जीत के बाद बुधवार को गिल को छोड़कर भारतीय खिलाड़ियों ने पहली बार आईसीसी अकादमी में ट्रेनिंग में हिस्सा लिया।

पूरी भारतीय टीम ने एकसाथ अभ्यास किया

पूरी भारतीय टीम ने एकसाथ अभ्यास किया था। रोहित ने बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान किसी भारी गतिविधि में हिस्सा नहीं लिया और न ही नेट्स पर बैटिंग प्रैक्टिस की। अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम का माहौल काफी खुशनुमा दिखा और खिलाड़ी एक दूसरे के साथ हंसते मिलते दिखे। भारतीय खिलाड़ी एक दूसरे के साथ मजाक भी कर रहे थे। बीसीसीआई ने अपनी साइट पर इसका वीडियो भी जारी किया है।

विराट कोहली और शमी ने भी अभ्यास किया

अभ्यास सत्र के दौरान सभी खिलाड़ी फुटबॉल खेलकर और स्प्रिंट लेकर वार्मअप किया। नेट्स सेशन में विराट कोहली ने काफी समय स्पिनरों का सामना करने में बिताया, जबकि गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल दुबई में टीम से जुड़ गए हैं।

विराट ने ट्रेनिंग सत्र के दौरान कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों का तो सामना किया है, साथ में उन्होंने अन्य नेट गेंदबाजों को बुलाकर उनका भी सामना किया। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद शमी को भी पूरे दमखम के साथ गेंदबाजी करते देखा गया। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान शमी भी परेशानी में दिखे थे।

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स का दौरा किया

हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल परियोजना की टीम सम्मानित

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को हैदराबाद में स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों के डिजाइन और विकास के लिए तंत्रिका केंद्र, डीआरडीओ के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। उन्हें अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) द्वारा किए जा रहे मिसाइल प्रौद्योगिकियों और संबंधित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और आरसीआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक और अधिकारी मौजूद थे। श्री सिंह ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल परियोजना की टीम को भी सम्मानित किया, जिसका सफल उड़ान परीक्षण नवंबर 2024 में हुआ था। सफल परीक्षण ने भारत को हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया। वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने भारत की रक्षा क्षमताओं में उनके अद्वितीय योगदान के लिए उनकी सराहना की और विश्वास जताया कि ठोस प्रयासों से भारत 2027 तक शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से समर्पण और ईमानदारी के साथ काम करते हुए अपनी परियोजनाओं में तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिवर्तन को शामिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को भी श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से मिसाइल विकास में पूर्व राष्ट्रपति के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। अपने संबोधन में डीआरडीओ के अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास और भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा, डीआरडीओ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण को साकार करने का प्रयास करेगा कि रक्षा प्रणालियां भारत में बनाई जाएं और दुनिया के लिए बनाई जाएं।

रंगारेड्डी में आरटीसी कंडक्टर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के याचारम में एक टीजीएसआरटीसी बस कंडक्टर ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। बी अंजैया (40) ने गुरुवार शाम को याचारम मंडल के अंतर्गत गंडलागुडेम में अपने घर पर अज्ञात कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया।

परिजनों व स्थानीय ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरटीसी कर्मचारियों का आरोप है कि उच्च अधिकारियों का दबाव आत्महत्या का कारण है। हालांकि, उनके परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया है। याचारम पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस नेता पर किया हमला

नागर कर्नूल, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में बीआरएस नेताओं पर हमले लगातार जारी हैं। बीआरएस के युवा नेता और पूर्व मार्केट कमेटी निदेशक गजुला परमेश पर गुरुवार आधी रात को कथित तौर पर पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के समर्थकों ने हमला किया। परमीश कांग्रेस सरकार द्वारा लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। इसके अलावा, बीआरएस एमएलसी के कविता के दौरे और कोल्लापुर में अन्य कार्यक्रमों की पूर्व संध्या पर परमीश अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बीआरएस पार्टी के बैनर और फ्लेक्सी लगा रहे थे।

हालांकि, परमेश के काम से नाराज मंत्री के समर्थकों ने गुरुवार आधी रात को पेड्डाकोथपल्ली मंडल के अंतर्गत सतपुर गांव में उन पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया। डॉक्टरों ने शुक्रवार सुबह उन्हें छुट्टी दे दी।

बीआरएस नेताओं ने शिकायत की कि परमेश पर हमले के बावजूद पुलिस अधिकारियों ने हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। बीआरएस एमएलसी के कविता ने परमेश से मुलाकात की और पार्टी की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी भी दी कि बीआरएस नेताओं पर ऐसी कोई भी घटना और हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उप महानिदेशक एयर कमोडोर वी.एम. रेड्डी को विदाई दी

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (एपी और टी) के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) निदेशालय ने सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्त होने के अवसर पर उप महानिदेशक एयर कमोडोर वी.एम. रेड्डी के सम्मान में शुक्रवार को एक भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया। एयर कमोडोर विज्जिली मधुसूदन रेड्डी हैदराबाद से हैं और 16 दिसंबर 1989 को भारतीय वायु सेना की लड़ाकू स्ट्रीम में नियुक्त हुए थे। उनका तीन दशकों का शानदार कैरियर रहा, जिसमें भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में बदलते देखा गया, जिसमें उन्होंने भारतीय वायु सेना के क्षमता विकास में बहुत योगदान दिया और जुलाई 2023 से एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) का नेतृत्व कर रहे हैं, जो युवाओं के पोषण के लिए दृष्टि, अखंडता और गहन प्रतिबद्धता के साथ नेतृत्व कर रहे हैं। डीडीजी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने एनसीसी के आउटरीच और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, एनसीसी के लाखों कैडेटों के बीच अनुशासन, सेवा और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। उनके शानदार नेतृत्व में एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) का प्रदर्शन गणतंत्र दिवस शिविर 2025 में चौथे स्थान पर पहुंच गया। निदेशालय को संबोधित करते हुए एयर कमोडोर रेड्डी ने एनसीसी बिरादरी के प्रति आभार व्यक्त किया और कैडेटों के उत्साह और उत्कृष्टता की प्रशंसा की, जिसमें उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, एनसीसी के साथ सेवा करना एक अत्यंत संतुष्टिदायक यात्रा रही है। हमारे कैडेटों की लगन और प्रतिभा हमारे राष्ट्र के भविष्य में आशा और विश्वास को प्रेरित करती है। मुझे इस उल्लेखनीय संगठन का हिस्सा होने पर गर्व है। एनसीसी के महानिदेशक ने एयर कमोडोर रेड्डी के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की और उन्हें नई दिल्ली में राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में एक स्मारक पट्टिका और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

कैडेटों ने भी अपने निवर्तमान नेता के प्रति गहरे सम्मान और प्रशंसा को दर्शाते हुए हार्दिक संदेश साझा किए। एयर कमोडोर वी.एम. रेड्डी अपनी अच्छी तरह से अर्जित सेवानिवृत्ति में कदम रख रहे हैं, जिम्मेदार और सक्षम नागरिकों को आकार देने की उनकी प्रतिबद्धता की विरासत आने वाले समय में एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) को प्रेरित करती रहेगी। एयर कमोडोर वी.एम. रेड्डी ने एक समारोह में निदेशक कर्नल समीर शर्मा को उप महानिदेशक की नियुक्ति का कार्यभार सौंपा।

केंद्र ने दी वारंगल में ममनूर हवाई अड्डे को मंजूरी

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने वारंगल में ममनूर हवाई अड्डे के निर्माण को मंजूरी दे दी है। तेलंगाना सरकार लंबे समय से केंद्र सरकार से ममनूर में हवाई अड्डे के निर्माण की अनुमति देने की अपील कर रही थी। इसमें शर्त थी कि शमशाबाद एयरपोर्ट से 150 किमी दूर नए एयरपोर्ट के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। नवंबर 2024 में तेलंगाना सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से संपर्क कर कहा था कि हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एचआईएएल) ने 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' जारी कर दिया है। तदनुसार, वारंगल हवाई अड्डे के विकास के लिए एएआई को 253 एकड़ जमीन सौंपने के निर्देश जारी किए गए। वर्तमान में, वारंगल हवाई अड्डा एएआई का गैर-संचालन हवाई अड्डा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एएआई को ममनूर में काम शुरू करने का भी निर्देश दिया है।

696 एकड़ के अतिरिक्त, 253 एकड़ भूमि का बड़ा हिस्सा रनवे विस्तार, टर्मिनल भवन, वायु यातायात नियंत्रण, नेविगेशन उपकरण स्थापना और अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

4 पुलिस निरीक्षकों का तबादला

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर आयुक्तालय के अंतर्गत चार पुलिस निरीक्षकों का तबादला कर दिया। तदनुसार, सुरेंद्र मलकापुरम को एसएचओ बोराबंडा के रूप में तैनात किया गया था, वीरा शेखर सुनकारी को एसएचओ ट्रैफिक, चारमीनार के रूप में तैनात किया गया था, सैदुलु गरिकापति को डिटेक्टिव इंस्पेक्टर बोराबंडा के रूप में तैनात किया गया था और भूपाल गौड़ बुडिगे को डिटेक्टिव इंस्पेक्टर चदरघाट के रूप में तैनात किया गया था। आदेश में कहा गया है कि ये स्थानांतरण और नियुक्तियां प्रशासनिक आधार पर तथा तत्काल प्रभाव से की गई हैं।

मुख्य सचिव ने उपराष्ट्रपति के दौरे के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और 2 मार्च को भारत के उपराष्ट्रपति के राज्य दौरे के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को सभी विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय में काम करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई संचार अंतराल न हो और व्यवस्थाएं उचित तरीके से की जाएं। मुख्य सचिव ने बताया कि अपने संक्षिप्त दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति आईआईटी हैदराबाद जाएंगे जहां वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के साथ बातचीत करेंगे।

वह शहर में एक निजी कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और उसी दिन नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। पुलिस विभाग को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था और बंदोबस्त व्यवस्था करने को कहा गया। आरएंडबी विभाग को पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को योग्य डॉक्टरों और अन्य उपकरणों की सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। इसी तरह ऊर्जा विभाग को गणमान्य अतिथि के दौरे के सभी स्थानों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में विशेष मुख्य सचिव गृह रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव आरएंडबी विकास राज, सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क डॉ.एस हरीश, हैदराबाद के कलेक्टर और सांगा रेड्डी तथा अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से किया बाघिन से सावधान रहने की अपील

मंचेरियल, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने शुक्रवार को हाजीपुर मंडल के गुडीपेट, नामनूर और मुलकल्ला गांवों के जंगलों में घूम रही एक प्रवासी बाघिन से ग्रामीणों को सतर्क रहने का आग्रह किया। लक्सेटीपेट वन रेंज अधिकारी ए. सुभाष ने एक बयान में तीनों गांवों और आस-पास के जंगल के किनारे बसे इलाकों के निवासियों से बाघिन से सावधान रहने का अनुरोध किया।

उन्होंने उनसे कहा कि वे मक्का, धान और अन्य फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बिजली से चलने वाली बाड़ न लगाएं, क्योंकि इससे मांसाहारी जानवरों को खतरा हो सकता है। ऐसे जाल बाघिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अधिकारियों को उम्मीद है कि एल1 नामक बाघिन शुक्रवार रात तक नागरम की ओर बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले गुडीपेट के जंगलों में भटकने से पहले यह गदपुर और बोक्कलगुट्टा गांवों के जंगलों में घूम चुकी थी। कुमराम भीम जिले की यह बाघिन नवंबर में इलाके की तलाश में जिले में आई थी।

झील में मृत पाए गए प्रो. विजय

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) अस्पताल के बायोकेमिस्ट्री प्रोफेसर एम विजय भास्कर (62) ने कथित तौर पर सुराराम में एक झील में आत्महत्या कर ली। इससे पहले, 25 फरवरी को घर से निकले विजय भास्कर के घर वापस न लौटने पर सुराराम थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। परेशान परिवार के सदस्यों ने उसे सभी संभावित स्थानों पर तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। उन्होंने सुरराम पुलिस से संपर्क किया।

पुलिस जब उसकी तलाश में जुटी थी, तभी शुक्रवार को विजय भास्कर का शव कट्टा मैसम्मा तालाब में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बुरी तरह सड़ी-गली लाश बरामद की। बाद में उन्होंने इसकी पहचान विजय भास्कर के रूप में की। ऐसा संदेह है कि विजय भास्कर ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की है। मामले की जांच की जा रही है।

साइबर जालसाजों ने की व्यापारी से 1.2 लाख रुपये की ठगी

हैदराबाद, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 50 वर्षीय व्यापारी को साइबर जालसाजों ने शॉपिंग और किराने की खरीद पर छूट का वादा करके कथित तौर पर 1.2 लाख रुपये की ठगी की। पीड़ित को एक धोखेबाज व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक लोकप्रिय शॉपिंग मॉल का अधिकारी बताते हुए किराने के सामान और अन्य घरेलू सामानों पर अच्छी छूट देने का दावा किया।

पुलिस ने बताया कि ऑफर में दिलचस्पी दिखाते हुए पीड़ित ने जालसाज द्वारा शेयर किए गए लिंक पर क्लिक किया और कार्ड नंबर और सीवीवी सहित अपने कार्ड की सारी जानकारी दर्ज की। हालांकि, तकनीकी समस्या के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जालसाज ने फिर पीड़ित को कॉल किया और उसे आश्वासन दिया कि वह वादा किए गए डिस्काउंट को उपलब्ध कराएगा। प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, जालसाज ने एक लिंक भेजा और पीड़ित को इसे खोलने का निर्देश दिया।

साइबर क्राइम अधिकारी ने बताया कि जब पीड़ित ने लिंक खोला, तो जालसाज ने दुर्भावनापूर्ण ऐप के ज़रिए उसका विवरण हासिल कर लिया। जालसाज ने क्रेडिट कार्ड का विवरण प्राप्त किया और उसे केवल अपनी जन्मतिथि दर्ज करने के लिए कहा। पीड़ित ने निर्देशों का पालन किया और आवश्यक जानकारी जमा की और कुछ ही मिनटों में उसके क्रेडिट कार्ड से पैसे उड़ा लिए गए।

धोखेबाज लेन-देन को पूरा करने में सक्षम था क्योंकि वह दुर्भावनापूर्ण ऐप के माध्यम से पीड़ित के मोबाइल स्क्रीन पर नजर रख रहा था। शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

मात्र 8 वर्ष की आयु में माउंट किलिमंजारो पर की चढ़ाई

सिद्दीपेट, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट के युवा पर्वतारोही जतोथ विहान राम (9) ने 8 वर्ष और 5 महीने की छोटी उम्र में अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो और हिमाचल प्रदेश के माउंट पातालसू पर गिलमैन प्वाइंट पर चढ़ाई करके इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने विहान राम की छोटी सी उम्र में की गई उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया। विहान राम सिद्दीपेट जिले के धुलिमट्टा मंडल के हनुमा थांडा के निवासी हैं। उनके माता-पिता, कोच, गांववालों और शिक्षकों ने उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कामना की कि वे आने वाले दिनों में पर्वतारोहण में कुछ बड़ा हासिल करें।

करीमनगर दुर्घटना में मतदान कर्मी घायल

करीमनगर, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी चुनाव के लिए मतदान कराने के बाद करीमनगर लौट रहे 19 मतदान कर्मी उस समय घायल हो गए, जब शुक्रवार सुबह करीमनगर-जगतियाल मुख्य मार्ग पर गंगाधारा के निकट उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टीजीएसआरटीसी की बस ने गुरुवार रात मतदान पूरा होने के बाद मतपेटियों और अन्य मतदान सामग्री को कार्मिकों के साथ यहां अंबेडकर स्टेडियम स्थित स्ट्रांग रूम तक पहुंचाया। मतपेटियों और मतदान सामग्री को जमा करने के बाद, वाहन मतदान कर्मचारियों के साथ वापस लौटा।

जब यह गंगाधर रेलवे फाटक पर पहुंचा, तो लगभग 3 बजे बस अपने आगे चल रही एक अन्य बस से टकरा गई।

घटना के समय बस में यात्रा कर रहे लगभग 19 मतदान कर्मचारी घायल हो गए। उनमें से दो को गंभीर चोटें आईं। सभी को करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एसई को किया गया निलंबित

गदवाल, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली आपूर्ति अधिकारियों ने कथित तौर पर एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है तथा उन्हें जिले में कृषि कार्यों को प्रभावित करने वाली लगातार बिजली कटौती के लिए जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों का कहना है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से खड़ी फसलों पर असर पड़ने की शिकायत करने वाले किसानों के आंदोलन के बाद अधीक्षण अभियंता तिरुपति राव को निलंबित कर दिया गया है। किसानों ने बुधवार को अलवलपडु सब स्टेशन पर प्रदर्शन किया। उनकी शिकायत यह थी कि जुराला परियोजना के माध्यम से पानी छोड़े जाने के बावजूद वे अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि बिजली आपूर्ति बाधित है। इस आंदोलन के बाद अधिकारियों ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की जांच के आदेश दिए हैं और एसई को निलंबित कर दिया है। बताया गया कि वानापर्थी एसई राजशेखर को गदवाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

एसीबी के शिकंजे में सरकारी स्कूल का एचएम

कोत्तागुडेम, 28 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम कस्बे के सरकारी हाई स्कूल, कुली लाइन के प्रधानाध्यापक को शुक्रवार को एसीबी अधिकारियों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। खम्मम रेंज एसीबी डीएसपी वाई रमेश के अनुसार केंद्र सरकार ने छात्रों की आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण देने की योजना शुरू की है। प्रशिक्षण कक्षाएं 72 दिनों तक चलेंगी। प्रशिक्षण के लिए सरकार कराटे प्रशिक्षक को तीन महीने की अवधि के लिए 72 कक्षाएं संचालित करने के लिए 30,000 रुपये प्रदान करेगी। प्रधानाध्यापक टी रविंदर ने प्रशिक्षक से वेतन देने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी। रिश्वत नहीं देना चाहने वाले प्रशिक्षक ने एसीबी अधिकारियों से संपर्क किया, जिन्होंने जाल बिछाया और प्रधानाध्यापक को उस समय पकड़ लिया, जब वह स्कूल में प्रशिक्षक से 20,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था।

डीएसपी रमेश ने बताया कि दागी धन जब्त कर लिया गया है, आरोपियों को गिरफ्तार कर वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। यह एक पखवाड़े के भीतर एसीबी की तीसरी और इस साल जिले में पांचवीं छापेमारी थी।

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
एन एफ एल NFL नवरत्न कंपनी
आंचलिक कार्यालय, #3-6-666, बरवाले चेम्बर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, हैदराबाद- 500029, तेलंगाना राज्य फोन: 040-29701389, मोबाइल: 8885002445

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-निविदा)

हैंडलिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदारों की नियुक्ति हेतु

मैसर्स नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल), एक अग्रणी सीपीएसयू, 2 वर्षों की अवधि के लिए **तेलंगाना राज्य के वारंगल, पेड्डापल्ली, मंचेरियल, कामारेड्डी, आदिलाबाद, जगित्याल, गडवाल रैक प्वाइंट** पर एनएफएल उर्वरकों के लिए **नियमित हैंडलिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन ठेकेदार** नियुक्त करने का इच्छुक है। निविदा विवरण वेबसाइट **www.nationalfertilizers.com** एवं यूआरएल **https://gem.gov.in** से देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। निविदा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि **24.03.2025** है।

केवल ई-निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। निविदा में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हुआ, तो उसे केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

आंचलिक प्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.